

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक विकास

download more : http://t.me/Edu_Books

भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आयाम

- भारत में प्रति व्यक्ति आय का कितना अनुमान दादाभाई नौरोजी ने किया था? - 20 रुपये प्रति वर्ष (1867-68)
- स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर अर्थात् 1944-46 के मध्य कुल राष्ट्रीय तथा प्रति व्यक्ति आय कितनी थी? - क्रमशः 4931 करोड़ रुपये तथा 204 रुपये
- महालवाड़ी व्यवस्था का प्रथम प्रस्तावक कौन था? - हाल्ट मैकेंजी (1822)
- 'डाकू राज्य' उपमा किस कालखण्ड को प्रदान की गई? - 1765 - 72 ई. (बंगाल में) के काल को, के. एम. पणिक्कर द्वारा
- औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था से आप क्या समझते हैं? - किसी देश की अर्थव्यवस्था का दूसरे देश द्वारा शासित होना।
- अंग्रेजों ने किस प्रकार की आर्थिक व्यवस्था भारत में अधिरोपित किया था? - अर्ध-सामन्तवादी व्यवस्था (Semi-Feudal Economy) अर्थात् इसमें सरकार व सामन्त दोनों को ही अधिकार थे।
- हमारी प्रणाली एक ऐसे स्पंज के रूप में काम करती है जो गंगा के किनारों से प्रत्येक अच्छी वस्तु ले लेती है फिर टेम्स के किनारे पर निचोड़ देती है' यह वक्तव्य किसने दिया था? - जॉन सुलविन
- उत्तरी भारत में भूमि कर व्यवस्था का प्रवर्तक किसे माना जाता है? - मार्टिन बर्ड
- महालवाड़ी भू-धारण प्रणाली सर्वप्रथम कहाँ और किसके द्वारा लागू की गयी थी? - 1833 में लॉर्ड विलियम बैंटिक द्वारा आगरा एवं अवध में लागू की गयी।
- बंगाल का सर्वाधिक भीषण एवं संहारक अकाल का वर्ष कौन-सा था? - 1943
- गतिहीन विकास से क्या तात्पर्य है? - वह अर्थव्यवस्था जिसमें वास्तविक राष्ट्रीय व प्रति व्यक्ति आय प्रायः स्थिर रहती है।
- ब्रिटेन की औद्योगिक तथा वाणिज्यिक नीतियाँ औपनिवेशिक भारत में किस प्रकार की थी? - पूरक अर्थव्यवस्था (Complementary Economy) अर्थात् भारत, इंग्लैण्ड की पूरक अर्थव्यवस्था का स्थान ले लें।

औपनिवेशिक शासन के दौरान राष्ट्रीय आय का आकलन करने वाला प्रथम भारतीय कौन था? - दादाभाई नौरोजी (इन्होंने अपनी पुस्तक 'Poverty and Un-British Rule in India' में अपना धन के निकास सिद्धान्त (Drain Theory) को प्रतिपादित किया।

- औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीयों द्वारा किये गये राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय के आकलनों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण किसे माना गया है? - डा. वी.के.आर.वी. राव के आकलन
- 'इंडिया डिवाइडेड' किसकी सुप्रसिद्ध कृति है? - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
- 'द लैण्ड सिस्टम ऑफ ब्रिटिश इंडिया' किस विद्वान की उपयोगी कृति है? - बी.एच.बेडेन पावेल
- दादाभाई नौरोजी ने धन निष्कासन को कौन-सी संज्ञा प्रदान की थी? - अनिष्टों का अनिष्ट (Evil of all Evils)
- विश्व में सर्वप्रथम औद्योगिक क्रांति कहाँ हुई थी? - इंग्लैण्ड में
- भारत में आधुनिक उद्योग का प्रारम्भ किसके द्वारा और कौन-सी मिल स्थापना के साथ माना जाता है? - 1854 में सी. एन. डेबर द्वारा मुम्बई में सूती मिल की स्थापना के साथ।

भारत में सर्वप्रथम उद्योगों की स्थापना

उद्योग	स्था. वर्ष	स्थान
सूती वस्त्र*	1818	फोर्ट ग्लोस्टर (कोलकाता)
कागज	1832	सिरामपुर (पं. बंगाल)
चीनी उद्योग*	1840	बेतिया (बिहार)
सीमेंट*	1904	चेन्नई
जूट*	1859	रिशरा (पं. बंगाल)
लोहा-इस्पात*	1870	कुलटी (पं. बंगाल)
ऊनी वस्त्र*	1876	कानपुर
कृत्रिम रेशा रेयॉन	1920	त्रावणकोर (केरल)
एल्युमिनियम	1937	जे.के.नगर

- भारत में पहली बार रेलवे का प्रारम्भ, कब, कहाँ और किसके द्वारा किया गया? - 16 अप्रैल, 1853 में बम्बई से थाणे के बीच लॉर्ड डलहौजी के काल में।
- सार्वजनिक निर्माण विभाग (P.W.D) की स्थापना कब की गई थी? - 1854 (डलहौजी)
- भारत में डाक एवं तार विभाग की स्थापना किसके काल में

हुई थी? - **लॉर्ड डलहौजी (1848ई.-1856ई.)**

- ♦ जनांकिकीय संक्रमण के प्रथम से द्वितीय सोपान की ओर संक्रमण का विभाजक वर्ष कौन-सा वर्ष माना जाता है? - **1921**
- ♦ भारत में आधारिक संरचना विकास की नीतियों से अंग्रेज अपने कौन-से उद्देश्य पूरा करना चाहते थे? - **औपनिवेशिक हितों का संरक्षण एवं संवर्द्धन।**
- ♦ उत्पादन वृद्धि, प्राविधिक तथा संस्थागत 5 परिवर्तन किसके द्योतक है? - **आर्थिक विकास के**
- ♦ आर्थिक संवृद्धि के मापक हैं- **G.D.P., G.N.P. एवं प्रति व्यक्ति आय**
- ♦ किसी देश की आर्थिक संवृद्धि का सबसे उपयुक्त मापदंड है उसका - **प्रति व्यक्ति वास्तविक आय**
- ♦ आर्थिक संवृद्धि तथा विकास किस प्रकार की अवधारणा है? - **क्रमशः वस्तुनिष्ठ एवं व्यक्तिनिष्ठ (objective & subjective)।**
- ♦ आर्थिक विकास का मापन किससे किया जाता है? - **जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले अनेक चरों से बने सूचकांक द्वारा।**
- ♦ सामाजिक-आर्थिक विकास के मापन का मानक सूचकांक, राष्ट्रीय समृद्धि सूचकांक (NPI) को माना जाता है। इसके तीन घटक हैं, यथा- **G.D.P. की वृद्धि दर, जीवन की गुणवत्ता में सुधार (मुख्यतः गरीबी रेखा के नीचे के लोगों का) और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर आधारित मूल्य प्रणाली का जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रयोग करना।**
- ♦ उल्लेखनीय है कि जीवन की गुणवत्ता में सुधार-शुद्ध पेयजल, पोषण, आवासीय व्यवस्था, उचित सफाई, उत्तम स्वास्थ्य सुविधा, अच्छी शिक्षा तथा रोजगार आदि सम्भाव्यताओं का फलन है, जबकि संस्कृति, विरासत, सामाजिकता, समन्वय, सहिष्णुता, सार्वभौमिकता, सामाजिक विषमता का अभाव, सहभागिता, समरसता तथा सुयुक्त परिवार प्रणाली को प्रोत्साहित करने पर निर्भर करती है। ध्यातव्य है कि कुछ समय पूर्व दक्षिण सम्मेलन में पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने इसी सूचकांक को आधार दक्षेस समृद्धि सूचकांक विकसित करने का आह्वान किया था।
- ♦ भारतीय मूल के नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन आर्थिक विकास को किस रूप में परिभाषित करते हैं? - **अधिकारिता (Entitlement) तथा क्षमता (Capabilities) के विस्तार के रूप में**
- ♦ प्रो. सेन के दृष्टि में अधिकारिता तथा क्षमता का क्या तात्पर्य है? - **जीवन पोषण, आत्मसम्मान तथा स्वतंत्रता**
- ♦ जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक का अधिकतम तथा न्यूनतम मूल्य कितना होता है? - **क्रमशः 100 तथा 1 होता है।**

- ♦ भारत में नियोजन की आवश्यकता के संदर्भ में एक पुस्तक **'Planned Economy for India'** (भारत के लिए नियोजित अर्थव्यवस्था) सन् **1934** में प्रकाशित हुई थी, इस पुस्तक के लेखक **सर एम. विश्वेश्वरैया थे।***
- ♦ भारत में नियोजन की आवश्यकता व सम्भावना पर विचार करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन (1938) में सर्वप्रथम एक **'राष्ट्रीय नियोजन समिति'** का गठन किया था, **पं. जवाहरलाल नेहरू** इस समिति के अध्यक्ष थे।*
- ♦ मुम्बई के आठ प्रमुख उद्योगपतियों द्वारा 1944 में अर्देशिर दलाल की देख-रेख में एक योजना प्रस्तुत की गई जो **'बॉम्बे प्लान'** कहलाती है, इसके पूर्व 1943 में ही श्रीमान नारायण द्वारा **'गांधीवादी योजना'** 1945 में श्रमिक नेता **एम. एन. राय** द्वारा **'जन योजना'** (People's Plan) तथा 1950 में **जयप्रकाश नारायण** द्वारा **'सर्वोदय योजना'** प्रस्तुत की गई।
- ♦ प्रथम से 10 वीं तक के पंचवर्षीय योजनाओं के मार्गदर्शी सिद्धान्त क्या थे? - **रोजगार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय।**
- ♦ भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास प्रक्रिया के पहले 30 वर्षों 1950-51 और 1980-81 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद की औसत वार्षिक वृद्धि दर एवं प्रति व्यक्ति वृद्धि दर कितनी थी? - **क्रमशः 3.4 और 1.2 प्रतिशत।**
- ♦ भारतीय अर्थव्यवस्था किस अवधि में हिन्दू वृद्धि दर के अवरोध को पार कर गई थी? - **1980-81 से 1996-97 के बीच, जबकि राष्ट्रीय औसत वार्षिक वृद्धि दर 5.5% और प्रति व्यक्ति आय वृद्धि दर 3.3% थी।**

क्या है नीति आयोग?

नीति आयोग (नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफार्मिंग इंडिया) पं. जवाहरलाल नेहरू के युग में शुरू की गई योजना आयोग का प्रतिस्थापन है। नेहरू काल में शुरू किए गए योजना आयोग ने भारत के पंचवर्षीय विकास की योजना को कई सालों तक लागू किया। भारत में लगभग 30 साल के बाद पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई भाजपा सरकार ने वर्षों पुरानी योजना आयोग का नाम बदलकर नीति आयोग रख दिया है। साथ में इस आयोग की कार्यप्रणाली में भी एक बड़े स्तर पर बदलाव किया गया है। इस नई संस्था को थिंक-टैंक के रूप में वर्णित किया गया है। इस आयोग का प्राथमिक कार्य सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर सरकार को सलाह देने का है, ताकि सरकार ऐसी योजना का निर्माण करे जो लोगों के हित में हो। नीति आयोग किस प्रकार योजना आयोग से भिन्न है : नीति आयोग ने लोगों के विकास के लिए नीति बनाने के लिए विकेंद्रीयकरण (सहकारी संघवाद) को शामिल किया है। इसके आधार पर केंद्र के साथ राज्य

भी योजनाओं को बनाने में अपनी राय रख सकेंगे। इसके अंतर्गत योजना निचले स्तर पर स्थित इकाइयों गांव, जिले, राज्य तथा केंद्र के साथ आपसी बातचीत के बाद तैयार की जाएगी। इसका उद्देश्य जमीनी हकीकत के आधार पर योजना बनाना होगा।

नए नीति आयोग कौन किस पद पर

- ◆ अध्यक्ष - नरेन्द्र मोदी
- ◆ गवर्निंग काउंसिल - मुख्यमंत्री (राज्यों के) और लेफ्टिनेंट गवर्नर (संघशासित क्षेत्रों के)
- ◆ क्षेत्रीय परिषद - जरूरत के आधार पर गठित, मुख्यमंत्री एवं क्षेत्र के लेफ्टिनेंट गवर्नर को शामिल किया गया।
- ◆ सदस्य - पूर्णकालिक आधार पर
- ◆ अंशकालिक सदस्य - अधिकतम 2, रोटेशनल प्रासंगिक संस्थानों से।
- ◆ पदेन सदस्य - मंत्रियों की परिषद से अधिकतम 4, प्रधानमंत्री द्वारा नामित।
- ◆ सीईओ - निश्चित अवधि के लिए प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त।
- ◆ भारत में योजना आयोग का सृजन किया गया है- **मंत्रिमण्डल के एक प्रस्ताव द्वारा (15 मार्च, 1950 को)**
- ◆ राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किस तिथि को हुआ था? - **6 अगस्त, 1952 को**
- ◆ पिछड़े देशों के लिए 'रेलिंग प्लान' का सुझाव किसके द्वारा दिया गया था? -**जी.मिर्डल द्वारा**
- ◆ भारत में पंचवर्षीय योजना को स्वीकार करने का अन्तिम अधिकार है? - **राष्ट्रीय विकास परिषद को**
- ◆ किसने राष्ट्रीय विकास परिषद को एक सर्वोच्च मंत्रिपरिषद की संज्ञा प्रदान किया? - **श्री के. सन्थानम**
- ◆ राष्ट्रीय विकास परिषद तथा योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है? - **प्रधानमंत्री दोनों के पदेन अध्यक्ष होते हैं।**
- ◆ कौन-सी संस्था सहकारी संघवाद का सर्वोत्तम उदाहरण है? - **राष्ट्रीय विकास परिषद**
- ◆ योजना आयोग द्वारा तैयार किसी योजना के प्रस्तावित प्रारूप को अन्तिम रूप से कौन-सी संस्था स्वीकृत करती है? - **राष्ट्रीय विकास परिषद (NDC)**
- ◆ योजना आयोग के किस पदाधिकारी को केन्द्रीय मंत्री के बराबर का दर्जा प्रदान किया गया है? - **आयोग के उपाध्यक्ष को**
- ◆ हैराल्ड-डोमर मॉडल पर आधारित भारत की कौन-सी पंचवर्षीय योजना थी? - **प्रथम योजना (1951-56)**
- ◆ 'आत्मनिर्भर एवं स्वयं-स्फूर्त अर्थव्यवस्था' का मुख्य उद्देश्य किस पंचवर्षीय योजना में रखा गया था? - **तीसरी योजना में**

- ◆ 'भोजन, काम और उत्पादन' का नारा किस पंचवर्षीय योजना का था? - **सातवीं पंचवर्षीय योजना**
- ◆ भारत की किस योजना को 'कृषि एवं सिंचाई योजना' की संज्ञा प्रदान की गई है? - **प्रथम पंचवर्षीय योजना को**
- ◆ 11 वीं पंचवर्षीय योजना में अधिकतम राशि आवंटित की गई थी? - **सामाजिक सेवाओं (30.2%) तथा ऊर्जा हेतु (23.4)।**
- ◆ 11 वीं पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य क्या था? - **'तीव्रता और अधिक समावेशी विकास का'**
- ◆ तीन वर्षीय योजना अवकाश किन पंचवर्षीय योजनाओं के मध्य आयोजित किया गया था? - **तीसरी तथा चौथी पंचवर्षीय योजनाओं के मध्य।**
- ◆ किस पंचवर्षीय योजना में कुल परिव्यय का सर्वाधिक भाग कृषि पर व्यय किया गया? - **प्रथम पंचवर्षीय योजना (31.0 प्रतिशत)।**
- ◆ किस पंचवर्षीय योजना में कुल परिव्यय का ऊर्जा विकास पर सर्वाधिक व्यय किया गया? - **सातवीं योजना (28.0%)**
- ◆ सामाजिक सेवाओं पर सर्वाधिक व्यय किस पंचवर्षीय योजनाओं में किया गया? - **क्रमशः 11वीं एवं 10 वीं पंचवर्षीय योजना में (35.5 एवं 28.4 प्रतिशत)।**

लक्ष्य से कम वृद्धि दर (2004-05) कीमत पर

योजना	प्राप्ति दर	लक्ष्य
दूसरी पंचवर्षीय योजना	4.21%	4.5%
तीसरी पंचवर्षीय योजना	2.7%	5.6%
चौथी पंचवर्षीय योजना	3.2%	5.7%
नौवीं पंचवर्षीय योजना	5.50%	6.5%
10वीं पंचवर्षीय योजना	7.74%	7.9%
11वीं पंचवर्षीय योजना	8.2%	9.2%
12वीं पंचवर्षीय योजना	--	8.5%

लक्ष्य से अधिक वृद्धि दर प्राप्ति करने वाले पंचवर्षीय योजनाएं

योजना	प्राप्ति दर	लक्ष्य
आठवीं पंचवर्षीय योजना	6.6%	5.6%
सातवीं पंचवर्षीय योजना	5.80%	5.0%
छठी पंचवर्षीय योजना	5.40%	5.2%
पांचवीं पंचवर्षीय योजना	4.80%	4.4%
प्रथम पंचवर्षीय योजना	3.6%	2.1%

- ◆ योजना की अवधारणा किसने सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था? - **गुन्नार मिर्डल ने अपनी पुस्तक 'एशियन ड्रामा' में।**
- ◆ अनवरत योजना को भारत में लागू करने का श्रेय किसे प्राप्त है? - **प्रो. डी.टी. लकड़ावाला**

- अनवरत योजना के दौरान किस नीति का अनुसरण किया गया था? - **गांधीवादी नीति का।**
- गरीबी निवारण की प्राथमिकता यद्यपि 5 वीं पंचवर्षीय योजना में ही प्रदान कर दी गई थी। तथापि भारत में गरीबी उन्मूलन के लिए **‘गरीबी हटाओ’** का नारा श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा **छठीं पंचवर्षीय** योजना में दिया गया था। इसके अलावा रोजगार के लिए **‘मानक व्यक्ति वर्ष’ (Standard Person Year)** को भी छठीं योजना में अपनाया गया, अर्थात् यदि कोई व्यक्ति 8 घंटे प्रतिदिन के हिसाब से 273 दिन तक कार्य में नियोजित है तो उसे मानक व्यक्ति वर्ष की दृष्टि से रोजगार युक्त कहेंगे।
- विकास केन्द्र उपागम का प्रारम्भ चौथी पंचवर्षीय योजना में क्षेत्रीय विषमता को दूर करने के उद्देश्य से किया गया था। किन्तु इस पर विशेष बल पांचवी योजना में दिया गया। ध्यातव्य है कि विकास केन्द्र उपागम के अन्तर्गत **समस्या आधारित कार्यक्रम, संसाधन आधारित योजना, प्रोत्साहन दृष्टिकोण, व्यापक क्षेत्र तथा लक्षित समूह उपागम** आदि घटक समाहित किये गये हैं।
- **आदेशात्मक योजना में आदेष्टा सोपान बाजार तंत्र का स्थान पूरी तरह से ले लेता है**, जबकि निर्देशात्मक योजना में उसे बाजार प्रणाली के कार्यकरण को सुधारने का केवल एक साधन माना जाता है।
- वित्त आयोग **संवैधानिक निकाय है**, जबकि योजना आयोग परामर्शदात्री निकाय है। योजना आयोग का सम्बन्ध जहाँ पूंजीगत खाते से है, वहीं वित्त आयोग का सम्बन्ध **राजस्व खाते** से है। किन्तु एक व्यक्ति एक ही समय में दोनों संस्थाओं का सदस्य हो सकता है। इस व्याख्या से स्पष्ट है कि **दोनों संस्थानों का कार्यक्षेत्र अलग-अलग हैं**
- द्वितीय पंचवर्षीय योजना में जहाँ **भारी उद्योगों** की स्थापना पर बल दिया गया वहीं तृतीय योजना में औद्योगीकरण की रणनीति के रूप में आयात-प्रतिस्थापन की अवधारणा को प्रारम्भ किया गया।
- **‘आर्थिक एवं सामाजिक नियोजन का उल्लेख संविधान के सातवीं अनुसूची की समवर्ती-सूची में किया गया है।**
- भारत में योजना आयोग के आरम्भ (1 अप्रैल, 1951) से लेकर **11 वीं पंचवर्षीय योजना तक पंचवर्षीय योजनाओं में अनाच्छादित कुल वर्षों की संख्या 6 है।** 1966 - 69 = 3 वर्ष; 1979 - 80 = 1 वर्ष, 1990 - 92 = 2 वर्ष।
- आठवीं पंचवर्षीय योजना को मानव विकास के सारे विकास प्रयासों का सार तत्व माना जाता है।
- भारत में स्वयंपोषित विकास का उद्देश्य सर्वप्रथम चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में अपनाया गया था। तीसरी पंचवर्षीय में खाद्यान्नों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का लक्ष्य अपनाया गया।
- शिक्षा क्षेत्र के लिए 11 वीं पंचवर्षीय योजना की विषय-वस्तु क्या है? - **अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा**
- **सामाजिक क्षेत्र-** कृषि एवं ग्रामीण विकास पर 437450 करोड़ रुपये, परिवहन पर 572443 करोड़ रुपये, ऊर्जा पर 854123 करोड़ रुपये और सामाजिक क्षेत्र पर 1102327 करोड़ रुपये व्यय प्रस्तावित था।
- 11 वीं पंचवर्षीय योजना में कितने आई.आई.टी. स्थापित किये जाने का प्रस्ताव किया गया था? - **आठ (8)**
- 12 वीं योजना में सामाजिक सेवाओं पर व्यय में पर्याप्त वृद्धि हुई है, इसमें किस क्षेत्र पर सर्वाधिक व्यय का प्रावधान है? - **शिक्षा क्षेत्र और उसके बाद स्वास्थ्य पर।**
- सरकार के **समावेशित वृद्धि लक्ष्य** को आगे ले जाने में **स्वयं सहायता समूहों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन** प्रत्यक्ष रूप से तथा **शिक्षा का अधिकार अधिनियम का लागू कराना** अप्रत्यक्ष रूप से सहायक साबित हो सकते हैं।
- आर्थिक विकास सामान्यतया **स्फीति (Inflation)** के साथ युग्मित होता है क्योंकि **आर्थिक विकास से वस्तुओं की मांग बढ़ती है और आय में भी वृद्धि होती है।**
- लारेंज वक्र तथा गिनी गुणांक को कब और किसने विकसित किया था? - **क्रमशः मैक्स ओलारेन्ज (1905) तथा कोरेडो गिनी (1912) ने।**
- आय के वितरण की विषमता की माप की सर्वाधिक प्रचलित विधि कौन-सी है? - **गिनी गुणांक; यह आय के प्रत्येक युग्म के बीच आय अन्तर की माप करती है।**
- एचडीआर 2011 के अनुसार, भारत में 2010-11 की अवधि में आय की दृष्टि से असमानता का गिनी गुणांक कितना था? - **36.8**
- योजना आयोग ने देश में निर्धनता की माप के लिए प्रो. डी.टी. लकड़ावाला की अध्यक्षता में विशेषज्ञ दल की नियुक्ति कब की थी? - **1989 में, समिति ने अपना रिपोर्ट 1993 में प्रस्तुत की थी।**
- 20 सितम्बर, 2011 को योजना आयोग द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दिये अपने शपथ-पत्र में किसे गरीब माना था? - **ग्रामीण क्षेत्र में जो 26 रुपये प्रतिदिन से कम और शहरी क्षेत्र में प्रतिदिन 32 रुपये से कम खर्च करता है।**
- गरीबी के आकलन के लिए गठित अर्जुन सेन गुप्त की कमेटी ने भारत में कितने प्रतिशत लोगों को गरीब बताया है? - **77%**

गरीबी की माप की कुछ अवधारणाएँ

- **गरीबी रेखा (Poverty Line):** गरीबी रेखा आय या उपभोग व्यय का स्तर है जो अपने सभी नागरिकों के लिए समाज में रहने का न्यूनतम स्तर दिखाने के लिए वांछनीय माना जाता है। यह न्यूनतम स्तर निरपेक्ष या सापेक्ष संदर्भों में परिभाषित किया जा सकता है। **निरपेक्ष गरीबी रेखा प्रायः आय के रूप में परिभाषित किया जाता है।** यह एक औसत प्रति व्यक्ति के लिए **न्यूनतम ऊर्जा या कैलोरी की आवश्यकता** के रूप में परिभाषित किया जाता है।

- ◆ **हेड काउंट रेशियो (Head Count Ratio-HCR) :** यह एक समाज के लोगों का वह अनुपात या प्रतिशत है जिनकी आय या खर्च गरीबी रेखा के नीचे रहती हैं। गरीबी मापन के लिए इस विधि का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाता है।
- ◆ **गरीबी अंतराल (Poverty Gap-PG) :** गरीबी अंतराल संकेतक (Poverty Gap Indicator) विश्व बैंक विकास अनुसंधान समूह द्वारा निर्मित किया गया है। यह लोगों की प्रति व्यक्ति आय/उपभोग की सूचनाओं का उपयोग करते हुए गरीबी की माप की जाती है। गरीबी का मापन व्यक्तियों द्वारा 1.25 डॉलर प्रतिदिन से नीचे या ऊपर रहने पर आधारित होती है।
- ◆ **लॉरेंज वक्र:** यह आय संचयी प्रतिशत और जनसंख्या के संचयी प्रतिशत के बीच के संबंधों को अभिव्यक्त करता है। यदि सभी की आय प्राप्त करने वालों के हिस्सा में बराबर रहे अर्थात् 10 प्रतिशत लोगों के पास 10 प्रतिशत हिस्सा हो तो हमें एक विशेष प्रकार का लॉरेंज वक्र प्राप्त होगा जिसे 'निरपेक्ष समता रेखा' कहते हैं। यदि निरपेक्ष आय में समानता होगी तो ऐसी स्थिति में लॉरेंज वक्र डिग्री रेखा वाला होगा।*
- ◆ वास्तविक आँकड़ों पर आधारित लॉरेंज वक्र इस निरपेक्ष समता रेखा से जितनी दूर होगी, लोगों के बीच असमानता उतनी ही अधिक होगी। * जबकि लॉरेंज वक्र जितना अधिक निरपेक्ष समता रेखा के पास होगी, आय भी असमानता उतनी ही कम होगी।*
- ◆ **गिनी गुणांक विधि :** यह विधि सापेक्ष निर्धनता माप की दूसरी विधि है। गिनी गुणांक का प्रयोग आय या संपत्ति की असमानता की माप के लिए किया जाता है। गिनी गुणांक, लॉरेंज वक्र और 45 डिग्री रेखा (निरपेक्ष समता रेखा) के बीच का क्षेत्रफल दर्शाता है। गिनी गुणांक का मूल्य 0 से 1 के बीच होता है। इसका मूल्य 1 के बराबर उस समय होता है जबकि निरपेक्ष असमानता की स्थिति होती है, वहीं शून्य के बराबर मूल्य निरपेक्ष समानता की स्थिति में होता है। गिनी गुणांक का मान आमतौर पर 0.3 से 0.7 के बीच होता है।
- ◆ **प्रतिदिन 1.25 डॉलर की गरीबी रेखा:** इसके आधार पर विश्व बैंक द्वारा अति गहन निर्धनता को परिभाषित किया जाता है। इसके आधार पर प्रतिदिन जिनकी आय 1.25 डॉलर से कम होती है उन्हें गरीबी रेखा के नीचे माना जाता है।
- ◆ **भारत में अमीर व गरीब दोनों ही कुपोषित हैं।** अमीर फास्ट फूड व जंक फूड के सेवन से तथा गरीब अल्प कैलोरी के भोजन ग्रहण करने के कारण कुपोषण के शिकार है।

- ◆ UNDP के अनुसार विश्व के बहुआयामी निर्धनों का सर्वाधिक 53.7% अर्थात् 61.2 करोड़ भारत में ही निवास करते हैं।
- ◆ भारत में गरीबी को कैलोरी प्राप्ति से परिभाषित किया गया था (UPPCS Main- 05)। किन्तु योजना आयोग के वर्तमान रिपोर्ट में 'उपभोग आधारित निर्वाह लागत सूचकांक' के आधार पर गरीबी को परिभाषित किया गया है।

पंचवर्षीय योजनाओं में उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर प्रतिशत में

योजना	उद्योग क्षेत्र की वृद्धि (%) में
पहली योजना	5.54
दूसरी योजना	5.59
तीसरी योजना	6.28
तीन वार्षिक योजनाएँ	1.42
चौथी योजना	4.91
पांचवी योजना	6.55
छठवीं योजना	5.32
सातवीं योजना	6.77
दो वार्षिक योजनाएँ	0.10
आठवीं योजना	7.58
नौवीं योजना	4.29
दसवीं योजना	9.17
11वीं योजना	7.3 (लक्ष्य 10.5)
12वीं योजना	9.6 (दृष्टिकोण पत्र में) बाद में संशोधित लक्ष्य 8%

- ◆ वर्तमान सरकार द्वारा पंचवर्षीय योजनाओं को समाप्त कर दिया गया है एवं नीति आयोग ने एक नवीन 15 वर्षीय दीर्घकालिक योजना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, जो कि सरकार को 2030 तक विकास कार्यों की रूपरेखा प्रदान करेगा। 1 अप्रैल 2017 से नीति आयोग ने एक कार्यात्मक तीन वर्षीय प्लान प्रारंभ किया है, जिसका उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर केंद्रित है।
- ◆ विश्व में सर्वप्रथम औद्योगिक क्रांति कहां हुई थी? - **इंग्लैण्ड**
- ◆ भारत में आधुनिक उद्योग का प्रारम्भ किसके द्वारा और कौन-सी मिल स्थापना के साथ माना जाता है? - **1854 में सी.एन. डेबर मुम्बई में सूती मिल की स्थापना के साथ।**
- ◆ द्वितीय पंचवर्षीय योजना किसके मॉडल पर आधारित थी? - **महालनोबिस मॉडल**
- ◆ 11वीं पंचवर्षीय योजना में औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि दर कितनी रही? - **7.3 प्रतिशत**
- ◆ सिंदरी फर्टिलाइजर्स, चितरंजन लोकोमोटिव्स, इण्डियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज, इन्टीग्रल कोच फैक्ट्री तथा केबल फैक्ट्री की स्थापना पंचवर्षीय योजना में हुआ था? - **प्रथम पंचवर्षीय योजना**

- ◆ भिलाई, राउरकेला तथा दुर्गापुर इस्पात संयंत्र की स्थापना किस पंचवर्षीय योजना काल में हुआ था? – **दूसरी पंचवर्षीय योजना में**
- ◆ सार्वजनिक उपक्रमों को नवरत्न (14) तथा मिनीरत्न श्रेणी में विभक्त (68) करने की अवधारणा किस पंचवर्षीय योजना में शुरू हुई? – **नौवीं पंचवर्षीय योजना**
- ◆ औद्योगिकरण की प्रक्रिया तीव्र होने पर अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र का अंश कम होता जाता है? – **कृषि क्षेत्र का**
- ◆ स्वतंत्रोपरान्त प्रथम औद्योगिक नीति कब बनी? – **1948 में**
- ◆ किस औद्योगिक नीति में लघु क्षेत्र को तीन वर्गों में रखा गया? – **औद्योगिक नीति 1977**
- ◆ लघु उद्योगों की उपयोगी भूमिका पर महत्वपूर्ण एवं चर्चित पुस्तक 'Small is beautiful' किसकी कृति है? – **शुमाखरन**
- ◆ सरकार द्वारा महारत्न योजना की शुरुआत कब की गई थी? – **दिसम्बर, 2009**
- ◆ औद्योगिक स्थानीकरण के सम्बन्ध में 'न्यूनतम परिवहन लागत सिद्धान्त' का प्रतिपादन किसने किया था? – **अल्फ्रेड वेबर (जर्मन)**
- ◆ वर्तमान समय में विश्व इस्पात उद्योग में उत्पादन की दृष्टि से भारत का कौन-सा स्थान है? – **चौथा**
- ◆ ज्ञान आधारित उद्योग की उपमा किसे प्रदान की जाती है? – **सूचना प्रौद्योगिकी को**
- ◆ भारत में दुर्गापुर इस्पात संयंत्र की स्थापना किसके सहयोग से हुई थी? – **ब्रिटेन**
- ◆ रेणूकट में स्थापित हिंडालको एल्युमिनियम कारखाना किसके सहयोग से स्थापित किया गया था? – **संयुक्त राज्य अमेरिका**
- ◆ कम्पनी द्वारा लाभांश की घोषणा अभिदत्त पूंजी (Subscribed Capital) पर की जाती है जो **अंश धारक (Share Holder)** द्वारा खरीदा जाता है।
- ◆ कम्पनी के तुलना-पत्र (Balance Sheet) से कम्पनी की **परिसम्पत्तियों (Assets)** और देयताओं (Liabilities) का आकार और संघटन को बताना सम्भव होता है। ध्यातव्य है कि इसमें कम्पनी की सभी परिसम्पति, ऋण व अधिकृत पूंजी समाहित होती है।
- ◆ **आबिद हुसैन समिति** (गठन-1995; सिफारिश प्रस्तुति 1997) ने, जो कि लघु उद्योग की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए गठित की गई थी; अपने सिफारिश में **लघु क्षेत्र के लिए वस्तुओं का आरक्षण समाप्त करने का सुझाव दिया है।**
- ◆ **नायक समिति का** सम्बन्ध लघु उद्योगों की वित्त एवं रूग्णता सम्बन्धी समस्याओं के अध्ययन से था, जिसने अपनी सिफारिश 1992 में प्रस्तुत की थी।
- ◆ **गोल्डेन हैण्ड शेक योजना** सार्वजनिक प्रतिष्ठान के कर्मियों को स्वेच्छा से समय पूर्व लाभप्रद योजना द्वारा अवकाश ग्रहण करने में है।
- ◆ **राष्ट्रीय नवीनीकरण कोष** (National renewal Fund) एक सामाजिक सुरक्षा जाल उपलब्ध कराता है तथा कामगारों को औद्योगिक क्षेत्र में होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करता है। इसकी स्थापना केन्द्र सरकार द्वारा 1991 में किया गया था।
- ◆ इस्पात क्षेत्र देश के GDP तथा रोजगार में कितना योगदान करता है? – **देश के GDP का लगभग 2% योगदान तथा 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार।**
- ◆ प्रौद्योगिकी उन्नयन कोष योजना कब शुरू की गई थी? – **वर्ष 1999 में**
- ◆ भारत में उदार औद्योगिक नीति 1991 में तथा **सार्वजनिक उद्यमों में विनिवेश** 1991-92 वित्तीय वर्ष से आरम्भ हुआ।

योजना	समयावधि	मॉडल	केन्द्रीय बिन्दु
FYP-1	1951-1956	हैराल्ड-डोमर मॉडल पर बल*	कृषि विकास
FYP-2	1956-61	नेहरू-महालनोबिस का मॉडल	आधारभूत एवं भारी उद्योगों का आर्थिक विकास*
FYP-3	1961-1966	जे.सैण्डी, सुखमय चक्रवर्ती एवं महालनोबिस मॉडल का प्रभाव	आत्मनिर्भर स्वतः स्फूर्ति अर्थव्यवस्था
FYP-4	1969-1974	अशोक रुद्र-प्लन एस.मात्रे मॉडल स्थिरता के साथ	आत्मनिर्भरता
FYP-5	1974-1979	डी.पी.धर मॉडल	निर्धनता उन्मूलन तथा आत्मनिर्भरता*
FYP-6	1980-1985	आगत-निर्गत मॉडल का विस्तार	गरीबी निवारण तथा रोजगार सृजन*
FYP-7	1985-1990	वस्तु-मजदूरी मॉडल	कृषि, विकास प्रेरित समृद्धि रणनीति
FYP-8	1992-1997	जॉन डब्ल्यू. मिलर मॉडल	मानव संसाधन का विकास *
FYP-9	1997-2002	आगत-निर्गत मॉडल	सामाजिक न्याय और समानता के साथ आर्थिक समृद्धि*
FYP-10	2002 -2007	योजना आयोग का पत्र	सामाजिक न्याय तथा समता के साथ आर्थिक विकास*
FYP-11	2007-2012	योजना आयोग का पत्र	तीव्रतर और अधिक समावेशी विकास*
FYP-12	2012-2017	योजना आयोग का पत्र	तीव्रतर, सतत एवं अधिक समावेशी विकास*

- ♦ भारत में औद्योगिक विकास हेतु 'संयुक्त क्षेत्र' का विचार 1956 की औद्योगिक नीति प्रस्ताव में रखा गया था। इस प्रस्ताव में औद्योगीकरण में तीव्रता लाना मुख्य उद्देश्य बनाया गया। इसके अलावा आय व सम्पत्ति के वितरण में समानता लाना और इस क्षेत्र में एकाधिकारी प्रवृत्तियों पर रोक लगाना भी प्रस्ताव में शामिल था।
 - ♦ भारत में उद्यमों हेतु लाइसेन्सिंग प्रणाली का आधार उद्योग अधिनियम, 1951 था। आज के परिदृश्य में इस अधिनियम के तहत केवल 5 उद्यमों को लाइसेंस की जरूरत रह गई है।
 - ♦ सुप्रसिद्ध उद्योग और उद्योगपति जोड़े- रिलायंस-मुकेश अंबानी; एयरटेल-भारती मित्तल, नैनो कार रतन टाटा; विप्रो-अजीम प्रेमजी।
 - ♦ औद्योगीकरण के ढांचे में परिवर्तन के अन्तर्गत भारी उद्योग का महत्व कम करते हुए आधारिक संरचनाओं पर बल देने की शुरुआत आठवीं पंचवर्षीय योजना से की गई।
 - ♦ खनिज एवं धातु व्यापार निगम (MMTC) भारत की सरकारी क्षेत्र में सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था है। यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी विदेशी मुद्रा कमाने वाली संस्था, खनिजों का विशालतम निर्यातक एवं विशालतम बुलियन व्यापारी है।
 - ♦ संगठन के प्रकार और उनके महत्वपूर्ण लक्षणों में कुछ अधोलिखित है। यथा- एकल व्यापारी में दायित्व असीमित होता है; साझेदारी में सम्बन्ध संविदात्मक होते हैं; सहकारिता का प्रमुख लक्षण कमजोर वर्गों की उन्नति है न कि लाभ कमाना जबकि सार्वजनिक समिति कम्पनी में जोखिम उठाने वालों की संख्या अधिक होती है क्योंकि कम्पनी अपने अंशों (शेयरों) की बिक्री से पूंजी का संग्रहण करती है।
 - ♦ भारत में पहली बार 'व्यय कर' लगाने का सुझाव कलडॉर ने दिया। इन्होंने VAT की भी शुरुआत किया था। ज्ञातव्य है कि कलडॉर एक ब्रिटिश अर्थशास्त्री थे, जिन्हें 1964 में कर सलाहकार के रूप में भारत आमंत्रित किया गया था।
 - ♦ स्टेनलेस स्टील किन पदार्थों को मिलाकर बनाया जाता है? - लोहा, क्रोमियम, निकेल एवं कार्बन
 - ♦ इस समय देश में कितने एकीकृत इस्पात प्लांट है? - 8 (भिलाई, दुर्गापुर, राउरकेला, बोकारो, इस्को, विश्वेश्वरैया, विशाखापत्तनम एवं सेलम)
 - ♦ बेवर के परिकल्पित 'आदर्श अवस्थिति त्रिभुज' के अन्दर सबसे कम लागत वाली स्थिति किस संयंत्र की है? - बोकारो संयंत्र
 - ♦ वे उद्योग जो स्थानीय कच्चे मालों का उपयोग करते हैं, कहलाते हैं? - कुटीर उद्योग
 - ♦ सामान्यतः किसी कुटीर उद्योग में कितने श्रमिक नियोजित होते हैं? - 10 से कम
 - ♦ बाल्को अर्थात् भारत एल्युमिनियम कम्पनी लिमिटेड की स्थापना कब और किसके सहयोग से हुई थी? - 1965 में सोवियत संघ के सहयोग से
 - ♦ भारत में कौन-सा क्षेत्र कुटीर उद्योग के रूप में विशेष रूप से विकसित है? - गुजरात, पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान
 - ♦ कौन-सा संयंत्र दोषपूर्ण अवस्थिति के कारण लाभान्वित नहीं हो सका? - इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (IISCO)
 - ♦ वस्त्रों तथा जूट व हथकरघा सहित परिधान क्षेत्र के लिए 'समेकित कौशल विकास योजना' नाम से एक नई योजना कब प्रारम्भ की गई? - 5 अगस्त, 2010 को
 - ♦ वर्ल्ड स्टील डाइनेमिक्स के अनुसार भारत के किस इस्पात संयंत्र की अवस्थिति सर्वोत्तम मानी गयी है? - टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी
 - ♦ स्पंज आयरन के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान किसका है? - भारत का (भारत- 2012)
 - ♦ देश का सबसे बड़ा, संगठित एवं व्यापक उद्योग कौन सा है?
- कपड़ा उद्योग**
- ♦ किस उद्योग को स्वदेशी आन्दोलन ने काफी प्रोत्साहित किया? - कपड़ा उद्योग का
 - ♦ वर्तमान समय में देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक कपड़ा खपत लगभग कितना है? - लगभग 44.0 मी.
 - ♦ 'पूर्व का बोस्टन' संज्ञा किस सूती केन्द्र को प्रदान की गई है? - अहमदाबाद को
 - ♦ भारत के कुल कपड़ा निर्यात में रेशमी वस्त्रों का योगदान कितना है? - लगभग 3.0%
 - ♦ हिन्दुस्तान केबल्स फैक्ट्री भारत में किस स्थान पर स्थित है? - रूपनारायणपुर प. बंगाल एवं हैदराबाद
 - ♦ 'इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस' कहाँ स्थित है? - बंगलूरु
 - ♦ भारत के किस शहर को UNO ने 'प्राविधिक नवाचारों का ग्लोबीय केन्द्र' घोषित किया है? - बंगलूरु
 - ♦ भारत की 'सिलिकॉन घाटी' की उपमा किसे प्रदान की गई है? - बंगलूरु को
 - ♦ देश का पहला वस्त्र पार्क कब और कहाँ स्थापित किया गया था? - बंगलूरु को
 - ♦ केन्द्रीय रेशम अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान कहाँ स्थापित किया गया है? - मैसूर एवं बरहमपुर में
 - ♦ केन्द्रीय ईरी रेशम अनुसंधान संस्थान स्थित है - मेन्दीपाथर (मेघालय)

- ◆ विश्व में रेशम का प्रचलन सर्वप्रथम कहाँ प्रारम्भ हुआ? - चीन में
- ◆ नये किस्म के रेशमों का सर्वाधिक उत्पादन कहाँ होता है? - मणिपुर एवं जम्मू कश्मीर
- ◆ रेशम उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है- कर्नाटक
- ◆ केन्द्रीय टसर अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान कहाँ स्थित है? - रांची (झारखण्ड)
- ◆ जूट का प्रथम कारखाना कहाँ लगाया गया था? - रिशरा (1854) में
- ◆ सहजनवाँ, जिला गोरखपुर में कौन-सी मिल स्थित है? - जूट मिल
- ◆ केन्द्रीय रेशम की स्थापना कब की गई - 1949
- ◆ जूट से बनी वस्तुओं के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान किस देश का है? - भारत
- ◆ पश्मीना ऊन किससे प्राप्त होता है? - बकरी से
- ◆ विश्व प्रसिद्ध अंगोरा ऊन प्राप्त किया जाता है - खरगोश से
- ◆ भारत का प्रथम आधुनिक ऊन कारखाना कहाँ स्थापित किया गया? - कानपुर (1876)
- ◆ ऊन उत्पादक अग्रणी राज्य है - पंजाब
- ◆ भदोही, मिर्जापुर एवं गोपीगंज किस कुटीर उद्योग के लिए प्रसिद्ध है? - कालीन निर्माण
- ◆ दवा और फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की पहली कम्पनी कौन है? - फार्मास्युटिकल्स हिन्दुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड-पिम्परी, पुणे (1954)
- ◆ हिन्दुस्तान एंटीबायोटिक्स लिमिटेड (HAL) की तीन सहायक कम्पनियाँ कहाँ स्थापित है? - बंगलुरु, नागपुर एवं इम्फाल में
- ◆ H.M.T बंगलुरु की स्थापना 1963 में किस देश की सहायता से किया गया था? - स्विट्जरलैण्ड
- ◆ भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) 1964 की छः इकाइयाँ कहाँ-कहाँ स्थापित हैं? - भोपाल, तिरुचिरापल्ली, हैदराबाद, जम्मू, बंगलुरु एवं हरिद्वार
- ◆ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटीकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च (NIPER) कहाँ स्थित है - मोहाली
- ◆ एस.एस. भटनागर अवार्ड कौन प्रदान करता है? - नीपेर (NIPER)
- ◆ प्लास्टिक उद्योग के कच्चे माल कहाँ से प्राप्त होते हैं? - तेल शोधनशालाओं से
- ◆ उ.प्र. में फिरोजाबाद तथा कर्नाटक में बेलगाम जिला किस उद्योग के लिए सुप्रसिद्ध है? - कांच उद्योग
- ◆ नेपालगर, होशंगाबाद, टीटागढ़ तथा राजा-मुन्द्री किस उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं? - कागज उद्योग

राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी नीति-2011

- ◆ इस नीति में वर्तमान में सालाना कारोबार जो 89 अरब डालर का है, को बढ़ाकर 2020 में 300 अरब डालर तक ले जाने का प्रस्ताव किया गया है।
- ◆ प्रति इकाई पूंजी निवेश पर लघु उद्योग में अपेक्षाकृत अधिक रोजगार पैदा होता है। साथ ही साथ अल्प कुशल कर्मियों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।
- ◆ भारत में सबसे महत्वपूर्ण लघु स्तर होगा हथकरघा उद्योग हैं। इसके अन्तर्गत खादी, दरी, छींट, मलमल एवं कालीन आदि उद्यम समाहित है। यह असंगठित क्षेत्र की उद्यम है जिसमें लगभग 60-65 लाख श्रमिक नियोजित है।
- ◆ श्रम गहन उद्योग ऐसे उद्योग हैं जहाँ श्रम मूल्य के महत्व पूंजी मूल्य की तुलना में अधिक होता है। जैसे होटल, रेस्तराँ, गहरी कोयले की खदानें एवं खाण्डसारी उद्योग आदि अर्थात् ऐसे उद्योगों में श्रमिकों की संख्या अधिक होती हैं।
- ◆ उद्योग बन्धु : उत्तर-प्रदेश सरकार की एक एजेंसी है, जो औद्योगिक इकाइयों की स्थापना एवं समस्याओं के समाधान में सहयोग करती है।
- ◆ भारत में लघु उद्योग की प्रमुख समस्याएँ हैं- पूंजी की कमी, कच्चा माल, उत्पादन एवं विपणन की विकसित प्रणाली का अभाव, बड़े उद्योगों से प्रतिस्पर्धा, परिवहन साधन की कमी, संगठन का अभाव, अनुसंधान एवं तकनीकी शिक्षा की कमी आदि।
- ◆ किसी उद्योग के स्वरूप और आकार का निर्धारण क्रमशः निवेशित पूंजी, टर्न ओवर तथा विद्युत की खपत के द्वारा किया जाता है। स्वरूप को निर्धारित करने में निवेशित पूंजी द्वारा ही यह ज्ञात किया जाता है कि वह पूंजी प्रधान है अथवा श्रम प्रधान। टर्न ओवर (Turn over) तथा विद्युत की खपत उद्योग के आकार का निर्धारण करते हैं।
- ◆ 17 मई, 2010 को केन्द्र सरकार द्वारा नये औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) को स्वीकृति प्रदान करते हुए उसका आधार वर्ष 2004-05 निर्धारित किया गया है।
- ◆ VSNL का नियंत्रण टाटा समूह द्वारा; मुद्रा विशेष आर्थिक क्षेत्र लिमिटेड का अडानी समूह द्वारा; CMC लिमिटेड का टाटा समूह द्वारा तथा IPCL का नियंत्रण रिलायंस समूह द्वारा किया जाता है।
- ◆ देश का पहला इन्वेस्टमेण्ट एवं मैनुफैक्चरिंग जोन राजस्थान में बनने जा रहा है।

- ◆ **क्रेता का बाजार** वह बाजार है जहाँ मांग की अपेक्षा पूर्ति अधिक होती है, फलतः वस्तुओं के मूल्य कम होते हैं।
- ◆ **खुदरा कारोबार (Retail Trading)** क्षेत्र के **एकल ब्रांड उत्पादों** के सन्दर्भ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति भारत में 2006 से ही प्रदान की गई है।
- ◆ भारत सरकार, **केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (CPSEs)** में लगी अपनी इक्विटी के विनिवेश से प्राप्त समस्त विनिवेश राशि को सामाजिक क्षेत्र के परियोजना की पूंजी आवश्यकता के वित्तपोषण में व्यय करना चाहती है।
- ◆ आर्थिक क्रियाकलापों के सन्दर्भ में 19 वें राष्ट्रमण्डल खेलों को देखने के लिए विदेशी नागरिकों का भारत में आगमन से देश को प्राप्त आय पर्यटन के अन्तर्गत आयेगी, जो कि **निर्यात लेखे** के तहत अदृश्य मद होगी।
- ◆ रिटेल कारोबार की विश्व की सबसे बड़ी कम्पनी अमेरिका की **वाल मार्ट (Wal-Mart)** है। अन्य कम्पनियों और उनके देश व मालिक का नाम है- **इन्फिनिटी रिटेल लि.** (टाटा समूह की), **भारती इंटरप्राइजेज** (सुनील मित्तल) **चेन टेस्को** (ब्रिटेन), **कैरेफोर** (फ्रांस) तथा **पेंटालून रिटेल लि.** आदि।
- ◆ **1 जनवरी, 2005 से भारत में उत्पाद पेटेंट (Product Patent)** व्यवस्था प्रभावी हो गई, इससे पूर्व 1999 व 2002 के पेटेंट (संशोधन) अधिनियमों के जरिये **प्रक्रिया पेटेंट (Process Patent)** लागू को किया गया था।
- ◆ दुपहिया वाहन बनाने में भारत का **विश्व में दूसरा स्थान** है।
- ◆ **व्यावसायिक वाहन बनाने में भारत का विश्व में पाँचवा स्थान** है।
- ◆ भारत **वाहन बनाने वाला विश्व का 7 वां सबसे बड़ा देश** है।
- ◆ सबसे ज्यादा **ट्रैक्टर** भारत में बनाए जाते हैं।
- ◆ कार बनाने में भारत का स्थान विश्व में 9वां है।
- ◆ भारत, चीन के बाद दुनिया का **दूसरे नम्बर का सबसे बड़ा साइकिल उत्पादक देश** है।* देश की साइकिलों के लिए निर्यात बाजार अफ्रीकन देश, जैसे-नाइजीरिया, मैक्सिको, केन्या, यूगांडा तथा ब्राजील के साथ ही दक्षिणी अमेरिका के देश हैं।
- ◆ **नमक उत्पादन में** भारत विश्व में तीसरे नम्बर पर बना हुआ है।* पहले और दूसरे नम्बर पर **क्रमशः चीन** तथा **USA** है, जबकि शीर्ष तीन नमक उत्पादक राज्य हैं- **गुजरात***, **तमिलनाडु** एवं **राजस्थान**।
- ◆ महाराष्ट्र राज्य में सर्वाधिक पावरलूम स्थित हैं।*
- ◆ भारत के शीर्ष दो कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर विक्रेता कम्पनी हैं- **टाटा कंसलटेन्सी सर्विस एवं विप्रो लिमिटेड**।
- ◆ सीमेन्ट उद्योग के स्थानीकरण पर चूने-पत्थर का प्रभाव सर्वाधिक है। वर्तमान समय में **समुद्री कवच**-जैसे, द्वारिका (गुजरात), तिरुवनन्तपुरम, चेन्नई में और **स्लज** (रासायनिक उर्वरक अवशिष्ट) जिसमें चूने का अंश होता है, के आधार पर **सिंदरी, तलचर** में सीमेन्ट उद्योग का विकास हुआ है। इसके अलावा **स्लम**, जो कि लौह-इस्पात उद्योग के अवशिष्ट हैं, के आधार पर **भिलाई, राऊरकेला, दुर्गापुर एवं भद्रावती** जैसे केन्द्रों में यह उद्योग है और 1997 से नियंत्रण मुक्त भी है। इसमें ऑटोमेटिक रूट से 100% FDI किया जा सकता है।
- ◆ आन्ध्र प्रदेश **भ्रदाचलम** में भारत की सर्वाधिक पर्यावरण मित्र ITC कागज बोर्ड पेपर संयंत्र स्थित है।*
- ◆ अमेरिका एवं ऑस्ट्रिया के सहयोग से आन्ध्र प्रदेश के **काकीनाड़ा** विशेष अधिक क्षेत्र (KSEZ) में भारत का **प्रथम बायो-डीजल संयंत्र** स्थित है। *
- ◆ **पेट्रोनेट L.N.G लिमिटेड** भारत सरकार द्वारा निर्मित कम्पनी है, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य L.N.G आयात तथा L.N.G टर्मिनल की स्थापना है। **दाहेज** (गुजरात), **कोच्ची** (केरल) के अलावा **मंगलौर** में भी एक L.N.G टर्मिनल लगाने जा रहा है।

परीक्षोपयोगी विविष्ट तथ्य

- ◆ औषधि उत्पादन के संबंध में भारत विश्व का 10% औषधि उत्पादित कर विश्व में तीसरा स्थान रखता है। भारत से औषधि का निर्यात कई देशों में होता है-जैसे **USA**, यूरोपीय देश, जापान, ऑस्ट्रेलिया आदि।
- ◆ **उत्तर प्रदेश का चीनी उत्पादन में प्रथम स्थान** है।* अप्रैल, 2011 तक के आँकड़ों के अनुसार देश के सम्पूर्ण चीनी उत्पादन में **24% उत्पादित कर उत्तर प्रदेश का प्रथम और 20% उत्पादित कर महाराष्ट्र द्वितीय स्थान पर था।**

गन्ना उत्पादक शीर्ष तीन राज्य

राज्य	उत्पादन (% में)
उत्तर प्रदेश	36.0
महाराष्ट्र	22.8
तमिलनाडु	-

निर्यात विकास केन्द्र

- ♦ तिरुपुर : हौजरी एवं बुनाई उद्योग
- ♦ मुरादाबाद* : ब्रासवेयर हैण्डिक्राफ्ट, घातुपत्र*
- ♦ सहारनपुर : काष्ठ नक्काशी (UPPCS- 2011)
- ♦ लुधियाना : भारी मशीनरी तथा हौजरी
- ♦ सूरत : रत्न और आभूषण
- ♦ पजिम : रबर उद्योग*
- ♦ पानीपत : हथकरघा
- ♦ भोपाल : कीटनाशक उद्योग*
- ♦ अलेप्पी : नारियल के रेशे और इससे निर्मित सामान (Coir)
- ♦ मोदीनगर : रबर उद्योग*
- ♦ जालन्धर : खेल का सम्मान
- ♦ मोन (नागालैण्ड) : लकड़ी की वस्तु
- ♦ नलबाड़ी : बांस पर आधारित वस्तु
- ♦ पिंजौर : मशीन औजार*
- ♦ रानीपत (अम्बूर) : चमड़ा
- ♦ पीलीभीत : काष्ठ पादुका (UPPCS- 2011)
- ♦ नागपुर : हस्त उपकरण
- ♦ विशाखापत्तनम : मछली उत्पाद
- ♦ मेरठ : खेल का सामान
- ♦ अलीगढ़ : पीतल के ताले
- ♦ आगरा : चमड़ा फुटवियर, पर्यटन
- ♦ खुर्जा : मिट्टी के बर्तन*
- ♦ कांचीपुरम : रेशम
- ♦ सेलम : हस्त उपकरण
- ♦ शिवकाशी : माचिस
- ♦ अम्बाला : वैज्ञानिक उपकरण
- ♦ जामनगर : ब्रास पार्ट्स, पेट्रो-कैमिकल्स।
- ♦ राजकोट : इंजन पम्प
- ♦ वापी (अंकलेश्वर) : रसायन
- ♦ बटाला : मशीन उपकरण
- ♦ बरेली : जरी
- ♦ भागलपुर : बुनाई

8 फरवरी, 2018 को कैबिनेट ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के वर्गीकरण में संशोधन की अनुमति दे दी। पहले इनका वर्गीकरण विनिर्माण यूनिट के उपकरणों में निवेश के आधार पर होता था, जिसे

अब बदल कर कुल टर्नओवर कर दिया गया है, जिसके अनुसार नवीन वर्गीकरण निम्न हैं-

1. सूक्ष्म उद्यम - इनका कुल टर्नओवर 5 करोड़ से अधिक नहीं।
2. लघु उद्यम - 5 करोड़ से 75 करोड़ के बीच।
3. मध्यम उद्यम - 75 करोड़ से 250 करोड़ के बीच।

सर्वाधिक उद्यम संख्या वाले पांच राज्य

रैंक	राज्य	उद्यमों की संख्या
1.	तमिलनाडु	37378 (2013-14 तक)
2.	महाराष्ट्र	29123 (2013-14 तक)
3.	गुजरात	22876 (2013-14 तक)
4.	उत्तर प्रदेश	14463 (2013-14 तक)
5.	आंध्र प्रदेश	13719 (2013-14 तक)

सर्वाधिक उद्यम संख्या वाले तीन केन्द्रशासित क्षेत्र

रैंक	राज्य	उद्यमों की संख्या
1.	दिल्ली	753795 (1.79%)
2.	चण्डीगढ़	65906 (0.16%)
3.	पुडुचेरी	49915 (0.12%)

- ♦ डॉ. ओंकार गोस्वामी का संबंध किससे है? - औद्योगिक रूग्णता के संबंध में सुझाव देने से (SICA में परिवर्तन तथा BIFR की भूमिका में बदलाव की संस्तुति-1993 में)।
- ♦ बी. बालकृष्ण इराडी समिति ने क्या सुझाव था? - National Company Law Tribunal (NCLT) के गठन और उसे कम्पनी लॉ बोर्ड के सारे अधिकार प्रदान करने का सुझाव था (सन् 2000)।
- ♦ सर्वाधिक औद्योगिक रूग्ण इकाइयाँ किस प्रदेश में स्थित है? - क्रमशः बिहार एवं उ.प्र. में
- ♦ असंगठित क्षेत्रों के उद्यमों की समस्याओं के समाधान के लिए किसकी अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय आयोग का गठन किया गया था? - डॉ. अर्जुन सेन गुप्ता
- ♦ देश में मान्यता प्राप्त केन्द्रीय श्रम संघों (Central Trade Unions) की कुल संख्या कितनी है और सर्वाधिक संख्या वाला श्रम संगठन कौन-सा है? - क्रमशः 12 और भारतीय मजदूर संघ (BMS) उसके बाद इंडियन ट्रेड यूनियन कांग्रेस (INTUC)।
- ♦ प्रथम श्रम आयोग का गठन कब किया गया था? - 1966 में
- ♦ सरकारी क्षेत्र के विशिष्ट उपक्रमों को महारत्न, नवरत्न और मिनीरत्न उपाधि कब से प्रारम्भ की गई? - क्रमशः 24 दिसम्बर, 2009; 22 जुलाई, 1997 और 8 अक्टूबर, 1997 से।

100% से कम एफडीआई वाले क्षेत्र

एफ.एम. रेडियो	20%
रक्षा उत्पादन, प्रिंट मीडिया	26%
बीमा, नागरिक उड्डयन एवं पेंशन क्षेत्र	49%
साख सूचना कम्पनियाँ	49%
केबल नेटवर्क	74%
डाइरेक्ट-टू-होम, टेली पोर्ट	74%
अपलिकिंग हब आदि जैसी सुविधाओं की स्थापना	49%
कमोडिटी एक्सचेंज	49%
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस	49%
एसेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनियाँ	49%
मल्टी ब्रांड रिटेल	51%
सिंगल ब्रांड	100%
बैंकिंग निजी सेक्टर	74%
दूरसंचार	74%
उपग्रह-स्थापना एवं संचालन	74%

क्या आप जानते हैं?

- केबल नेटवर्क, डाइरेक्ट-टू-होम एवं टेलीपोर्ट में कितने प्रतिशत FDI की अनुमति प्रदान की गई है? - 100 प्रतिशत
- बहुचर्चित मल्टी ब्रांड रिटेल सेक्टर में कितने प्रतिशत FDI की अनुमति प्रदान की गई है? - 51 प्रतिशत
- भारत के सेवा आयात में किस सेवा का अंश सर्वाधिक है? - गैर-सॉफ्टवेयर सेवाएँ (56.9%)
- गैर-सॉफ्टवेयर सेवाओं में किस सेवा का आयात सर्वाधिक है? - व्यावसायिक सेवाएँ (34.2%)
- शहरी क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्र द्वारा सर्वाधिक रोजगार प्रदान किया जाता है? - सेवा क्षेत्र (68.3%)
- भारत के GDP में पर्यटन क्षेत्र का क्या योगदान है, यह क्षेत्र समग्र रोजगार का कितने प्रतिशत अंशदान करता है? - क्रमशः 9.6 और 9.30 प्रतिशत
- कम्प्यूटर एवं सूचना सेवा के तीन शीर्ष निर्यातक राष्ट्र कौन-से हैं? - क्रमशः यूरोपीय संघ, USA एवं भारत
- Global Innovation Index - 2018 में भारत को कौन-सा स्थान प्रदान किया गया है? - 57वां स्थान
- भारत में चलने वाला एक रूपये का नोट अपरिवर्तनीय पत्र मुद्रा का उदाहरण है। यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा कागज पर छपा जाता था, जिसे बन्द कर दिया गया।
- एक रूपये से ऊपर की सभी मुद्राएँ असीमित वैध मुद्रा (Unlimited Legal Tender) हैं, जो RBI द्वारा निर्गमित होते हैं

अर्थात् 2 रूपये से 1000 रूपये तक के नोट R.B.I. छापता है।

- वर्तमान में R.B.I नोट निर्गम की न्यूनतम रिजर्व प्रणाली (Minimum Reserve System) अपनाता है।
- सांकेतिक सिक्का उसे कहते हैं, जिसका अंकित मूल्य धात्विक मूल्य से अधिक होता है।
- भारतीय रूपया प्रमाणिक पत्र मुद्रा है।
- जनता का सबसे अधिक विश्वास प्रतिनिधि पत्र मुद्रा में होता है।
- मुद्रा की दशमलव प्रणाली भारत में 1957 से प्रचलन में आयी। 1957 से 1964 तक टकसाल से उत्पादित पैसा को 'नया पैसा' संज्ञा प्रदान किया गया। 'नया पैसा' संज्ञा में से 'नया' शब्द को 1964 में अलग कर केवल 'पैसा' संज्ञा कर दिया गया। इस प्रकार मुद्रा की दशमलव प्रणाली के साथ प्रचलित 'नया पैसा' 1 जून, 1964 से मात्र पैसा हो गया।
- मुद्रा ने कीमत संयंत्र विकसित किया है, व्यापक स्तर पर क्रय-विक्रय, बाजार-व्यवस्था, व्यापार व वाणिज्य की रचना की है, जिसने पूंजी को जन्म दिया है, बड़े पैमाने पर उत्पादन को संभव बनाया है तथा व्यक्तिगत आधार पर आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की है।
- डॉ. वाई.वी. रेड्डी (1998) की अध्यक्षता में गठित कार्यदल ने मुद्रा आपूर्ति के संकेतकों में व्यापक परिवर्तन का सुझाव देते हुए चार मौद्रिक सूचकों (M_0, M_1, M_2, M_3) व तीन तरलता सूचकों के अतिरिक्त प्रति तिमाही एक 'वित्तीय क्षेत्र समीक्षा' प्रकाशित करने को कहा।
- देवनागरी के अक्षर 'र' व रोमन अक्षर 'R' से मिलते-जुलते रूपये 'र' के प्रतीक चिन्ह की रचना तमिलनाडु के मूल निवासी IIT, मुम्बई से स्नातकोत्तर उपाधिधारी उदय कुमार ने किया है। ज्ञातव्य है कि भारत अपने रूपये का अलग प्रतीक चिन्ह रखने वाला डॉलर, ब्रिटिश पाउण्ड स्टर्लिंग, जापानी येन और यूरोपीय यूरो के बाद विश्व का पाँचवां देश बन गया है।
- भारत की वर्तमान मौद्रिक प्रणाली का प्रबन्ध R.B.I. करता है जो कि देश का केन्द्रीय बैंक है। भारतीय मौद्रिक प्रणाली अपरिवर्तनीय कागज करेन्सी प्रणाली (Inconvertible Paper Currency) पर आधारित है।
- चालू खाते की परिवर्तनीयता (Current Account Convertibility) का आशय अन्य देशों के साथ सभी सौदों (Transactions) जिनमें वस्तुओं के लिए रूपये अन्य करेन्सियों के साथ बिना किसी सीमा के परिवर्तनीयता से है। यह परिवर्तनीयता 1990 के दशक के मध्य से क्रियाशील है।
- रूपये की परिवर्तनीयता के सन्दर्भ में भारत का दूसरा कदम पूंजी खाते पर परिवर्तनीयता (Capital Account Convertibility) प्राप्त

करना बाकी है। इस परिवर्तनीयता में भारत के पूंजी खाते पर लगाए गये सभी प्रतिबन्ध समाप्त कर दिये जायेंगे।

- ◆ = जनता के पास मुद्रा (करेंसी नोट व सिक्के) + बैंकों की मांग जमा (Demand Deposits with Banks) + रिजर्व बैंक के पास अन्य जमाएँ (Other Deposits with RBI)
- = M_1 + डाकघरों के पास बचत बैंक जमाएँ (Savings Bank Deposits with Post Offices)
- = M_1 + बैंकों की सावधि जमाएँ
- = M_3 + डाकघरों की समग्र जमाएँ

इस प्रकार M_1 की मात्रा जनता को उपलब्ध

- ◆ “यदि किसी देश में एक ही समय में अच्छी तथा बुरी मुद्रा का प्रचलन है, तो बुरी मुद्रा में अच्छी मुद्रा को चलने से बाहर करने की प्रवृत्ति होती है” यह किसका नियम है? – सर थॉमस ग्रेशम का
- ◆ मुद्रा वह धुरी है जिसके चारों ओर अर्थ विज्ञान चक्कर लगाता है, किसने कहा था? – सर जॉन मार्शल
- ◆ किसने कहा था कि सरकार, केन्द्रीय बैंक तथा व्यापारिक बैंकों का निवल मौद्रिक दायित्व (Net monetary liability) मुद्रा है? – चेंडलर ने
- ◆ RBI ने व्यापक मुद्रा की धारणा (M_3) कब स्वीकार किया? – 1967-68 के बाद
- ◆ मुद्रा की सर्वाधिक तरल और अतरल अवधारणा कौन-सी है? – क्रमशः M_1 और M_4
- ◆ चक्रवर्ती कमेटी का संबंध किससे है? – भारतीय मौद्रिक प्रणाली की पुनर्संरचना से
- ◆ वाई.वी.रेड्डी समिति ने किस मुद्रा समुच्च को आधार मुद्रा या प्रारक्षित मुद्रा कहा? – M_0 (साप्ताहिक आधार पर तैयार)
- ◆ नरसिम्हन समिति (1998) की संस्तुति पर तरलता समायोजन सुविधा (LAF) को कब लागू किया गया? – पहले 1999 (अंतरिम) में और बाद में 2000 (अंतिम रूप से)।
- ◆ रिजर्व बैंक अपनी नकदी प्रबन्धन की नीति का क्रियान्वयन कैसे करता है? – तरलता समायोजन सुविधा, कैश रिजर्व अनुपात तथा खुले बाजार की नीति द्वारा।
- ◆ एक करेन्सी के विरुद्ध दूसरी करेन्सी की प्राप्ति या भुगतान किस प्रकार का खाता परिवर्तन है? – चालू खाते की परिवर्तनीयता
- ◆ एक करेन्सी के दूसरी करेन्सी में बिना कोई सौदा किये तब्दील की स्वीकृत किस प्रकार का खाता परिवर्तन है? – पूंजी खाते परिवर्तनीयता

- ◆ M_3 में क्या सम्मिलित है? – जनता के पास मुद्रा, बैंकों के पास मांग जमा एवं बैंकों के पास समय जमा।
- ◆ कृत्रिम मुद्रा किसे कहते हैं? – ऐसी मुद्रा जो चलन में नहीं होती किन्तु लेखांकन में प्रयुक्त होती है, कृत्रिम मुद्रा कहलाती है, जैसे- SDR
- ◆ विकास वित्त में कौन-से क्षेत्र शामिल होते हैं? – इसमें औद्योगिक और कृषि दोनों के ही वित्त क्षेत्र शामिल होते हैं।
- ◆ भारतीय वित्तीय प्रणाली भारत के आर्थिक विकास में किस प्रकार से योगदान देती है? – बचत निवेश की प्रक्रिया के माध्यम से पूंजी निर्माण द्वारा।
- ◆ वित्तीय प्रणाली का उद्देश्य क्या है? – बचत को गतिमान करना और फिर इसका आवंटन कुशल रूप में अन्तिम प्रयोक्ताओं अथवा निवेशकों (Investor) को करना
- ◆ संगठित मुद्रा बाजार में केन्द्रीय स्थान किसे प्राप्त है? – भारतीय रिजर्व बैंक (R.B.I) को।
- ◆ देश में साख का नियमन व नियंत्रण कौन करता है? – भारतीय रिजर्व बैंक
- ◆ असंगठित क्षेत्र (साहू, महाजन, सेठ आदि) की आश्रितता को कम करने के लिए नाबार्ड द्वारा कौन-सा कार्यक्रम चलाया गया है? – स्वयं सहायता समूह (Self help group)
- ◆ विश्व में किस बैंक को केन्द्रीय बैंक की माँ (Mother of Central Banks) की उपमा प्राप्त है? – बैंक ऑफ इंग्लैण्ड को
- ◆ केन्द्रीय बैंक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य कौन-सा है? – देश में पत्र-मुद्रा का निर्गमन (Monopoly of Note Issue)
- ◆ भारत की वर्तमान नोट-निर्गमन व्यवस्था की न्यूनतम मुद्रा-कोष प्रणाली कब से अपनायी जा रही है? – 1959 से
- ◆ भारत में व्यापारिक दृष्टि से व्यस्त काल (Busy Season) कब माना जाता है? – अक्टूबर-नवम्बर से अप्रैल-मई तक, इस समय मुद्रा एवं साख की मांग बढ़ जाती है।
- ◆ भारत में केन्द्रीय बैंक (R.B.I) की स्थापना के नियत प्रथम प्रयास किस आयोग ने किया था? – चैम्बरलिन आयोग (1914)
- ◆ बैंक दर का क्या अर्थ है? – केन्द्रीय बैंक द्वारा अन्य बैंकों के बिलों पर ली जाने वाली पुनर्कटौती की दर।
- ◆ बैंकों के वैधानिक कोषानुपात में वृद्धि से साख की मात्रा पर क्या प्रभाव पड़ता है? – साख की मात्रा कम हो जाती है।
- ◆ सरकार की ऋण-नीति लागू करने में कौन-सा साख नियंत्रण उपाय सहायक होता है? – खुले बाजार की क्रियाएँ (OMO)

- ◆ ऋण की सीमाओं (margins) में परिवर्तन करना साख-नियंत्रण की कौन-सी रीति के प्रयोग द्वारा संभव है? – गुणात्मक साख नियंत्रण
- ◆ 'स्मार्ट मनी' शब्द का प्रयोग होता है – क्रेडिट कार्ड के लिए; इसे प्लास्टिक मनी भी कहा जाता है।

साख नियंत्रण की विधियाँ

- | परिमाणात्मक विधियाँ
(Quantitative Measures) | गुणात्मक विधियाँ
(Qualitative Measures) |
|--|--|
| ◆ बैंक दर | • चयनित साख नियंत्रण |
| ◆ नकद आरक्षित अनुपात (CRR) | • विभिन्न ब्याज तथा कटौती दरें* |
| ◆ खुले बाजार की क्रियाएं | • अंतर निर्धारण |
| ◆ तरल कोषानुपात में परिवर्तन | • साख का समभाजन*
(Rationing of Credit) |
| ◆ रेपो रेट* | • उपभोक्ता साख का नियमन |
| ◆ रिवर्स रेपो रेट* | • प्रचार |
| ◆ वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) | • प्रसार |
| | • प्रत्यक्ष कार्यवाही |
- ◆ R.B.I. कब से साख नियंत्रण के एक प्रभावी उपाय के रूप में चयनात्मक साख नियंत्रण को प्रयुक्त करता आ रहा है? – सन् 1956
 - ◆ R.B.I. के निर्देशानुसार बैंकों को अपनी उधारियों का कम से कम प्रतिशत प्राथमिकता वाले क्षेत्र को उपलब्ध कराया जाता है? – 40.0 प्रतिशत
 - ◆ बैंकों द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को उपलब्ध कराये गये ऋण प्रतिशत का कितना भाग कृषि क्षेत्र को उपलब्ध कराया जाता है? – 18.0 प्रतिशत
 - ◆ विदेशी बैंकों द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को कितने प्रतिशत ऋण उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य R.B.I. ने निर्धारित किया है? – 40 प्रतिशत (20 से अधिक शाखाओं वाले बैंकों के लिए) एवं 32 प्रतिशत (20 से कम शाखाओं वाले बैंकों के लिए)
 - ◆ भारत में ट्रेजरी बिल्स सर्वप्रथम कब निर्गत की गई थी? – 1917 में
 - ◆ 'गिल्ट-एण्ड' बाजार किससे सम्बन्धित है? – सरकारी प्रतिभूतियों के बाजार से
 - ◆ भारतीय रिजर्व बैंक का लेखानुवर्ष क्या है? – 1 जुलाई से 30 जून
 - ◆ तरलता की दृष्टि से प्रतिभूतियों एवं ऋणों का अनुक्रम क्रमशः नकद, एडहॉक ट्रेजरी बिल्स, ट्रेजरी बिल्स तदोपरान्त काल ऋण की है।
 - ◆ कॉलमनी मार्केट, जो कि अत्यल्प अवधि वाले फण्ड का बाजार होता है; में ऋण देने एवं लेने की अवधि एक दिन से 14 दिन तक की होती है और ब्याज दर फण्ड की मांग एवं पूर्ति पर निर्भर करती है।

- ◆ ट्रेजरी बिल्स रिजर्व बैंक द्वारा सरकार के लिए निर्गमित की जाने वाली अत्यल्प अवधि की प्रतिभूतियाँ होती हैं, जिसके माध्यम से सरकार ऋण लेती है। यह दो प्रकार की हैं- प्रथम- नीलामी ट्रेजरी बिल्स- जो R.B.I. द्वारा 91 एवं 364 दिन के लिए निर्गमित की जाती है और दूसरी-तदर्थ (एडहॉक) ट्रेजरी बिल्स- यह अत्यन्त अस्थायी प्रतिभूति है, जो R.B.I. के नाम से ही निर्गमित होती थी। 1997-98 से इनको बन्द कर दिया गया और इसके स्थान पर अर्थोपाय अग्रिम की नयी योजना लागू की गई है। ध्यातव्य है कि सरकार के लिए R.B.I. द्वारा 14 एवं 180 दिनी ट्रेजरी बिल्स भी जारी की जाती है।
- ◆ 'पॉइंट ऑफ सेल' से तात्पर्य ऐसी दुकानों, वाणिज्यिक संस्थानों एवं पेट्रोल पम्पों आदि से है जहां खरीदारी करके बैंक के डेबिट कार्ड को 'स्वाइप' करके भुगतान करने की सुविधा है। ICICI बैंक ने ऐसी दुकानों/प्रतिष्ठनों से एक दिन में अधिकतम एक हजार रूपए तक की नकद निकासी की सुविधा अपने ग्राहकों को प्रदान की है।
- ◆ 'पाइंट ऑफ सेल' से नकद धन निकासी की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भारतीय रिजर्व बैंक ने मंजूरी पिछले वर्ष (2010 में) ही प्रदान कर दी थी तथा यह सुविधा उपलब्ध कराना या न कराना बैंकों के ऊपर छोड़ दिया था।
- ◆ रेपो दर: अल्पकालिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु (ओवर नाइट हेतु भी) जिस ब्याज दर पर कॉमर्शियल बैंक रिजर्व बैंक से नकदी ऋण प्राप्त करते हैं, 'रेपो दर' कहलाती है अर्थात् बाजार में नगदी डालने की क्रिया को रेपो कहेंगे।
- ◆ रिवर्स रेपो दर : अल्पकालिक अवधि के लिए रिजर्व बैंक द्वारा कॉमर्शियल बैंकों से जिस ब्याज दर पर नकदी प्राप्त की जाती है, 'रिवर्स रेपो दर' कहलाती है। अर्थात् तरलता अवशोषण या रूपये की बाजार से निकासी को रिवर्स रेपो कहेंगे। सामान्यतः बाजार में मुद्रा की आपूर्ति बढ़ जाने पर उसमें कमी लाने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक द्वारा बढ़ी ब्याज दरों पर कॉमर्शियल बैंकों को अल्प अवधि के लिए नकदी रिजर्व बैंक में जमा करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। वर्तमान में रिवर्स रेपो दर 6.75 प्रतिशत (29 जनवरी, 2013) है।
- ◆ देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक कौन-सा है? – भारतीय स्टेट बैंक (S.B.I.).
- ◆ नाबार्ड ने किस बैंक को स्वयं सहायता प्रोन्नयन संस्थान का दर्जा दिया है? – भारतीय स्टेट बैंक को
- ◆ जीवन बीमा क्षेत्र में प्रवेश करने वाला देश का पहला वाणिज्यिक बैंक कौन-सा था? – भारतीय स्टेट बैंक (फ्रांस की कार्डिफ एस.ए. के साथ गठबंधात्मक सहयोग से)
- ◆ भारत में कितने विदेशी बैंक हैं और किस विदेशी बैंक की सर्वाधिक शाखा स्थित है? – 43 हैं; स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की सर्वाधिक (100) शाखा है।

- ◆ विदेशों में किस भारतीय बैंक के सर्वाधिक कार्यालय हैं? – भारतीय स्टेट बैंक के 28 देशों में 59 विदेशी कार्यालय हैं।
- ◆ इंडिया मिलेनियम डिपॉजिटस् योजना किस बैंक द्वारा और कब प्रारम्भ की गई थी? – SBI द्वारा वर्ष 2000 में अनिवार्य भारतीयों से विदेशी मुद्रा, इस योजना के तहत स्वीकार की गई थी। इन जमाओं को पुनर्भुगतान 2005 से शुरू किया गया।
- ◆ बैंक के ग्राहकों की शिकायतों का निदान कराने के लिए बैंकिंग लोकपाल योजना भारत में रिजर्व बैंक ने कब लागू किया था? – 14 जून, 1995 से
- ◆ लीवरेज अनुपात क्या है? – बैंकों का ऋण-सम्पत्ति अनुपात लीवरेज अनुपात है। इस अनुपात के अधिक होने से बैंक की ब्याजदेयता अधिक होती है।

सांविधिक तरलता अनुपात

बैंकों को अपनी मांग एवं सावधि जमाओं का कुछ प्रतिशत भाग नकद, स्वर्ण व मान्यता प्राप्त सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में सदा अपने पास रखना आवश्यक होता है, ताकि जमाकर्ताओं की धन निकासी की जरूरतों को पूरा किया जा सके। यह अनुपात सांविधिक तरलता अनुपात कहलाता है। इस अनुपात में कमी किए जाने से बैंकों को अपनी जमाओं का अपेक्षाकृत कम भाग अपने पास रखना अनिवार्य होगा जिससे उधार देने के लिए अधिक राशि उनके पास उपलब्ध हो सकेगी। SLR में वृद्धि से अर्थव्यवस्था में तरलता के प्रवाह में कमी आती है।

◆ केन्द्र सरकार ने 23 जनवरी, 2007 को एक अध्यादेश जारी करके बैंकों के लिए SLR की न्यूनतम सीमा समाप्त कर दी है कि बैंकिंग रेग्यूलेशन एक्ट के अभी तक के प्रावधानों के अनुसार यह अनुपात 25-40 प्रतिशत की सीमाओं में हो रखा जा सकता था।

◆ नकद आरक्षण अनुपात (CRR) : रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 42 (1) के तहत किए गए प्रावधान के तहत अनुसूचित बैंकों को अपने पास जमाओं (Deposits) का कुछ निश्चित भाग रिजर्व बैंक के पास नकद रूप में जमा रखना अनिवार्य किया गया है। इस अनुपात में वृद्धि करने का परिणाम यह होता है कि बैंकों को अपेक्षाकृत अधिक राशि रिजर्व बैंक के पास आरक्षित रखनी होती है, जिससे उनके पास तरलता (नकद कोष) में कमी हो जाती है जिसके चलते उनकी ऋण प्रदान करने की क्षमता भी कम हो जाती है।

◆ वाणिज्यिक-पत्र (Commercial Paper): वाणिज्यिक-पत्र संस्थाओं द्वारा अपनी अल्पकालीन वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 'निर्गमित' किया जाने वाला असुरक्षित प्रतिज्ञा-पत्र है। वाणिज्यिक-पत्र का निर्गमन करने के लिए कम्पनियों को साख श्रेणीयन (Credit Rating) करना अनिवार्य होता है। भारत में क्रिसिल (CRISIL) साख श्रेणीयन के लिए विख्यात संस्था है।

◆ स्विच ऑपरेशन (Switch Operation): खुले बाजार की क्रिया (Open Market Operation) का प्रयोग केवल साख नियन्त्रण या मौद्रिक नीति में न होकर सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय द्वारा राजकोषीय नीति के रूप में भी किया जाता है। रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिभूतियों का क्रय करना (सामान्यतया अल्प अवधि की) तथा दूसरी प्रतिभूतियों का उसके स्थान पर विक्रय (सामान्यतया दीर्घ अवधि की) करने की क्रिया जिससे प्रतिभूतियों की परिपक्वता अवधि (Maturity Period) लम्बी हो सके, को ही हम 'स्विच ऑपरेशन' कहते हैं।

◆ संदर्भित दर : यह दर, पूंजी बाजार का निर्धारण करती है। यह दर न्यूनतम दर होती है, जिस पर पूंजी बाजार में उधार लिया या दिया जाता है। बाजार में प्रचलित ब्याज दर, जिस पर सामान्यतया समझौता होता है, संदर्भित दर से ऊँची होती है। इसके द्वारा ब्याज दर में होने वाला परिवर्तन निर्देशित होता है। विभिन्न देशों में भिन्न-भिन्न नामों से संदर्भित दरों को जाना जाता है। अमरीका में Fed's Funds Rate, जर्मनी में फ्रेकफर्ट इन्टर बैंक ऑफर्ड रेट (FIBOR), जापान में टोकियो इन्टर बैंक ऑफ रेट (TIBOR), लन्दन में लन्दन इण्टर बैंक ऑफ रेट (LIBOR) इत्यादि।

◆ प्रमुख उधारी दरें (Prime Lending Rate - PLR) : यह वह ब्याज दर होती है, जिस पर बैंक अपने सर्वप्रिय (विश्वसनीय) ग्राहक को ऋण देता है, (विश्वसनीयता से तात्पर्य है जिसमें जोखिम शून्य हो)। PLR एक प्रकार से आधार ब्याज दर की भूमिका अदा करता है। इसी PLR आधार पर अन्य उद्यमियों को ऋण प्रदान किया जाना है। यह दर एक प्रकार से आधारिक ब्याज दर के रूप में कार्य करती है।

◆ नेट बैंकिंग : इंटरनेट एवं कम्प्यूटर की सहायता से घर बैठे बैंकिंग के कार्यों का संचालन किया जाता है। इस प्रक्रिया को नेट बैंकिंग कहते हैं। नेट बैंकिंग के माध्यम से ग्राहक अपने कम्प्यूटर का उपयोग कर अपने बैंक नेटवर्क और वेबसाइट को एक्सेस कर सकता है। नेट बैंकिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि कोई भी व्यक्ति घर बैठे या ऑफिस से बैंक सर्विस का लाभ उठा सकता है।

◆ तकनीकी दुरुपयोग के कारण नेट के जालसाज एकाउंट को हैक कर बैंक के ग्राहक को हानि पहुंचा सकते हैं। ऐसी स्थिति में यह जरूरी है कि नेट बैंकिंग के उपयोग में सतर्कता बरती जाए। नेट बैंकिंग की 50 प्रतिशत वेबसाइट असुरक्षित होती है। अतः ग्राहक साइट खोलने से पहले यू.आर.एल और डोमेन को चेक करें और देखें कि यह उसी बैंक के यू.आर.एल. और डोमेन की तरह हो। इससे आप आश्वस्त हो जाएंगे कि आप सुरक्षित वेबसाइट का उपयोग कर रहे हैं।

◆ यदि आप नेट बैंकिंग के लिए इंटरनेट कैफे का उपयोग कर रहे हों, तो अपने पासवर्ड को बदल लें। इससे आप सुरक्षित हो जाएंगे। पासवर्ड को किसी पेपर पर न लिखें, इसे आसानी से हैक

किया जा सकता है। अपनी सिस्टम पर **स्क्रीन सेवर पासवर्ड** डाल दें, जिससे आपके सिस्टम का उपयोग कोई अन्य नहीं कर सके।

- ◆ भारत में पहला इस्लामिक बैंक कहा स्थापित किया गया है? – **कोच्चि में**
- ◆ बेसल-III क्या है? – **बैंकिंग क्षेत्र के लिए तरलता नियमों, उच्चतम पूंजी आवश्यकताओं और आकस्मिक व्यवस्थाओं को लागू करने की संज्ञा है बेसल-III**
- ◆ A.T.M का पूरा नाम क्या है? **Automated Teller Machine**
- ◆ बैंक फार इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) कहाँ स्थित है और कब स्थापित किया गया? – **क्रमशः बेसल (स्वीट्जरलैण्ड) में; 1930 में।**
- ◆ FSDC अर्थात् फाइनेसियल स्टैबिलिटी एण्ड डेवेलपमेंट कौंसिल का गठन कब और किस लिए किया गया?– **30 दिसम्बर, 2010 को वित्त मंत्री की अध्यक्षता में इस 'शीर्ष नियामक संस्था' का गठन किया गया। यह विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करता है। RBI, सेबी, इरडा तथा PFRDA इसके सदस्य हैं।**
- ◆ प्रथम बैंक क्रेडिट कार्ड कब और किस देश द्वारा निर्गत किया गया? – **1959 में बैंक ऑफ अमेरिका द्वारा।**

भारत प्रतिभूति-मुद्रण एवं सिक्कों का उत्पादन

छापाखाना (Printing Press)

- (1) **इण्डिया सिक्क्योरिटी प्रेस, नासिक (महाराष्ट्र)**– नासिक रोड स्थित **भारत प्रतिभूति मुद्रणालय (India Security Press)** में डाक सम्बन्धी लेखन सामग्री, डाक टिकटों, अदालती एवं गैर-आदालती स्टाम्पों, बैंको (RBI तथा SBI) के चेकों, बॉण्डो, राष्ट्रीय बचत पत्रों, पोस्टल ऑर्डर, पासपोर्ट, इन्दिरा विकास पत्रों, किसान विकास पत्रों, आदि के अलावा राज्य सरकारों, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों, वित्तीय निगमों आदि के प्रतिभूति-पत्रों की छपाई की जाती है।
- (2) **सिक्क्योरिटी प्रिन्टिंग प्रेस, हैदराबाद** : इसकी स्थापना दक्षिण राज्यों की डाक लेखन सामग्री की मांगों को पूरा करने व पूरे देश की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्टाम्प की मांग को पूरा करने के लिए 1982 में की गई थी, ताकि भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड के उत्पादन की अनुपूर्ति की जा सके।
- (3) **करेन्सी प्रेस नोट, नासिक (महाराष्ट्र)** : यह 10, 50, 100, 500 तथा 1000 रूपए के बैंक नोट छापती है और उनकी पूर्ति करती है।
- (4) **बैंक नोट प्रेस, देवास (मध्य प्रदेश)**: 20, 50, 100 और 500 रूपए के उच्च मूल्य वर्ग के नोट छापती है। बैंक नोट प्रेस का स्थायी कारखाना प्रतिभूति पत्रों की स्याही का निर्माण भी करता है।

- (5) **शाहबनी (पं. बंगाल) तथा मैसूर (कर्नाटक) के भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रा लिमिटेड** : इन दोनों स्थानों पर दो-दो नए एवं अत्याधुनिक करेन्सी नोट प्रेस स्थापित किए गए हैं, यहां RBI के नियंत्रण में करेन्सी नोट छापे जाते हैं।
- (6) **सिक्क्योरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)**– बैंक और करेन्सी नोट के कागज तथा नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर की छपाई में प्रयोग होने वाले कागज का उत्पादन करने के लिए 1967-68 में उक्त मिल चालू की गई थी।

टकसाल (Mints)

सिक्कों का उत्पादन करने तथा सोने तथा चांदी का परख करने एवं तमगों का उत्पादन करने के लिए भारत सरकार की चार टकसालें **मुम्बई, कोलकाता, हैदराबाद तथा नोएडा** में स्थित हैं। मुम्बई, हैदराबाद और कोलकाता की टकसालें काफी समय पहले क्रमशः 1830, 1903 और 1950 में स्थापित की गई थी। जबकि नोएडा की टकसाल 1989 में स्थापित की गई थी, **मुम्बई तथा कोलकाता** की टकसालों में सिक्कों के अलावा विभिन्न प्रकार के पदकों (मेडल) का भी उत्पादन किया जाता है।

- ◆ जब कम्पनी इस रूप में संगठित होती है, कि उसके **अंश धारकों का दायित्व सीमित हो**, तो वह लिमिटेड (LTD) कम्पनी कहलाती है।
- ◆ **सैप्स (SAPS)** अर्थात् 'संरचनात्मक व्यवस्थापन कार्यक्रम-देश की अर्थव्यवस्था के असंतुलन को ठीक करने के लिए नयी आर्थिक नीति 1991 में लागू किया गया था।
- ◆ **कृषि साख के क्षेत्र में शीर्षस्थ संस्था के रूप में नाबार्ड** (कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक) की स्थापना **छठी पंचवर्षीय योजना** (जुलाई 1982) में की गई थी। इसका मुख्यालय **मुम्बई** में है।
- ◆ बाजार के अस्तित्व के लिए कीमतें सर्वाधिक अनिवार्य तत्व हैं।
- ◆ देश के निजी क्षेत्र में **लघु एवं मध्यम आकार के उद्योगों के विकास** हेतु ICICI बैंक की स्थापना की गई थी।
- ◆ केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की **मजदूरी में महंगाई के कारण होने वाली क्षतिपूर्ति थोक मूल्य सूचकांक** का प्रयोग किया जाता है।
- ◆ **भारत में मुद्रास्फीति दर की माप थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के आधार पर निर्धारित होती है।**
- ◆ मुद्रा प्यूचर्स व्यापार, जिंस प्यूचर्स व्यापार एवं इक्विटी प्यूचर्स व्यापार में से जिंस **प्यूचर्स व्यापार, वायदा बाजार आयोग** द्वारा विनियमित होता है।
- ◆ भारत में कर्मचारियों के **महंगाई भत्ते का निर्धारण का आधार उपभोक्ता कीमत सूचकांक (CPI - IW)** है।
- ◆ भारत में व्यापारी बैंकों की देन दारियों में से सबसे महत्वपूर्ण अंश **सावधि जमाएँ** हैं।
- ◆ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक बैंक SBI है।

- ◆ S.B.I ने सर्वप्रथम चीन में अपनी शाखा खोली है
- ◆ S-64 क्या है? - UTI द्वारा अमेरिकन पद्धति पर आधारित भारत की प्रथम 'खुला पारस्परिक कोष (Open ended Mutual Fund) है।
- ◆ देश में सेबी द्वारा सर्वप्रथम 'Mutual Fund Regulatory' कब जारी किया गया? - 1993 में
- ◆ सेबी द्वारा कब से देशी-विदेशी निजी उद्यमियों का पारस्परिक कोष (M.F) योजनाओं के संचालन को छूट दी गई? - 1993 में
- ◆ देश में प्रथम निजी पारस्परिक कोष की स्थापना कब और कौन-सी थी? - 1993 में; कोठारी समूह द्वारा अमेरिकन
- ◆ वर्ष 2011-12 में UTI, सरकारी एवं निजी क्षेत्र के म्युचुअल फण्डों के एकत्रण में किसका योगदान सर्वाधिक रहा? - निजी म्युचुअल फण्डों का प्रथम स्थान, उसके बाद क्रमशः UTI और सरकारी क्षेत्र के म्युचुअल फण्डों का रहा।
- ◆ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बैंकों की गुणवत्ता मापने के क्या तरीके हैं? - छः प्रचालकों यथा-पूंजी पर्याप्तता (Capital Adequacy), सम्पत्ति गुणवत्ता (Assesst Quality), प्रबन्ध Management), लाभ देयता (Earing), तरलता (Liquidity) तथा लेखांकन प्रणाली एवं नियंत्रण के संयुक्त सूचकांक द्वारा।
- ◆ भारत में बैंकों की कार्यप्रणाली तथा उनके निष्पादन का मापन कैसे होता है? - चार प्रचालकों, यथा-पूंजी पर्याप्तता, सम्पत्तियों की गुणवत्ता, R.B.I. नियमों का अनुपालन एवं लेखांकन प्रणाली द्वारा। ध्यातव्य है कि घरेलू बैंकों की कार्यप्रणाली मापन में प्रबन्धन एवं लाभ देयता को सम्मिलित नहीं किया जाता है।
- ◆ NBFC के सम्बन्ध में पूंजी पर्याप्तता अनुपात मापदण्ड कब से लागू किया गया? - 1998 से (2012 में यह अनुपात 15% कर दिया गया था)
- ◆ NBFCs किसके द्वारा नियंत्रित होते हैं? - RBI के द्वारा, न कि कंपनीज अधिनियम द्वारा।
- ◆ भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक (IRBI) 20 मार्च, 1985
- ◆ भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)* (UPPCS, BPSC) 1990
- ◆ भारतीय निर्यात-आयात बैंक 1 जनवरी, 1982 (Exam Bank)* (BPSC)
- ◆ भारतीय आवास बैंक (NHB)* जुलाई, 1988 (UPPCS)
- ◆ भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) सितम्बर, 1956
- ◆ भारतीय साधारण बीमा निगम नवम्बर, 1972 (GIC)
- ◆ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रारम्भ 2 अक्टूबर, 1975 * (UPPCS, LDA, MPPCS)
- ◆ जोखिम पूंजी एवं टेक्नोलॉजी मार्च 1975 निगम (Risk Capital and Technology Finance Corporation Ltd. RCTC)
- ◆ भारतीय तकनीकी विकास एवं सूचना कं. (Technology Development and informantion Co of india Ltd. TDICI) 1989
- ◆ आधारभूत संरचना पट्टेदारी एवं वित्त सेवा लि. (Infrastructive leasing and financial Services LTD.) 1988
- ◆ गृह विकास वित्त निगम लि.-1977 (Housing Development Finance Corporation Ltd. (HDFC)
- ◆ बीमा पोर्टेबिलिटी : मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी की बहुप्रतीक्षित योजना के लागू होने के पश्चात् अब 'बीमा पोर्टेबिलिटी' की बारी है। बीमा पोर्टेबिलिटी के तहत 'स्वास्थ्य बीमा' पॉलिसियों के धारक अब अपनी मौजूदा पॉलिसी की शर्तों पर ही किसी दूसरी कम्पनी से बीमा जारी रख सकेंगे। बीमा नियामक निकाय-बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (Insurance Regulatory and Development authority IRDA) ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी 10 फरवरी, 2011 को प्रदान कर दी थी। बीमा पोर्टेबिलिटी की यह सुविधा 1 जुलाई, 2011 से शुरू है।
- ◆ कर्मचारी राज्य बीमा योजना : कर्मचारी राज्य बीमा निगम (Employees State Insurance Corporation - ESIC) ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना (Employees State Insurance Plan) के दायरे में आने वाले कर्मचारियों के लिए अधिकतम वेतन सीमा को 6,500 रूपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 7, 500 रूपए प्रतिमाह करने का निर्णय दिसम्बर, 2003 में किया था। वेतन की इस सीमा को दो वर्षों बाद समीक्षा की जानी थी।
- ◆ उल्लेखनीय है कि 6,500 रूपए प्रति माह की वेतन सीमा से

भारत की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं के स्थापना वर्ष

संस्थान	स्थापना वर्ष
◆ इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया	1921
◆ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)*	1 अप्रैल, 1935 (UPPCS)
◆ रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण	1 जनवरी, 1949 (MPPCS)
◆ भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI)	1948
◆ भारतीय औद्योगिक ऋण व निवेश निगम (ICICI)* (BPSC)	जनवरी, 1955
◆ भारतीय स्टेट बैंक (SBI)*	1 जुलाई, 1955
◆ भारतीय यूनिट ट्रस्ट (UTI)*	1 फरवरी, 1964 (RAS/RTS)
◆ भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	जुलाई, 1964
◆ कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक (NABARD)* (UPPCS)	12 जुलाई, 1982

बाहर निकल जाने के कारण विगत पांच वर्षों में औद्योगिक संस्थानों के 13 लाख से अधिक कर्मचारी ESI योजना के लाभ से वंचित हो गए थे। योजना के दायरे में आने वाले कर्मचारियों ने वेतन की सीमा में वृद्धि के साथ-साथ इस योजना के तहत आने वाले संस्थानों की कर्मचारी संख्या की सीमा को भी घटाया गया है। निगम के ताजा निर्णय के अनुसार अब 10 कर्मचारियों वाले कारखाने/संस्थान भी इसके दायरे में आएंगे, भले ही वह निर्माण प्रक्रिया में विद्युत का प्रयोग कर रहे हो या नहीं।

- ◆ **इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनेंस कम्पनी** : विशेषतः आधारीक संरचना (Infrastructure) क्षेत्र के वित्तीयन हेतु स्थापित की जाने वाली देश की पहली संस्था **इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनेंस कम्पनी लि.** (IDFC) का निगमन 31 जनवरी, 1997 को कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत किया गया।
- ◆ कम्पनी के आशय-पत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर के तहत विद्युत, सड़कों, रेलवे, बन्दरगाहों, दूरसंचार के अतिरिक्त जलापूर्ति व सीवर जैसी सुविधाओं को शामिल किया गया है।

सूचकांक के नामों में परिवर्तन

- ◆ 28 जुलाई, 1998 को मुख्य शेयर मूल्य सूचकांक के नामों में निम्नलिखित प्रकार से परिवर्तन किया गया था:

पुराना नाम	नया काम
NSE - 50	S & P CNX Nifty
Crisil - 500	S & P CNX - 5001

- ◆ विश्व का सबसे पहला संगठित शेयर बाजार कहाँ स्थापित किया गया? - **एम्स्टर्डम (1602) नीदरलैण्ड में।**
- ◆ मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज का राष्ट्रीय सूचकांक कितने शेयरों का होता है? - **100 शेयरों का**
- ◆ भारत का सर्वप्रथम ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधा सम्पन्न कम्प्यूटराइज्ड एक्सचेंज कौन-सा है? - **OTCEL (1992)**
- ◆ डी जॉस, कोस्पी, सिमेक्स तथा निक्की कहाँ के शेयर मूल्य सूचकांक है? - **क्रमशः न्यूयार्क, कोरिया, सिंगापुर एवं जापान।**
- ◆ कृषिगत उत्पादों के लिए नेशनल कॉमोडिटी एण्ड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लि. (NCDEX) ने मई, 2005 में किस नाम से देश के पहले कॉमोडिटी इंडेक्स की स्थापना की है? - **NCDEXAGRI**
- ◆ सबसे बड़ा और पुराना कमोडिटी एक्सचेंज कौन से हैं? - **क्रमशः MCX सबसे बड़ा तथा NMCE (2002) सर्वाधिक पुराना है।**
- ◆ सर्वप्रथम किस एक्सचेंज ने विदेशी मुद्रा का वायदा कारोबार शुरू किया था? - **राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (NSE) 2008 में।**
- ◆ भारत में ब्याज दरों का वायदा कारोबार (Future Trading) कब और कहाँ सर्वप्रथम शुरू किया गया? - **31 अगस्त, 2009 को NSE में।**
- ◆ प्रतिभूतियों की इनसाइडर ट्रेडिंग पर रोक लगाने हेतु सेबी द्वारा

कितने जुर्माने का प्रावधान किया गया है? - **25 करोड़ रूपए।**

- ◆ सार्वजनिक निगमों के जरिए धन जुटाने वाली कम्पनियों के पास शुद्ध दृश्य परिसम्पत्तियाँ (Tangible Assets) कम-से-कम कितना ने निर्धारित किया है? - **3 करोड़ रूपया अनिवार्य किया गया है।**

मान्यता प्राप्त भारत के 23 स्टॉक एक्सचेंज

- ◆ उत्तर प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज, कानपुर
- ◆ बड़ौदा स्टॉक एक्सचेंज, बड़ौदा
- ◆ कोयम्बटूर स्टॉक एक्सचेंज, कोयम्बटूर
- ◆ मेरठ स्टॉक एक्सचेंज, मेरठ
- ◆ मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज, मुम्बई
- ◆ ओवर दी काउण्टर एक्सचेंज ऑफ इण्डिया (OTCEL) मुम्बई,
- ◆ राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज, मुम्बई
- ◆ अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज, अहमदाबाद
- ◆ बंगलुरु स्टॉक एक्सचेंज, बंगलुरु
- ◆ भुवनेश्वर स्टॉक एक्सचेंज, भुवनेश्वर
- ◆ कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज, कोलकाता
- ◆ कोचीन स्टॉक एक्सचेंज, कोचीन
- ◆ दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज, दिल्ली
- ◆ गोवाहाटी स्टॉक एक्सचेंज, गुवाहाटी
- ◆ हैदराबाद स्टॉक एक्सचेंज, हैदराबाद
- ◆ जयपुर स्टॉक एक्सचेंज, जयपुर
- ◆ कनारा स्टॉक एक्सचेंज, मंगलौर
- ◆ लुधियाना स्टॉक एक्सचेंज, लुधियाना
- ◆ चेन्नई स्टॉक एक्सचेंज, चेन्नई
- ◆ मध्य प्रदेश स्टॉक एक्सचेंज, इन्दौर
- ◆ मगध स्टॉक एक्सचेंज, पटना
- ◆ पुणे स्टॉक एक्सचेंज, पुणे
- ◆ कैपिटल स्टॉक एक्सचेंज केरला लिमिटेड, तिरुवनन्तपुरम, केरल
- ◆ देश में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की संख्या कितनी है? - **23**
- ◆ उ.प्र. में मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की संख्या कितनी हैं? - **2 (कानपुर स्टॉक एक्सचेंज एवं मेरठ स्टॉक एक्सचेंज)**
- ◆ शेयर बाजार में चलने वाले वृहद कारोबार को नियंत्रित और विनियमित कौन-सी संस्था करती है? - **सेबी (SEBI)**
- ◆ निक्षेप-निधि प्रणाली (Depository System) क्या है? - **यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें प्रतिभूतियों के स्वामित्व सम्बन्धी परिवर्तन इलेक्ट्रॉनिक वही प्रविष्टि अन्तरण के द्वारा किया जाता है। इसमें मूल पत्र की आवश्यकता समाप्त कर दी गई है। इस प्रक्रिया को शेयरों का डिमैटीरियलाइज करना कहा जाता है।**

स्मरणीय तथ्य

- एकजम नीति के तहत घोषित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) योजना को कब से कार्यान्वित किया गया है? - **1 मई, 2004**
- भारत का सबसे बड़ा म्युचुअल फण्ड का संगठन कौन-सा है? - **यूटीआई**
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को उनके प्रवर्तक बैंकों में विलय करने की संस्तुति किसने की थी? - **ए.एम. खुसरो समिति**
- डो जॉस क्या है? - **न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज का शेयर बाजार**
- पंचधारा योजना भारत के किस राज्य से सम्बन्धित है? - **मध्य प्रदेश**
- भारत की कुल श्रमशक्ति का कितना भाग कृषि में लगा है? - **52%**
- 'हायर एण्ड फायर' नीति का सम्बन्ध किससे है? - **मुआवजा देकर कर्मचारियों की छुट्टी से**
- राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन की स्थापना कब की गई थी? - **1958 में**
- संरचनात्मक बेरोजगारी का प्रमुख कारण क्या है? - **अपर्याप्त उत्पादन क्षमता**
- अवमूल्यन आयात को क्या बनाता है? - **महंगा**
- ग्रेशम का नियम है - **बुरी मुद्रा, अच्छी मुद्रा को प्रचलन से बाहर कर देती है**
- मजदूरी का 'लौह सिद्धान्त' कहलाता है - **मजदूरी का जीवन निर्वाह सिद्धान्त**
- ऋण नीति किस व्यवस्था का अंग है? - **मौद्रिक व्यवस्था का**
- भारत में कौन-सी संस्था राष्ट्रीय आय का अनुमान लगाती है? - **केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन**
- वैट लगाया जाता है - **उत्पादन तथा अन्तिम बिक्री के बीच के विभिन्न स्तरों पर**
- मुक्त व्यापार क्षेत्र किसे कहते हैं? - **जहाँ बिना नियंत्रण के व्यापार होता है**
- देश के महान सांख्यिकीवेत्ता डॉ. प्रशांत चन्द्र महालनोबिस का जन्म दिवस (29 जून) अब किस रूप में मनाया जाता है? - **राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस**
- न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नैसर्गिक-100 सूचकांक में शामिल की जाने वाली पहली भारतीय कम्पनी है? - **इफोसिस**
- निककी (NIKKEI) क्या है? - **टोकियो स्टॉक एक्सचेंज का शेयर मूल्य सूचकांक**
- राजकोषीय घाटा, प्राथमिक घाटा एवं राजस्व घाटे में बड़ा कौनसा है? - **चुंगी एक कर है - नगरपालिका द्वारा या स्थानीय निकायों द्वारा शहर में लाए गए माल पर लगाया जाता है।**
- भारत सरकार की कौन सी एजेंसी भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए गेहूं, चावल और चीनी मुहैया कराने में लगी हुई है? - **फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया।**
- किसी देश के शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद व सकल राष्ट्रीय उत्पाद में मुख्य अंतर होता है - **मूल्य हास।**
- भारत पर कुल विदेशी ऋण में सर्वाधिक भाग किसका है? - **वाणिज्यिक उधारियां।**
- शेयर बाजार में परिपथ नियोजन (सर्किट ब्रेकर) व्यापार को कैसे प्रभावित करता है? - **शीघ्र लेन-देन को सरल बनाकर।**
- विश्व के कुल कॉफी उत्पादन के लगभग 4 प्रतिशत भाग का उत्पादन भारत में होता है तथा भारत का पांचवां स्थान है। भारत में कॉफी के कुल उत्पादन में किस राज्य का प्रथम स्थान है? - **कर्नाटक।**
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर वित्तीय भार कम करने के उद्देश्य से सरकार ने इनके कर्मचारियों के लिए एकमुश्त मुआवजा देकर ऐच्छिक सेवानिवृत्ति की योजना प्रारंभ की है। इसे क्या कहा जाता है? - **गोल्डन हैंड शेक स्कीम।**
- आजकल मुद्रा की परिवर्तनीयता का अर्थ ऐसी व्यवस्था से लगाया जाता है जिसके तहत देश की मुद्रा मुक्त रूप से प्रमुख विदेशी मुद्राओं में तथा प्रमुख विदेशी मुद्राएं मुक्त रूप से स्थानीय मुद्रा में परिवर्तनशील होती हैं। कब से भारतीय मुद्रा रूपया को भुगतान संतुलन के चालू खाते के लेनदेनों के लिए पूर्ण परिवर्तनीय घोषित कर दिया गया है? - **19 अगस्त, 1994 से।**
- साख नियंत्रण से अभिप्राय देश में साख की मात्रा एवं दशा पर नियंत्रण से है। भारत में यह कार्य किसके द्वारा किया जाता है? - **रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा।**
- व्यापार जिसके अंतर्गत किसी विक्रेता से कोई वस्तु तभी खरीदी जाती है, जब वह क्रेता से भी कोई वस्तु खरीदने को तत्पर हो, तो इसे क्या कहा जाता है? - **काउंटर ट्रेड की नीति।**
- भारत में बेरोजगारी के आँकड़े किस संगठन द्वारा एकत्रित एवं प्रकाशित किए जाते हैं? - **नेशनल सेम्पल सर्वे ऑर्गेनाइजेशन (NSSO) द्वारा**
- विश्व में वह कौन प्रथम राष्ट्र है जिसने आधिकारिक रूप से परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाया? - **चीन**
- निगम कर लगाया जाता है - **कम्पनियों की आय पर**
- राष्ट्रीय आय के आकलन में मूल्य हास की गणना किस पर की जाती है? - **केवल पूँजीगत वस्तुओं पर**
- नीति आयोग का अध्यक्ष होता है - **प्रधानमंत्री**
- किस विधेयक के द्वारा सरकार वर्ष भर राजस्व एकत्र करने की व्यवस्था करती है? - **वित्त विधेयक द्वारा**
- पानी पंचायत योजना किस राज्य से सम्बन्धित है? - **ओडिशा**
- इण्डिया ब्राण्ड ईक्विटी फण्ड की स्थापना किस वर्ष हुई? - **1996 में**
- मल्होत्रा समिति का गठन किस प्रयोजन से किया गया था? - **बीमा क्षेत्र में महिला और बाल विकास कार्यक्रम**

फसलों का वर्गीकरण

भारत की महत्वपूर्ण फसलों का वर्गीकरण कई प्रकार से किया गया है, जिनमें मुख्य आधार निम्न प्रकार है-

ऋतुओं के आधार पर वर्गीकरण

- **खरीफ फसलें** : इस वर्ग की फसलों को बोते समय अधिक तापक्रम तथा आर्द्रता व पकते समय शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है, जैसे- धान, मक्का, ज्वार, मूँगफली, बाजरा, लोबिया, गन्ना, तिल, सोयाबीन, अरण्डी, कपास, अरहर, सनई, जूट, ग्वार आदि।
- **रबी फसलें** : इस वर्ग की फसलों को बोते समय कम तापक्रम एवं आर्द्रता, पकते समय शुष्क तथा गर्म वातावरण की आवश्यकता होती है। अक्टूबर-नवम्बर में इनको बोने के लिए उपयुक्त वातावरण होता है, जैसे- जौ, गेहूँ, चना, सरसों, जई, बरसीम, मसूर, अलसी, लाही, आलू, तम्बाकू, चुकन्दर आदि।
- **जायद फसलें** : इस वर्ग की फसलों में अधिक तापक्रम, कम आर्द्रता को सहने की क्षमता होती है। ये फसलें मुख्यतः मार्च-अप्रैल में बोई जाती हैं, जैसे- ककड़ी, खीरा, खरबूज, तरबूज, मूँग, कद्दू, लौकी, तोरई आदि।

पौधों के जीवन-चक्र के आधार पर वर्गीकरण

- **एकवर्षीय** : इस वर्ग के पौधे अपना जीवन-चक्र (उगने से लेकर पकने तक) एक वर्ष के अन्दर पूरा कर लेते हैं, जैसे- धान, गेहूँ, जौ, चना, सोयाबीन, मूँग, उर्द, बाजरा, मक्का, ज्वार आदि।
- **द्विवर्षीय** : इस वर्ग के पौधे प्रथम वर्ष में अपनी वानस्पतिक वृद्धि करते हैं तथा दूसरे वर्ष में फूल और बीज उत्पन्न करते हैं। जैसे, चुकन्दर, प्याज, पत्तागोभी, मूली, गाजर आदि।
- **बहुवर्षीय** : इस वर्ग के पौधे अनेक वर्ष तक फल व बीज देने के बाद भी अपना जीवन-चक्र जारी रखते हैं। इस प्रकार के पौधों को बहुमुखी पौधे भी कहते हैं, जैसे- लूसर्न, हाथीघास, गन्ना, शकरकन्द, लहसुन, नेपियर आदि।

आर्थिक दृष्टिकोण के आधार पर वर्गीकरण

- **धान्य फसलें** : धान, गेहूँ, मक्का, जौ, ज्वार, सावाँ, महुआ, काकून, कोदों आदि।

- **दलहनी फसलें** : चना, मटर, अरहर, मूँग, उड़द, मसूर, सोयाबीन आदि।
- **तिलहनी फसलें** : सरसों, तोरिया, राई, सूरजमुखी, मूँगफली, अण्डी, कुसुम, अलसी, सोयाबीन, तिल आदि।
- **रेशेदार फसलें** : कपास, जूट, पटसन, सनई आदि।
- **शर्करा फसलें** : गन्ना, चुकन्दर आदि।
- **चारे की फसलें** : बरसीम, ग्वार, लूसर्न, नेपियर घास, लोबिया, बाजरा, ज्वार, मक्का, मटर, जई, गिनी घास आदि।
- **सब्जी वाली फसलें** : भिण्डी, बैंगन, टमाटर, सेम, करेला, गोभी, पालक, प्याज, मूली, मटर, शलजम, सलाद आदि।
- **औषधि फसलें** : अदरक, पोदीना, पिपरमेंट, हल्दी, तुलसी आदि।
- **जड़ तथा कन्द फसलें** : आलू, शकरकन्द, चुकन्दर, गाजर, मूली आदि।
- **मसाले वाली फसलें** : जीरा, धनिया, अजवाइन, पुदीना, सौंफ, हल्दी, अदरक, प्याज, मिर्च, लहसुन, तेजपात आदि।
- **उद्दीपक फसलें** : चाय, तम्बाकू, कॉफी आदि।
- **फल वाली फसलें** : खरबूजा, तरबूज, खीरा, ककड़ी आदि।

फसलों का विशिष्ट वर्गीकरण

- **कवर क्रॉप** : ऐसी फसलें जो भूमि को ढककर रखती हैं तथा भूमि को क्षरण से बचाती हैं। ऐसी फसलों की वानस्पतिक वृद्धि तेजी से होती है और मिट्टी के ऊपर एक आवरण बनाती हैं। इसकी जड़ें मिट्टी में जाल की तरह फैल जाती हैं जिससे वर्षा के कारण मिट्टी का कटाव कम होता है, जैसे- उड़द, मूँगफली, पैराग्रास, शकरकन्द, लोबिया।
- **कंटूर क्रॉप** : समोच्च रेखाओं पर या इन रेखाओं के अनुरूप उगाई जाने वाली फसलें कंटूर क्रॉप कहलाती हैं, जिसका उद्देश्य भूमि तथा जल संरक्षण होता है।
- **बार्डर/गार्ड क्रॉप** : कुछ फसलें खेतों के बार्डर के रूप में या जन्तुओं से सुरक्षा हेतु मुख्य फसल के चारों ओर बार्डर के रूप में उगाई जाती हैं। रोधी फसलें हवा की गति को भी कम करती हैं, जैसे - कुसुम। ऐसी फसलें प्रायः काँटेदार होती हैं। चने के खेत के चारों ओर कुसुम (बरें) इसी उद्देश्य से लगाई जाती हैं।

- **नगदी फसलें** : ऐसी फसलों को इसलिए उगाया जाता है, ताकि इसे बिक्री कर तुरन्त मुद्रा प्राप्त किया जा सके, जैसे- जूट, कपास, तम्बाकू, गन्ना आदि। नगदी फसलें निश्चित रूप से व्यावसायिक फसलें हैं।
- **व्यावसायिक फसलें** : व्यावसायिक फसलों का उत्पादन आमदनी के ख्याल से किया जाता है, जैसे- जूट, कपास, तम्बाकू, गन्ना आदि।
- **जायद फसलें** : जब मुख्य फसल असफल सिद्ध होती है तब आकस्मिक रूप से ऐसी फसलें आगामी ऋतु को पकड़ने के लिए उगायी जाती हैं। ऐसी फसलें प्रायः अल्प अवधि एवं तेजी से वृद्धि करने वाली होती हैं जिसे आसानी से काटकर किसी भी समय उपयोग में लाया जा सकता है, जैसे- मूँग, उड़द, लोबिया, प्याज, मूली आदि।
- **Energy Crops** : तरल ऊर्जा प्राप्त करने के लिए (जैसे Ethanol तथा Alcohool) खेती की जाती है, जैसे- गन्ना, आलू, मक्का, टपियोका जट्रोफा।

मृदाएं

जलोढ़ मृदा

- सिंध-गंगा-ब्रह्मपुत्र के दोआब तथा समुद्र-तटीय क्षेत्र में पायी जाती है।
- इसमें धान, गेहूँ, गन्ना, आलू, तिलहन आदि फसलें होती हैं।
- इसमें पोटाश व चूना की प्रचुरता होती है।
- नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा जीवांश पदार्थ का अभाव होता है।

काली मृदा

- महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु का लावा क्षेत्र में पायी जाती है।
- कपास, सोयाबीन, चना, ज्वार, गेहूँ, मूँगफली, केला आदि फसलों की खेती होती है।
- पोटाश, चूना, मैग्नीशियम व एल्युमीनियम की प्रचुरता होती है।
- नाइट्रोजन, फास्फोरस व जीवांश की कमी होती है।

लाल मिट्टी

- सम्पूर्ण तमिलनाडु कर्नाटक, द.पू. महाराष्ट्र, उड़ीसा एवं मध्य प्रदेश के द.पू. भाग में पायी जाती है।
- तम्बाकू, रागी, ज्वार, तीसी, कपास, गेहूँ, मक्का आदि फसलों की खेती होती है।
- लोहे की प्रचुरता होती है।
- नाइट्रोजन, फास्फोरस व जीवांश की कमी होती है।

लैटराइट मिट्टी

- कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, असम, महाराष्ट्र तथा उड़ीसा के पर्वतीय पाद क्षेत्र में पायी जाती है।
- चाय, काफी, रबर, सिनकोना, काजू की फसलें होती हैं।
- लोहा व एल्युमीनियम की प्रचुरता होती है।
- नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश व चूना की कमी होती है।

मरुस्थलीय मृदा

- पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि क्षेत्रों में पायी जाती है।
- बाजरा, ज्वार, मोटा अनाज, सरसों, जौ की खेती की जाती है।
- लवण व फास्फोरस की प्रचुरता पायी जाती है।
- जीवांश व नाइट्रोजन का अभाव होता है।

पर्वतीय मृदा

- कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश तक की पर्वतीय क्षेत्र में पायी जाती है।
- सेब, नाशपाती, आलूचा, चाय, आदि फसलों की अधिकता होती है।
- पोटाश, चूना व फास्फोरस का अभाव होता है।
- जीवांश की प्रचुरता होती है।

लवणीय मृदाएं

वे मृदाएं जिनमें 25° से. ताप पर मृदा के संतृप्त निष्कर्ष की विद्युत चालकता 4 डेसी साइमन/मीटर से अधिक होती है, विनिमय सोडियम 15% से कम पाया जाता है तथा समु (pH) 8.5 से कम होता है, को लवणीय मृदा कहते हैं।

लवणीय/क्षारीय मृदाओं का सुधार

भौतिक तकनीक द्वारा

- मृदा की सतह को खुरचकर
- निक्षालन
- खाई खोदकर
- विलेय लवणों का पूरी सतह से बहाना
- उचित जल निकास

रासायनिक तकनीक द्वारा

- विलेय कैल्सियम लवणों का प्रयोग, कैल्सियम क्लोराइड, जिप्स, फास्फोरस आदि।
- कम विलेय कैल्सियम लवणों का प्रयोग- जैसे चूना पत्थर, गन्ना मिलों से प्राप्त उपजात, चूना पदार्थ आदि।
- अम्ल तथा अम्ल उत्पादक पदार्थों का प्रयोग, जैसे- सल्फर, गंधक का अम्ल, द्रव सल्फर डाइऑक्साइड, एल्युमिनियम सल्फेट, फ़ैरस सल्फेट, लाइम सल्फर, शीरा और पायराइट्स आदि।

जैविक तकनीक द्वारा

- शीरा एवं लदोई (प्रेसमड) का प्रयोग
- हरी खादों व फसल अवशेषों का प्रयोग

- सत्यानाशी इसे मैक्सीकन पौपी भी कहते हैं, जिसकी मिलावट सरसों के तेल में भी हुई, जैसे खरपतवार का प्रयोग
- वनस्पतियों द्वारा

लवणीय मृदा में अपनाए जाने वाले फसल चक्र

- धान-जौ-ज्वार
- ढैंचा (हरी खाद) - चुकन्दर-मक्का-जौ
- धान-सरसों
- कपास-रिजका-मक्का-आलू
- धान-पालक

लवणों के लिए फसलों की आपेक्षिक सहिष्णुता

क्षेत्र फसलें

- उच्च लवण सहिष्णु : जौ, ढैंचा, चुकन्दर, तम्बाकू, सरसों, कपास।
- मध्य लवण सहिष्णु : धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, अरहर, गेहूँ, राई, जई।
- न्यून लवण सहिष्णु : सनई, उर्द, मूँग, मटर, चना

चारे की फसलें

- उच्च लवण सहिष्णु : रोड्स घास, खस घास।
- मध्य लवण सहिष्णु : सूडान घास, ज्वार, बाजरा, मक्का, बरसीम, सेंजी, रिजका, ग्वारा
- न्यून लवण सहिष्णु : ग्वार

सब्जियाँ

- उच्च लवण सहिष्णु : चुकन्दर, पालक, मूली, शलजम।
- मध्य लवण सहिष्णु : पत्तागोभी, फूलगोभी, सलाद, टमाटर, मटर, गाजर, प्याज, खीरा, लौकी, करेला, आलू।
- न्यून लवण सहिष्णु : सेम, मूली की अंग्रेजी प्रजातियाँ

फल

- उच्च लवण सहिष्णु : खजूर, फालसा
- मध्य लवण सहिष्णु : अनार, जैतून, अंजीर, अंगूर, अमरुद, आम, केला
- न्यून लवण सहिष्णु : नाशपाती, सेब, नारंगी, ग्रेपफ्रूट, बेर, बादाम, नींबू, स्ट्राबेरी।

अम्लीय मृदाएँ

नम जलवायु जहाँ पर मृदाओं के कोलाइडी संकीर्ण पर अधिशोषित भस्मों की अधिक मात्रा वर्षा जल के साथ बाहर निकल जाती है तथा क्ले संकीर्ण पर हाइड्रोजन आयन्स का सान्द्रण बढ़ जाता है, में प्रायः अम्लीय मृदाएँ केरल, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा में पाई जाती है।

अम्लीय मृदा बनने के कारण

- अम्लीय चट्टानों से मृदा निर्माण
- बेस का क्षीण होना
- अम्ल उत्पादक उर्वरकों को प्रयोग
- मृदा में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा

- सूक्ष्म जैविक प्रभाव

पौधों पर अम्लता का प्रभाव

- पादप जड़ के ऊतकों पर विषैला प्रभाव
- पाद झिल्लियों पर धनायनों के प्रवेश पर प्रभाव
- विभिन्न पोषण तत्वों (कॉपर, फॉस्फोरस, जिंक) की अप्राप्यता
- मृदा सूक्ष्म जीवों पर बुरा प्रभाव
- पादप रोगों का पनपना
- अधिक अम्लता में मृदा में पोषक तत्वों (कैल्सियम व पोटेशियम) की कमी

अम्लीय मृदाओं का सुधार

- चूना द्रव्यों का प्रयोग - CaCO_3 , CaO , $\text{Ca}(\text{OH})_2$

उर्वरक

रासायनिक विधि से कारखानों में मशीनों द्वारा तैयार किया गया पदार्थ जो कि एक, दो या तीन पोषक तत्वों की पूर्ति हेतु मृदा में मिलाया जाये उसे उर्वरक की संज्ञा दी जाती है। इन्हें कृत्रिम खाद भी कहते हैं।

- **द्रव उर्वरक** : अमोनिया एनहाइड्रस नाइट्रोजन का जलीय घोल कुछ मिश्रित उर्वरक द्रव के रूप में मिले हैं, इनको खेत में सिंचाई के पानी के साथ प्रारम्भिक घोल के साथ लगाते हैं। इन उर्वरकों को खेत में देने के लिए विशेष किस्म के यंत्र भी उपलब्ध हैं।
- **काइनाइट** : यह पोटेशियम क्लोराइड एवं मैग्नीशियम सल्फेट से बना एक खनिज है। क्रूड पोटाश जो काइनाइट के नाम से बेचा जाता है, इनमें सोडियम क्लोराइड की विभिन्न मात्राएँ होती हैं। इनमें कम-से-कम 12% पोटेशियम होता है।

भूमि सुधारक

वे सभी पदार्थ जो भूमि के दोषों को दूर करके भूमि की दशा सुधार कर फसल उगने की क्षमता में वृद्धि करते हैं, मृदा सुधारक कहलाते हैं। जैसे अम्लीय भूमि में कैल्सिक चूना पत्थर (CaCO_3) चूना पत्थर या बिना बुझा चूना (CaO), और क्षारीय व लवणीय (ऊसर) मृदा में जिप्सम या पाइराइट का प्रयोग करना।

पूर्ण खाद

पौधों के सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति करने वाले खाद को पूर्ण खाद कहते हैं। सभी जैविक खादें जैसे- गोबर की खाद, कम्पोस्ट, हरी खाद आदि पूर्ण खाद हैं। आजकल पूर्ण खाद कृत्रिम रीति से भी तैयार की जाती है। इस तरह के खाद नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश के अलावा अन्य में खनिज लवण भी पाये जाते हैं। ग्वानों (समुद्री पक्षियों की सूखी बीट) भी एक पूर्ण खाद है।

हरी खाद

हरी खाद का अर्थ उन पत्तीदाय फसलों से है, जिनकी वृद्धि शीघ्र हो तथा काफी मात्रा में बढ़ी होने पर फूल-फल आने से पहले उन्हें जोतकर मिट्टी से दबा दिया जाता है। फलतः मृदा में ये फसलें सूक्ष्म

जीवों द्वारा विच्छेदित होकर मृदा में ह्यूमस तथा पौधों के पोषक तत्वों की मात्रा में वृद्धि करती है, ऐसी फसलों का सत्य प्रणाली में उपयोग हरी खाद देना कहलाता है। जैसे- सनई, ढैंचा, उड़द, मूंग, लोबिया एवं सैजी आदि की फसलों का प्रयोग। ज्ञातव्य है कि सेजी के फसल का हरी खाद के रूप में प्रयोग करने से मृदा को सर्वाधिक मात्रा में नाइट्रोजन (120-135 किग्रा/हे.) प्राप्त होता है।

हरी खाद हमेशा बुवाई के डेढ़ माह पूर्व, कम्पोस्ट एवं गोबर की खाद बुआई से एक माह पूर्व तथा खलियाँ बुआई से 15 दिन पूर्व खेत में मिला देनी चाहिए ताकि बुआई तक विच्छेदित हो जाए तथा पोषक तत्व पौधों के लिए उपलब्ध अवस्था में परिवर्तित हो जायें।

जैव-गैस का संयंत्र

गोबर गैस संयंत्र या बायोगैस संयंत्र दोनों को एक ही नाम गोबर गैस से पुकारते हैं। दोनों में अन्तर यह होता है कि गोबर गैस संयंत्र में केवल गोबर का उपयोग होता है जबकि बायोगैस संयंत्र में गोबर के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के जैविक पदार्थ, जैसे- कूड़ा-ककट, फलों के छिलके, जलकुम्भी आदि को भी सड़ाकर गैस बनायी जाती है। पादप अवशेष, पशुओं का गोबर आदि सेलुलोजी पदार्थ अवायु जीवी दशा में विघटित होकर बड़ी मात्रा में दहनशील गैसों 50-60% मीथेन, 30-40% कार्बन डाइऑक्साइड, 6-10% हाइड्रोजन तथा 1.0-2.0% नाइट्रोजन पैदा करते हैं। इसी सिद्धान्त के आधार पर पशुओं के गोबर से ईंधन गैस तैयार करने के विधि का विकास किया गया है। इस संयंत्र में पाये जाने वाले जीवाणु 32-156⁰एफ ताप परिसर में कार्य करते हैं। डाइजेस्टर से गोबर की जो बची हुई गार बाहर निकलती है वह खाद गुण में गोबर खाद से लगभग तीन गुनी उत्तम होती है। इसमें नाइट्रोजन 1.8% तथा फास्फोरस 1.02% एवं 0.8-1.0% पोटेशियम पाया जाता है।

इस प्रकार गोबर गैस संयंत्र से न केवल उच्च ज्वलनशील एवं अधिक कैलोरी मान वाली गैस प्राप्त होती है अपितु अधिक उत्तम गुण मान वाला खाद भी प्राप्त होता है, जिससे इस संयंत्र की उपादेयता स्वयं सिद्ध हो जाती है।

नाइट्रीकरण

नाइट्रीकरण वह प्रक्रम है जिससे मृदा में उपस्थित अमोनियम नाइट्रोजन, नाइट्रेट में परिणत हो जाती है। यह एक वायुजीवी प्रक्रम है तथा स्वपोषित बैक्टीरिया द्वारा सम्पन्न होती है। नाइट्रीकरण में भाग लेने वाले बैक्टीरिया को दो वर्गों में बाँटते हैं-

1. वे बैक्टीरिया जो अपनी कोषा संश्लेषण के लिए NH_4 के ऑक्सीकरण से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।
2. दूसरे प्रकार के बैक्टीरिया नाइट्राइट के ऑक्सीकरण से ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

पहले वर्ग के बैक्टीरिया अर्थात् नाइट्रोसोमोनास, NH_4 को नाइट्राइट में बदलते हैं। दूसरे वर्ग की बैक्टीरिया अर्थात् नाइट्रोबैक्टर, नाइट्राइट से नाइट्रेट का उत्पादन करता है। अधिकांश पौधे नाइट्रोजन को मृदा से नाइट्रेट के रूप में ग्रहण करते हैं। नाइट्राइट का संचय पौधे के लिए पोषक होता है।

विनाइट्रीकरण

नाइट्रेट अवकरण तथा नाइट्रेट स्वांगीकरण की अनेकों प्रक्रमों द्वारा मृदा से नाइट्रेट का लुप्त होना प्रायः विनाइट्रीकरण कहलाता है। दूसरे शब्दों में विनाइट्रीकरण का अभिप्राय उस प्रक्रम से है, जिसमें मृदा के नाइट्रेट का वायुमण्डलीय नाइट्रोजन तथा नाइट्रोजन ऑक्साइड में पूर्ण अवकरण होता है। विनाइट्रीकरण की क्षमता कुछ निश्चित बैक्टीरिया, कवक तथा एकटीनों माइसिटीज में सीमित होती है। थायाबेसिलस, स्फ्यूडोमोनास तथा एक्रोमोबैक्टर वंश के बैक्टीरिया में विनाइट्रीकरण की क्षरण अधिक पायी जाती है।

नाइट्रोजन स्थिरीकरण

नाइट्रोजन स्थिरीकरण वह क्रिया है जिसमें वायुमण्डलीय तत्वीय नाइट्रोजन मृदा में स्थाई अकार्बनिक नाइट्रोजनीय यौगिकों में परिवर्तित हो जाती है। वायुमण्डल में नाइट्रोजन की मात्रा आयतन आधार पर लगभग 78.0% तथा भारात्मक आधार पर लगभग 75.0% होती है।

- मृदा में वायुमण्डल की नाइट्रोजन के स्थिरीकरण की प्रक्रमों में अधोलिखित है।
- विद्युत प्रभाव से।
- मृदा में फोटोकैमिकल अभिक्रिया द्वारा
- असहजीवी, बैक्टीरिया द्वारा जैसे- एजोटोबैक्टर, एक्रोमोबैक्टर आदि।
- नीली, हरी एल्गी द्वारा।
- एस्पेर्जिलस, म्यूकर तथा पैनीसिलियन कवक द्वारा।
- सहजीवी बैक्टीरिया द्वारा जैसे- राइजोबियम प्रजाति।

राइजोबियम प्रजाति के बैक्टीरिया दलहनी फसलों के जड़ों में गाँठें बनाकर सहजीवी रूप में निवास करती हैं। इसमें राइजोबियम मेलिलोटी, रिजका में, रा. ट्राइफोली बरसीम में रा. लेग्यूमिनोसेरम मटर में रा. फेजिओली गार्डन बीन में तथा रा. जेपोनीकम सोयाबीन के जड़ों में गाँठें बनाती हैं।

खादों का वर्गीकरण

जैविक (कार्बनिक, जीवांश या पूर्ण खाद)

क) भारी कार्बनिक खाद (आयतन एवं वजन में ज्यादा (भारी) लेकिन तत्व (%) कम)-

1. गोबर की खाद
2. कम्पोस्ट
3. हरी खाद
4. मानव विष्ठा
5. चिड़ियों की बीट आदि
6. अपवक
7. मैली की खाद
8. गन्दे नालों से खाद

ख) हल्की कार्बनिक खाद (वजन/आयतन में कम लेकिन तत्वों की % मात्रा अधिक)-

1. खलियाँ

2. हड्डी का चूरा
3. सूखा रक्त
4. मछली की खाद

अजैविक (अकार्बनिक, विशिष्ट, अपूर्ण खाद, उर्वरक/रसायनिक खादें)

क) नत्रजनयुक्त उर्वरक

1. **अमोनियम उर्वरक** : अमोनियम सल्फेट, अमोनियम क्लोराइड, अमोनिया द्रव, अमोनिया गैस।
2. **नाइट्रेट उर्वरक** : कैल्सियम नाइट्रेट सोडियम नाइट्रेट।
3. **नाइट्रेट एवं अमोनियम उर्वरक** : अमोनियम सल्फेट नाइट्रेट, अमोनियम नाइट्रेट, कैल्सियम अमोनियम नाइट्रेट (केन)।
4. **अमोनाइड उर्वरक** : यूरिया, बाइयूरेट, यूरिया, कैल्सियम साइनेमाइड।

ख) फॉस्फोरस युक्त उर्वरक

1. **जल में घुलनशील** : सुपर फॉस्फेट (एकल), सुपर फॉस्फेट (डबल), सुपर फॉस्फेट, राक फॉस्फेट (ट्रिपल)।
2. **साइट्रिक अम्ल में घुलनशील** : डाइकैल्सियम फॉस्फेट, हाइपर फॉस्फेट, हाइपर फॉस्फेट, राक फॉस्फेट।

ग) पोटेशियम उर्वरक : पोटेशियम नाइट्रेट, काइनाइट, पोटेशियम सल्फेट, पोटेशियम क्लोराइड (अर्थात् म्यूरेट ऑफ पोटेश) आदि।

घ) योगिक उर्वरक : जैसे डाइ अमोनियम फॉस्फेट, एन.पी. के. मिश्रण के विभिन्न ग्रेड- सुफला, नाइट्रोफोस, आमेफोस, इफको ग्रेड नं. 1, इफको ग्रेड नं. 2 आदि।

पादप रोग विज्ञान

प्रमुख पादप हार्मोन

फल वृक्षों की विभिन्न गतिविधियों में, जैसे वृद्धि, फूल आना, फलन, जड़ निकलना, फल आकार वृद्धि, फल को पकाना, असमय फल का गिरना आदि गतिविधियों के सम्पन्न होने में पादप हार्मोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इनमें प्रमुख हैं- ऑक्सिजन्स, साइटोकाइनिन्स, जिब्रेलिन्स एवं इथाइलीन।

- **ऑक्सिजन्स** प्राकृतिक रूप से नई पत्तियों तथा ऊपरी सिरे की कलियों में बनता है और बाद में यह ऊपर से नीचे की तरफ आ जाता है। यह तने की वृद्धि, कलम में जड़ों का प्रेरण, फलों के विकास, पार्श्व कलिकाओं के वृद्धि को रोकना, शीर्ष प्रभाविता, विगलन पर्व के निर्माण का रोकना, खरपतवार को नष्ट करना, बीजों को सुसप्ता में बनाये रखना आदि महत्वपूर्ण कार्य हैं।
- **जिब्रेलिन्स** का प्रमुख कार्य आनुवांशिक रूप से छोटे पौधों को बड़ा कर देना है। अन्य प्रमुख कार्यों में, बीज एवं कंद की सुसप्ता तोड़ना, बीज रहित फल का निर्माण, अंगूर आदि फलों को बड़ा करने में महत्वपूर्ण योगदान होता है।
- **साइटोकाइनिन्स** कोशिका विभाजन तथा जीर्णावस्था को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

- **इथाइलीन** को फल पकाने वाला हार्मोन्स कहते हैं। यह एक उड़नशील (गैसीय) रूप में पाया जाने वाला हार्मोन्स है। एसिटिलीन तथा प्रोपाइलीन भी फलों को पकाते हैं।
- इथाइलीन का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य पत्तियों, फलों और तना के बीच विगलन पर्व का निर्माण कर असमय पत्तियों या फलों का गिरा देना।

पौधों के आवश्यक 16 पोषक तत्व

- **मुख्य तत्व** : कार्बन, ऑक्सीजन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, कैल्सियम, मैगनीशियम, गंधक।
- **सूक्ष्म** : लोहा, मैगनीज, तांबा, जस्ता, बोरोन, मोलिब्डेनम, क्लोरीन।

पौधों/फसलों/फलों में तत्वों की कमी से उत्पन्न रोग

- ◆ नींबू में 'डाईबेक' रोग कॉपर की कमी से होता है।
- ◆ आँबले में आन्तरिक 'निक्रोसिस' रोग बोरोन की कमी से होता है।
- ◆ नींबू में 'लिटिल लीफ' रोग कॉपर की कमी से होता है।
- ◆ आम एवं बैंगन में 'लिटिल लीफ' रोग जस्ते की कमी से होता है।
- ◆ लीची में पत्ती जलना पोटेशियम की कमी से होता है।
- ◆ आम में 'निक्रोसिस' रोग बोरोन की कमी से होता है।
- ◆ आम में 'लीफ स्कोर्च' रोग क्लोराइड की कमी से होता है।
- ◆ कटहल का आन्तरिक ऊतक/क्षय रोग बोरोन की कमी से होता है।
- ◆ आम का 'काला शिरा रोग' भट्टे के धुएँ से निकली सल्फर डाइ ऑक्साइड से होता है।
- ◆ पीकन नट में 'गुच्छा' रोग जस्ते की कमी से होता है।
- ◆ शलजम में 'वाटर कोर' रोग मैगनीज की कमी से होता है।
- ◆ फूलगोभी में 'व्हीप टेल' रोग मॉलीब्डेनम की कमी से होता है।
- ◆ फूलगोभी में 'बटनिंग' रोग नाइट्रोजन की कमी से होता है।
- ◆ फूलगोभी में 'ब्राइनिंग' रोग बोरोन की कमी से होता है।
- ◆ चुकन्दर में 'हर्ट रुट' रोग बोरोन की कमी से होता है।
- ◆ मटर में मार्श रोग मैगनीज की कमी से होता है।
- ◆ मटर में 'व्हाइट रुट' रोग फफूँद से होता है।
- ◆ चुकन्दर में चित्तीदार पीला रोग मैगनीज की कमी से होता है।
- ◆ गाजर में 'कोटरस्पॉट' रोग कैल्सियम की कमी से होता है।
- ◆ आलू का 'ब्लैक हर्ट' रोग (III) भण्डारण में ऑक्सीजन की कमी से होता है।
- ◆ मक्का में 'सफेद बुड' रोग जस्ते की कमी से होता है।
- ◆ मूँगफली में 'टिक्का' रोग फफूँद (मैक्रोफोनिया फैसियोलाई) से होता है।
- ◆ ज्वार (चरी) में जहरीलापन रोग प्रूसिक अम्ल की अधिकता से होता है।
- ◆ धान्य में 'Reclamation' रोग कॉपर की कमी से होता है।

- ◆ धान में झौंका, लीफ ब्राउन स्पॉट रोग फफूँद से होता है।
- ◆ बाजरा में Ergot एवं स्मट रोग फफूँद से होता है।
- ◆ गन्ना में रेड रुट रोग फफूँद से होता है।

पादप रोग के प्रमुख बिंदु

पादप रोग विज्ञान या फायटो पैथोलॉजी शब्द की उत्पत्ति-ग्रीक भाषा के तीन शब्दों, पादप, रोग तथा ज्ञान से हुई है जिसका अर्थ होता है पादक रोग का अध्ययन।

- पादप रोग विज्ञान कृषि विज्ञान वनस्पति विज्ञान अथवा जैव विज्ञान की वह शाखा है जो रोगों के कारणों हेतु की उनकी रोकथाम के अध्ययन करना, इसके साथ रोग नियंत्रण विधियों को विकसित करना।
- पौधों एवं रोग जनक द्वारा विकास की अभिक्रिया का अध्ययन करना।
- पादप रोग विज्ञान का उद्देश्य यह है कि पादप रोगों के जीवित अजीविका एवं पर्यावरण कारकों का अध्ययन करना और रोग जनकों द्वारा रोग विकास की अभिक्रिया का अध्ययन करना, इसके साथ रोग नियंत्रण विधियों को विकसित करना।
- पौधों एवं रोग जनक द्वारा विकास की अभिक्रिया का अध्ययन करना।
- पादप रोगों का अध्ययन करने वाले व्यक्ति पादप रोग विज्ञानी कहलाता है।
- आधुनिक वैज्ञानिक विचारधारा के अनुसार पौधों एवं रोगजनक के बीच हुई पारस्परिक क्रियाओं को रोग कहते हैं।
- जी.सी. कैन्ट के अनुसार - एक विशिष्ट जीव के भीतर ऊर्जा के उपयोग से परस्पर सम्बन्धित एक रोगजनक की निरंतर हो रही उत्तेजनाओं के परिणाम स्वरूप योग्यता के ह्रास अथवा हानि को रोग कहते हैं।
- सन् 1846 में आलू की पछेली अंगमारी रोग आयरलैण्ड में महामारी के रूप में उत्पन्न हुआ, जिससे वहाँ इससे अकाल पड़ गया।
- उसी समय पादप-रोग विज्ञान की आधारशिला रख गई।
- सन् 1867 में श्रीलंका में कॉफी कीट का भयंकर प्रकोप हुआ।
- सन् 1918-19 में गोदावरी एवं कृष्णा नदियों के डेल्टा क्षेत्र में धान के भूरे-पूर्ण रोग द्वारा धान की सम्पूर्ण फसल नष्ट हो गई।
- सन् 1943 में बंगाल में दूधिय का कारण माना जाता है।
- उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम सन् 1938 में गन्ने का लाल सड़न रोग पादप महामारी के रूप में उत्पन्न हुआ।
- थियोफ्रेस्टस ने अपनी पुस्तक में पादप रोग के विषय में अपने अनुभव बताये हैं।
- जीव ही रोगी पौधों में स्वतः उत्पन्न हो जाते हैं।
- इटली का वनस्पति विज्ञानी माईकेली सबसे पहला व्यक्ति था।

जिसने सन् 1729 में कवकों का अध्ययन किया और बीजाणुओं को देखा।

- 1807 में प्रिवोस्ट ने सिद्ध किया कि गेहूँ का बंट रोग एक कवक के कारण होता है।
- आधुनिक प्रयोगात्मक पादप रोग विज्ञान की आधारशिला जर्मन वैज्ञानिक एंटन डी बैरी ने रखी थी।
- डी-बैरी ने आलू की पछेली अंगमारी रोग पैदा करने वाले कवक का विस्तृत अध्ययन करके उसका नामकरण किया।
- जूलियस कून ने सन् 1858 में पादप रोग पर पहली पुस्तक लिखी।
- ब्रेफेल्ड ने सन् 1875 में सूक्ष्म जीवों के कृत्रिम संवर्धन की खोज की।
- सन् 1878 में अंगूरो के मृदुरोमिल असिता रोग ने अमेरिका से यूरोप में प्रवेश किया।
- डी-बैरी द्वारा ही प्रशिक्षित फ्रांस के प्रो. मिलाडेंट ने बोर्डो मिश्रण की खोज की थी।
- सर्वप्रथम बिप्फेन एवं आर्टन ने धान्य कीटों और कपास, तरबूजा लोबिया इत्यादि के म्लानी रोगों का नियंत्रण रोग रोधी किस्मों को विकसित किया।
- मेयर, पहला व्यक्ति था जिसने पौधों का वाइरस जनित रोग तम्बाकू मोजेक खोजा था।
- माइकोप्लाज्मा अनिशित आकार के होते हैं। उनके चारों ओर पतली झिल्ली होती है। केंद्रीय झिल्ली अनुपस्थित रहती है।
- श्री के.आर कीर्तिकर प्रथम भारतीय वैज्ञानिक थे, जिन्होंने यहाँ कवकों को एकत्र करके उसकी पहचान का कार्य आरम्भ किया।
- पूसा संस्थान में सन् 1910 में पहले ई.जे. बटलर ने भारतीय कवकों से उत्पन्न रोगों का विस्तृत अध्ययन किया।
- ई.जे. बटलर को भारत में आधुनिक पादप रोग विज्ञान का पिता माना जाता है।
- एस.एल. अजरेकर ने कपास का म्लानि, गन्ने का कंड और ज्वार का अर्गट इत्यादि रोगों पर अध्ययन किया।
- वी.वी. मुन्दकुर ने इंडियन फाइटोपैथेलाजी का प्रकाशन किया।
- यह रोग वह होते हैं जो बहुत अनियमित अन्तरालों और स्थानों पर बहुत थोड़े उदाहरणों के रूप में उत्पन्न होते हैं उसे विरलमारी या विकर्ण रोग कहते हैं, जैसे- बाजरे का हरी वाली रोग, मूँगफली का तना विगलन रोग।
- किट्ट वास्तव में जंग अथवा मुर्चा से है। इसके लक्षण जंग या मुर्चा जैसा होता है जैसे- गेहूँ एवं जौ का काला, भूरा एवं पीला कीट।

- श्वेत फफोले रोग क्रसीफोरी कुल के पौधों पर दिखाई देता है जैसे- श्वेत किट्ट रोग।
- पामा- स्कैच शब्द का अर्थ खुरदरा, पपड़ी जैसा विक्षत अथवा अलसर-सदृश्य है।
- कुछ रोगों में पौधों की पत्तियों में लराबदार विरूपित एवं व्याकुल होकर सिकुड़ जाती है। इसे कुचन कहते हैं। जैसे- पपीते का पर्ण कुचन।
- ब्लाइट शब्द का अर्थ झुलसी हुई या जली आकृति से है। इससे रोगी पौधों को ऊतक संक्रमण की तीव्रता के कारण शीघ्र मर जाता है।
- शीर्षरिभी क्षय के कारण पौधों के अंग, तने, शाखायें इत्यादि मर कर सूख जाते हैं। उदाहरण, नींबू वंशीय फल वृक्षों का शीर्षरिभी क्षय।
- डॉ. राबर्ट कोच को जीवाणु-विज्ञान तकनीक का पिता कहते हैं।
- बहुचक्रीय किट्टो को सभी बीजाणु अवस्थाएं पक्सीनिया ऐसीयम, यूरीडिनियम, टीलियम एवं बेसिडियम उपस्थित होते हैं।
- भारत में गेहूँ की फसल पर तीन किट्टों का प्रकोप होता है।
- आलू का पछेती रोग एक भयंकर रोग है। इसके आइरिश ब्लाइट के नाम से भी जाना जाता है।
- यह रोग फाइटोथेरा इन्फेस्टैन्स कवक के कारण होता है।
- इस रोग के नियंत्रण के लिए 2.5 मिग्रा डाइथेन एम 45 या डाइथेन जेड-78 नामक दवा का तीन छिड़काव 15 से 20 दिन तक करना चाहिए।
- इस रोग के नियंत्रण के लिए लूथरा और सत्तर ने सन् 1934 में सरल उष्ण-जल उपचार विधि को बताया।
- किट्टू रोग की रोकथाम के लिए सर्वांगी कवक नाशी रसायन प्लान्टवैक्स तथा विटवैक्स के 0.2 से 0.25% के हिसाब शुष्क बीज उपचार करके बुवाई करते हैं।
- बीज को विटवैक्स, बेनलेट बविस्टिन से उपचारित करके बोते हैं।
- गेहूँ का भूरा किट्ट रोग कवक द्वारा होता है। भारत में उत्तरी एवं पूर्वी भागों में यह किट्ट गेहूँ की फसल पर सामान्य रूप से उत्पन्न होता है।
- गेहूँ का पीला अथवा धारीदार किट्ट रोग पक्सीनिया स्टिआइफॉसिस नामक कवक द्वारा होता है।
- यह एक भिन्नाश्रयी कवक है। इस कवक के लिए एकान्तर परपोषी का अभी तक ज्ञात नहीं हो पाया है।
- उत्तर प्रदेश में देर से बोई गई गेहूँ की फसल की अपेक्षा अगेती बोई गई फसल में संक्रमण अधिक होता है।
- गेहूँ का पीता किट्ट उन क्षेत्रों में कम उत्पन्न होता है। जहाँ वर्षा निम्न तथा गर्मी के दिनों में तापमान अधिक रहता है।
- मटर का किट्ट रोग पक्सीनिया यूरोमाइसीज द्वारा होता है।
- यूरोमाइसीज पोइसाई बृहत् चक्रीय एवं भिन्नाश्रयी होता है।
- इस रोग की रोगरोधी किस्म टाइप-163 को उगाते हैं।
- असली का किट्ट फरवरी महीने में दिखायी देता है।
- यह रोग मैलेम्पसोरेसी लीनाई नामक कवक द्वारा होता है।
- रोगरोधी किस्म हिरा, हिमालनी तथा मुक्ता को उगाते हैं।
- यह रोग मैलेम्पसोरेसी लीनाई नामक कवक के द्वारा होता है।
- इस किट्ट को रोकने का सबसे सरल एवं उपर्युक्त उपाय रोगरोधी किस्म का प्रयोग करना चाहिए।
- गेहूँ का गोगला या सेहूँ का रोग ऐंगुइना टिटिसाई नामक नेमाटोड द्वारा होता है।
- धान की भूरी चित्ती रोग हेलमिन्थेस्पोरियम ओराइजी नामक कवक द्वारा होता है।
- इसी रोग के कारण बंगाल में सन् 1943 में अकाल पड़ा था।
- रोगरोधी किस्में पदमा जया सी.ओ. 20 उगाना चाहिए।
- ऐफिस मेडिस नामक रोग वाहक कीट द्वारा फैलाया जाता है।
- आलू का कृष्णागत रोग अ-परजीवी रोग है। जिसका कारण ऑक्सीजन की कमी से है।
- आम का काला सिरा या ऊतक क्षय रोग बोरॉन की कमी से कारण होता है।
- इस रोग से बचने के लिए बाग को भट्टे के पास नहीं लगाना चाहिए।
- भारत के प्रसिद्ध कीटशास्त्री स्वर्गीय डॉ. प्रधान ने कहा था कि उत्पादन तकनीकी की अपेक्षा संरक्षण तकनीकी अधिक आवश्यक है।
- भारत सरकार ने सर्वप्रथम अपना कीट विशेषज्ञ सन् 1901 ई. में लोइनेस डी नाइसविले को नियुक्त किया।
- इसका प्रमुख कार्यालय भारतीय संग्रहालय कलकत्ता में था।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की स्थापना 1929 में नई दिल्ली में की गई।
- सन् 1936 में पूसा (बिहार) का अनुसंधान संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के नाम से नई दिल्ली में स्थापित हुआ।
- सन् 1939 ई. में भारत सरकार ने एक स्थायी टिड्डी चेतावनी एवं नियंत्रण संघ की स्थापना की।

राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान/केंद्र

पूरा नाम	स्थापना वर्ष	स्थान (राज्य)
नेशनल ब्यूरो ऑफ एनीमल जैनेटिक रिसोर्सेज	1976	राजेन्द्र नगर, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
नेशनल ब्यूरो ऑफ एनीमल जैनेटिक रिसोर्सेज	1985	करनाल (हरियाणा)
नेशनल बायो-फर्टिलाइजर डेवलपमेंट सेन्टर	1985	गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)
नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज	1983	इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)
नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जैनेटिक रिसोर्सेज	1976	नई दिल्ली (दिल्ली)
नेशनल बाटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट	1976	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
नेशनल ब्यूरो ऑफ सोयल सर्वे एण्ड लैंड-यूज प्लानिंग	1976	नागपुर (महाराष्ट्र)
नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स एण्ड पॉलिशी रिसर्च	1991	नई दिल्ली (दिल्ली)
नेशनल डेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट	1955	करनाल (हरियाणा)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एनीमल्स जेनेटिक्स	1984	करनाल (हरियाणा)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन	1984	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रुरल डेवलपमेंट	1984	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर एग्रो-फोरेस्ट्री	1988	झाँसी (उत्तर प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन कैमल	1984	बीकानेर (राजस्थान)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर सिट्रस	1985	नागपुर (महाराष्ट्र)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर केश्यू (काजू)	1985	पुनूर (कर्नाटक)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन इक्वाइन्स	1986	हिसार (हरियाणा)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन कोल्ड वॉटर फिशरीज	1987	हिसार (हरियाणा)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर ग्राइण्डनट (मूँगफली)	1979	जूनागढ़ (गुजरात)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर इन्टीग्रेटेड पैस्ट मैनेजमेंट	1988	फरीदाबाद (हरियाणा)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर मीट	1991	इज्जत नगर (उत्तर प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर मशरूम रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग	1983	सोलन (हिमाचल प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन प्लांट बायोटेक्नोलॉजी	1985	नई दिल्ली (दिल्ली)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर सोरघम	1987	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर एरिड हार्टीकल्चर	1987	बीकानेर (राजस्थान)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर बनाना	1987	तिचुरापल्ली (तमिलनाडु)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर ग्रेप्स	1987	पुणे (महाराष्ट्र)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर इन्टीग्रेटेड पैस्ट मैनेजमेंट	1987	आई.ए.आई., नई दिल्ली
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर मेडिसिनल एण्ड एरोमैटिक प्लाण्ट्स	1987	आनन्द (गुजरात)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर आइल पाम	1987	इलूरु (आन्ध्र प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर ओनियन एण्ड गार्लिक	1987	पुणे (महाराष्ट्र)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर ऑर्किड	1987	गंगटोक (सिक्किम)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर वाटर टैक्नोलॉजी फॉर ईस्टर्न रीजन	1987	भूवनेश्वर (उड़ीसा)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन मिथुन	1987	झरनापानी (नगालैण्ड)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन मीट एण्ड मीट प्रोडक्ट	1987	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर सोयाबीन	1987	इन्दौर (मध्य प्रदेश)

नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर वीड साइंस	1989	जबलपुर (मध्य प्रदेश)
नेशनल सुगर इंस्टीट्यूट	1989	कानपुर (उत्तर प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन याक	1989	डीरांग, वैस्ट केभांग (अरुणाचल प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर वीमन इन एग्रीकल्चर	1989	भुवनेश्वर (उड़ीसा)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च ऑन जूट एण्ड एप्लाइड फाइबर टेक्नोलॉजी	1989	कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर सीड स्पाइसेज	1989	अजमेर (राजस्थान)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च ऑन जूट एण्ड पिजिओलॉजी (NDRI: कैम्पस)	1989	बंगलौर (कर्नाटक)
नेशनल रिसर्च सेन्टर ऑन डीएनए फिंगर प्रिंटिंग	1989	एनबीपीजीआर, पूसा, नई दिल्ली
हाई सिक्वोरिटी एनीमल डिजीज लेबोरेटरी	1989	भोपाल (मध्य प्रदेश)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर लीची	1989	मुजफ्फरपुर (बिहार)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर मखाना	1989	पटना (बिहार)
नेशनल रिसर्च सेन्टर फॉर मशरूम	1989	सोलन (हिमाचल प्रदेश)

कृषि अनुसंधान संस्थान

पूरा नाम	स्थापना वर्ष	स्थान (राज्य)
इंस्टीट्यूट ऑफ एनीमल हस्बेण्ड्री एण्ड वैटनरी बायोलोजीकल्स	1905	बंगलौर (कर्नाटक)
इण्डियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट	1905	नई दिल्ली (दिल्ली) (पूर्व 1945 में बिहार में थी)
इण्डियन एग्रीकल्चरल स्टेटिस्टिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट	1959	पूसा, नई दिल्ली
आई.सी.ए.आर. कॉम्प्लैक्स फॉर गोआ	1982	गोवा (गोवा)
आई.सी.ए.आर. कॉम्प्लैक्स फॉर नार्थ ईस्टर्न हिल रीजन	1975	बारापानी (मेघालय)
इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट जेनेटिक्स एण्ड ट्री ब्रीडिंग	1975	शिलांग (मेघालय), कोयम्बटूर (तमिलनाडु)
इण्डियन ग्रासलैण्ड एण्ड फॉडर रिसर्च इंस्टीट्यूट	1962	झांसी (उत्तर प्रदेश)
इंडियन ग्रेन स्टोरेज इंस्टीट्यूट	हापुड़ (उत्तर प्रदेश)
इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेंट	भोपाल (मध्य प्रदेश)
इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ हॉटीकल्चरल रिसर्च	1967	हैसरघट्टा, बंगलौर (कर्नाटक)
इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पल्स रिसर्च	1984	कानपुर (उत्तर प्रदेश)
इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ सुगरकेन रिसर्च	1984	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
इण्डियन लैक रिसर्च इंस्टीट्यूट	1925	झांसी (उत्तर प्रदेश)
इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज ऑन एग्रीकल्चरल एण्ड रुरल डेवलपमेंट	1984	धारवाड़ (कर्नाटक)
इण्डियन लैक रिसर्च इंस्टीट्यूट	1984	इज्जत नगर (उत्तर प्रदेश)
इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी	-	बंगलौर (कर्नाटक)
जूट टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट	1939	कोलकाता (पश्चिम बंगाल)
सुगरकेन ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट	1912	कोयम्बटूर (तमिलनाडु)
विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान शाला	1985	अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
वॉटर टेक्नोलॉजी सेन्टर फॉर ईस्टर्न रीजन	1988	भुवनेश्वर (उड़ीसा)
प्रोजेक्ट कार्डीनेटर होम साइन्स	-	आईसीएआर कृषि अनुसंधान पूसा, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पाइस रिसर्च	1975	कालीकट (केरल)
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजीटेबिल रिसर्च	-	वारणसी (उत्तर प्रदेश)
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोइल साइन्स	-	भोपाल (मध्य प्रदेश)

केन्द्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान

पूरा नाम	स्थापना वर्ष	स्थान (राज्य)
सेण्ट्रल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट	1978	पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान और निकोबार)
सेण्ट्रल एवियन रिसर्च इंस्टीट्यूट	1973	इज्जतनगर (उत्तर प्रदेश)
सेण्ट्रल एरिड जोन रिसर्च इंस्टीट्यूट	1959	जोधपुर (राजस्थान)
सेण्ट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट	-	मैसूर (कर्नाटक)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल इन्जीनियरिंग	1955	भोपाल (मध्य प्रदेश)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रेकिश वाटर एक्वाकल्चर	1987	चेन्नई (तमिलनाडु)
सेण्ट्रल इनलैण्ड कैप्चर फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट	1947	बैंकरपुर (पश्चिम बंगाल)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर कॉटर रिसर्च	1976	नागपुर (महाराष्ट्र)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रैश वाटर एक्वाकल्चर	1987	भुवनेश्वर (ओडिशा)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन	1961	मुम्बई (महाराष्ट्र)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी	1957	कोचीन (केरल)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रोपिकल हार्टीकल्चर	1984	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिसिनल एण्ड एरोमैटिक प्लाण्ट्स	-	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी	1989	लुधिया (पंजाब)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन बफैलोज	1985	हिसार (हरियाणा)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन कॉटन टेक्नोलॉजी	1987	मुम्बई (महाराष्ट्र)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च ऑन गोट्स	1979	मखदूम (उत्तर प्रदेश)
सेण्ट्रल मैराइन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट	1947	कोच्चि (केरल)
सेण्ट्रल प्लाण्टेशन क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट	1970	कासरगोड (केरल)
सेण्ट्रल पोटेटो रिसर्च इंस्टीट्यूट	1949	शिमला (हिमाचल प्रदेश)
सेण्ट्रल पोटेटो रिसर्च इंस्टीट्यूट (कैम्पस)	-	मोदीपुरम मेरठ (उत्तर प्रदेश)
सेण्ट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ड्राईलैण्ड एग्रीकल्चर	1985	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
सेण्ट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर जूट एण्ड एलाइड फाइबर	1953	बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)
सेण्ट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट	1946	कटक (ओडिशा)
सेण्ट्रल सोयल सोयल सैलेनिटी रिसर्च इंस्टीट्यूट	1969	करनाल (हरियाणा)
सेण्ट्रल सोयल एण्ड वाटर कन्जर्वेशन रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट	1954	देहरादून (उत्तराखण्ड)
सेण्ट्रल शीप एण्ड वूल रिसर्च इंस्टीट्यूट	1962	अबीकानगर (राजस्थान)
सेण्ट्रल ट्यूबर क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट	1963	तिरुवनन्तपुरम् (केरल)
सेण्ट्रल टुबैको रिसर्च इंस्टीट्यूट	1947	रामसुन्दरी (आन्ध्र प्रदेश)
सेण्ट्रल इंस्टीट्यूट फॉर टेम्परेट हार्टीकल्चर	-	श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर)
सेण्ट्रल प्लाण्टेशन क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट	-	कासरगोड (केरल)
नेशनल एग्रीकल्चरल साइन्स म्यूजियम (आईसीएआर)	2004	नई दिल्ली (पूसा कैम्पस)
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट	1987	हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)

स्मरणीय तथ्य

- सातवीं अनुसूची में कृषि को राज्य का विषय लिखा गया है। राष्ट्रीय कृषि आयोग (2006) ने अपनी सिफारिशों में कृषि को समवर्ती सूची में लाए जाने की अनुशंसा किया है।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने प्रो. एम. एस. स्वामीनाथन को आर्थिक पारिस्थितिकी का पिता कहा जाता है।
- कृषि वर्ष की अवधि कब से कब तक होती है? - **जुलाई से जून**
- विश्व के चार शीर्ष कृषि योग्य भूमि धारण राष्ट्र क्रमशः है - **अमेरिका, भारत, चीन एवं रूस**
- भारत के सकल जीडीपी में पशु पालन क्षेत्र का क्या योगदान है? - **3.9%**
- किस समिति ने सिफारिश की है कि कैलोरी की खपत को गरीबी रेखा का मानदंड बनाने से परहेज करना होगा - **सुरेश तेंदुलकर समिति ने**
- किस योजना में निर्धनता को पूर्णतः समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया था? - **आठवीं पंचवर्षीय योजना**
- गरीबी उन्मूलन का नारा किस पंचवर्षीय योजना में दिया गया था? - **छठीं पंचवर्षीय योजना में**
- आर्थिक सुधारों के बाद के काल में देश में शहरी निर्धनों की संख्या पर क्या प्रभाव पड़ा है? - **निर्धनों की संख्या में कमी हुई है।**
- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के गरीबी रेखा निर्धारण हेतु क्रमशः 2400 एवं 2100 कैलोरी प्रतिदिन/व्यक्ति की निर्धारण पद्धति योजना आयोग द्वारा कब स्वीकार किया गया? - **1969 में।**
- लकड़ावाला फॉर्मूले में शहरी एवं ग्रामीण निर्धनता के आकलन हेतु किसको आधार बनाया गया था? - **औद्योगिक एवं कृषि श्रमिकों के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को।**
- नष्ट होने वाली कृषि बागवानी फसलों के मूल्य नियंत्रण हेतु बाजार हस्तक्षेप के लिए केंद्रीय कृषि एवं सहयोग विभाग द्वारा 27 मार्च, 2015 को केंद्रीय योजना के रूप में 500 करोड़ रुपये के जिस कोष को मंजूरी प्रदान की गई उसका नाम है- **कृषि स्थिरीकरण कोष।**
- तेंदुलकर समिति ने 2004-05 तथा 2009-10 में किस आधार पर निर्धनता रेखा का आकलन किया है? - **प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय के आधार पर।**
- अखिल भारतीय स्तर पर तेंदुलकर समिति ने 2009-10 में ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में कितने रुपये प्रति व्यक्ति प्रति माह व्यय को निर्धनता रेखा की पहचान के लिए निर्धारित किया था? - **क्रमशः 672.8 रुपये एवं 859.6 रुपये।**
- सर्वाधिक तथा न्यूनतम ग्रामीण उपभोग व्यय वर्ष 2009-10 किन राज्यों का था? - **क्रमशः नागालैण्ड (1016.8 रुपये) तथा ओडिशा (567.1 रुपये)। ध्यातव्य है कि शहरी उपभोग व्यय में यही राज्य क्रमशः सर्वाधिक एवं न्यूनतम स्थान पर रहे हैं।**
- संसदीय समिति के अनुसार वर्ष 2011-12 में देश में निर्धनता अनुपात कितना है? - **29.5%।**
- राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान कहाँ स्थापित है? - **कुंडली (हरियाणा में)**
- अभी हाल में बार्क ने किस देश के साथ खाद्य संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और परस्पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के इलेक्ट्रॉन और एक्स-किरण विकिरण तकनीकों के विकास में सहयोग के लिए समझौता किया है? - **अमरीका से**
- कैल्शियम कार्बाइड रसायन निम्न में से कौन-सा गैस उत्सर्जित करता है? - **ऐसीटाइलीन गैस**
- फलों से अधिकतर कौन-सी शर्करा पायी जाती है - **फ्रुक्टोज**
- 'खाद्य प्रसंस्करण के जनक' कहलाते हैं - **निकोलस एपर्ट**
- केंद्रीय खाद्य-प्रसंस्करण तकनीकी अनुसंधान संस्थान भारत के किस राज्य में स्थित है? - **मैसूर (कर्नाटक)**
- भारत में खाद्य पदार्थों के प्रोसेसिंग हेतु तीन गामा संयंत्र कहाँ लगाये गये हैं? - **सोनीपत (हरियाणा), अंबरनाथ (महाराष्ट्र) एवं बड़ोदरा (गुजरात)**
- शीरे में एसिटिक अम्ल की मात्रा होती है - **2 से 3%**
- अम्लीय खाद्य पदार्थ में उपस्थित जीवाणु किस तापक्रम पर निष्क्रिय रहते हैं? - **100°C**
- ब्लिचिंग क्रिया की जाती है - **सब्जियों में**
- फलों में पैक्टिन की मात्रा ज्ञात की जाती है - **जैली मीटर से**
- मार्मलेड तैयार किया जाता है - **नींबू प्रजाति के फलों से**
- टमाटर के केचप में प्रयुक्त होने वाला संरक्षी रसायन है - **सोडियम बेन्जोएट**
- फल एवं सब्जी प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना कब की गई थी - **1 जनवरी, 1993**
- कार्डियल बनाने के लिए कुल ठोस पदार्थ एवं सल्फर डाई ऑक्साइड की कितनी-कितनी मात्रा होनी चाहिए? - **30% एवं 350 पीपीएम**

- भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की स्थापना कब की गई थी? -**जुलाई, 1988 में**
- नमक की कितनी मात्रा (सान्द्रता) प्रसंस्करण के लिए पर्याप्त होती है? -15-25%
- जैली में अम्ल, चीनी की सान्द्रता एवं जल की मात्रा कितनी होनी चाहिए? -क्रमशः 0.5-1.0%, 65% एवं 33-38%
- पोटेशियम मेटाबाइसल्फेट का प्रयोग किसमें होनी चाहिए? -**हल्के रंग वाले पेय पदार्थों में**
- अचार में नमक की कितने प्रतिशत मात्रा होनी चाहिए? -**15 से 16%**
- अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य व्यापार में अनाज और उससे निर्मित खाद्य वस्तुओं के वैश्विक निर्यात में भारत की भागीदारी है -**2.5% (2010)**
- भाग्य लक्ष्मी मिर्चा की किस्म है।
- कल्याणपुर टाइप-5 अचार के लिए उपयुक्त है।
- कल्याणपुर मोहिनी मिर्च की एक नई किस्म है।
- अर्का गौरव, यह शिमला मिर्च की एक नई किस्म है।
- अर्का लोहित का विकास भारतीय बागवानी संस्थान बंगलौर द्वारा किया गया है।
- सलेक्शन 27 शिमला मिर्चा की किस्म है।
- दिया मिर्चा की नई किस्म है अग्नि मिर्चा की संकर किस्म है।
- वर्नाकुलर अर्का लोहित किस्में लवण सहनशील हैं।
- स्नोवाल-के-1, यह गोभी की पछेली किस्म है। यह ऐसी किस्म है जिससे ब्लैकरॉट तथा जैन्थोमोनास कैम्पैसट्रोस जीवाणु की प्रतिरोधी है।
- गोभी को गर्म दशाओं में उगाने पर सब्जी का स्वाद तीखा हो जाता है।
- गोभी में नाइट्रोजन की कमी से फूल छोटे रह जाते हैं। बटनिंग भी हो जाती है।
- फूलगोभी एक पर-परागण की सफल है। बीज उत्पादन के लिए दूरी 1600 या 1000 मीटर रखते हैं। इसका बीज कश्मीर, कल्लू, नैनीताल में उगाते हैं।
- अम्लीय भूमि में पौधों को मोलिब्डेनम की कमी से ब्लीचिंग रोग होता है।
- पातगोभी में विटामिन सी (124.0) की मात्रा मिर्चा से अधिक पायी जाती है।
- राजमा में 25% प्रोटीन पायी जाती है। यह रंजनी सेम की किस्म है।
- फ्रेंचबीज का बीज 100-125 किग्रा/हेक्टेयर प्रयोग करते हैं। मैदानी भागों में बुवाई सितम्बर में करते हैं। प्रति हेक्टेयर पौधों की संख्या 3.30 से 4.00 लाख होती है।
- फ्रेंचबीन एक स्व-परागित फसल है।
- भिण्डी की नवीन किस्में अर्का अभय, अर्का अनामिका तथा संकर किस्म वर्षा भी निकाली गई है। परभणी क्रान्ति किस्म महाराष्ट्र से निकाली है।
- सीताफल (कद्दू) की किस्में, अर्का चन्दन, अर्का सूर्यमुखी, पूसा विश्वास है।
- करेला की नई किस्में अर्काहरित, प्रिया, पूसा विशेष, पंजाब 14 हैं।
- बारहमासी करेला की नई किस्म है जो पन्तनगर से निकाली गई है।
- तरबूज की किस्में, शुगरवेबी, पूसा मधु रस, अर्का राजहंस, अर्का जीत, दुर्गपुर मधु, हरा मधु, पूसा रसराज सोना, स्वर्ण, गुजरात हैं।
- आलू का गुणसूत्र 48 है। आलू में कलियों को रोकने के लिए खुदाई के पहले मैलिक हाइड्राजाइल का 0.3% का प्रति हेक्टेयर छिड़काव करते हैं।
- आलू की फाइलोडी बीमारी माइकोप्लाज्मा द्वारा होती है।
- ब्लैक हार्ड बीमारी ऑक्सीजन की कम से होती है।
- नीलगिरि पहाड़ी में आलू की तीन फसलें साल में ली जाती है।
- टमाटर का फटना बोरॉन की कमी से होता है।
- जनजातीय क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान के लिए फखरुद्दीन अली अहमद पुरस्कार दिया जाता है।
- बरानी खेती के लिए बसन्त राव नायक पुरस्कार दिया जाता है।
- पी.एच.डी. शोध प्रबन्ध के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार दिया जाता है।
- धान की दो नई किस्में निधि और पूसा 677 निकाली गई हैं।
- मक्का की नई संकर किस्म पारस पंजाब में उगाने के लिए जारी की गई है।
- ◆ आर्थिक नियोजन के युग के आरम्भ से भारत की सकल राष्ट्रीय आय में कृषि क्षेत्र का हिस्सा -**निरंतर कम होता रहा है।**
- ◆ किस पंचवर्षीय योजना में कृषि क्षेत्र का विकास लक्ष्य से अधिक हुआ था? -**पहली**
- ◆ किस उर्वरक के उपभोग हेतु भारत पूरी तरह से आयात पर निर्भर है? -**पोटाश**
- ◆ भारत में सीमान्त किसानों की सहभागिता समस्त कृषक समुदाय में कितना है? -**67%**
- ◆ नवीनतम रिलीज सीएसआर-43 किसकी किस्म है? -**ग्रोंजियानो-दा-सिल्वा**
- ◆ बांस के उत्पादन में संसार में भारत का क्या स्थान है? - **द्वितीय**
- ◆ खाद्य और पोषण मण्डल भारत सरकार के कौन-से मंत्रालय के अधीन कार्यरत है? -**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**
- ◆ किसी पंचवर्षीय योजना में कृषि ने ऋणात्मक विकास प्रदर्शित किया? -**तीसरे में**
- ◆ भारत में कृषि को समझा जाता है। -**जीविकोपार्जन**
- ◆ भारत में सिंचित क्षेत्र के सबसे अधिक भाग पर खेती होती है -**गन्ना की**
- ◆ प्रायद्वीपीय भारत में सिंचाई का प्रमुख साधन है। -**तालाब**

- ♦ भारत की सिंचाई क्षमता का 47.78% पूरा होता है -**लघु एवं बृहद परियोजनाओं से**
- ♦ 'आईसीएआर' नई दिल्ली द्वारा 'Right to Information Act' कब लागू किया गया? -**2006**
- ♦ देश में वर्तमान में 'आईसीएआर' नई दिल्ली के अन्तर्गत कितने कृषि विज्ञान केंद्र कार्यरत हैं? -**634**
- ♦ 'आम्रपाली-X वनराज' किस्मों के क्रॉस से (गतवर्ष 2007-08) आम (Mango) की कौन-सी संकर प्रजाति विकसित की गई है? -**अनमोल**
- ♦ राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा मिशन में सम्मिलित नहीं है? -**तिलहन**
- ♦ राष्ट्रीय हॉर्टीकल्चर मिशन किस पंचवर्षीय योजना में आरम्भ किया गया था? -**10वीं पंचवर्षीय योजना में**
- ♦ भूमिगत जल को दूषित करने वाले अहजैविक प्रदूषक हैं? -**आर्सेनिक**
- ♦ वर्ष 2013-14 के दौरान, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन कितने मिलियन टन हुआ था? -**264.77**
- ♦ भारत ने निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य सन् 2014 में ओलावृष्टि में सर्वाधिक दृष्टप्रभावित हुआ था? -**महाराष्ट्र**
- ♦ अन्न भण्डारण हेतु अन्न में नमी की कितनी प्रतिशत मात्रा की संस्तुति की गई है? -**12 से कम**
- ♦ आयरन की सर्वाधिक मात्रा किसमें पायी जाती है? -**सेब**
- ♦ सेब उत्पादन शीर्ष राज्य है? -**जम्मू-कश्मीर**
- ♦ सर्वाधिक रबड़ उत्पादक राष्ट्र कौन-सा है? -**थाईलैण्ड**
- ♦ कुफरी किस्म फसल की किस्म है? -**आलू**
- ♦ चाय का जन्म स्थान कहाँ है? -**चीन**
- ♦ नारियल उत्पादक राष्ट्रों में भारत का कौन-सा स्थान है? -**तीसरा**
- ♦ शीर्ष केसर उत्पादक राज्य कौन-सा है? -**जम्मू-कश्मीर**
- ♦ अंग्रेजों द्वारा सर्वप्रथम कहवा बागान लगाये गये थे। -**चिकमंगलूर जनपद में**
- ♦ केंद्रीय धान संस्थान, कटक के वैज्ञानिकों द्वारा विश्व का प्रथम अत्युत्तम धान का नामकरण हुआ है? -**लुनीश्री**
- ♦ रोजमर्रा के इस्तेमाल में लाये जाने वाले निम्न में से कौन पौधे का फल भाग है? -**सौंफ**
- ♦ लहसुन में विशिष्ट गन्ध का कारण है। -**सल्फर यौगिक**
- ♦ कौन-सा वनस्पति तेल हृदय रोगियों के लिए उपयुक्त है? -**सूरजमुखी तेल**
- ♦ निम्नांकित में से कौन-से फल में एस्कॉर्बिक एसिड की मात्रा सर्वाधिक पायी जाती है? -**आँवला**
- ♦ सर्वाधिक विटामिन 'ए' किसमें पाया जाता है? -**पके हुए आम के फल में**
- ♦ निम्न अधोभूमि उत्पादित सब्जियों में कौन-सी एक रुपान्तरित जड़ है? -**शकरकंद**
- ♦ किस सब्जी में सर्वाधिक कैल्शियम तत्व पाया जाता है? -**मेंथी**
- ♦ शस्य-स्वरूप को प्रभावित करने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है -**भौगोलिक सोच-विचार**
- ♦ मक्के की खेती की जा सकती है -**वर्ष भर**
- ♦ भारत में जूट का सर्वाधिक क्षेत्रफल है -**पश्चिम बंगाल में**
- ♦ चावल की खेती के लिए आदर्श जलवायु परिस्थितियाँ हैं -**100 सेमी**
- ♦ भारत का कौन-सा राज्य फलों का सर्वाधिक उत्पादन करता है? -**महाराष्ट्र**
- ♦ सेब के फलों का हल्का लाला रंग किस पिगमेंट के कारण होता है? -**एन्थोसाइनिन**
- ♦ विश्व में कौन-सा देश फलों का अधिकतमक उत्पादन करता है? -**चीन**
- ♦ आम किस देश का मूलज है? -**इंडो-बर्मन क्षेत्र का**
- ♦ केंद्रीय खाद्य-प्रसंस्करण तकनीकी अनुसंधान संस्थान भारत के किस राज्य में स्थित है -**मैसूर (कर्नाटक)**
- ♦ 'खाद्य-प्रसंस्करण' के जनक कहलाते हैं -**पिकोलस एपर्ट (1810)**
- ♦ 'पाश्चुरीकरण' क्रिया के सम्बन्ध में निम्न में से कौन-सा कथन सही है? -**फलों को 100°C तापक्रम से नीचे गर्म करना**
- ♦ 'स्टेरोलाइजेशन' प्रक्रिया अपनाते हैं -**सब्जियों में**
- ♦ 'मार्मलेड' तैयार किया जाता है -**नींबू जाति के फलों से**
- ♦ 'पपेन' किस फल से एकत्रित किया जाता है -**केला**
- ♦ 'रुटेसी' किस फल का कुल है? -**अनानास**
- ♦ 'कैंकर' रोग किस फल की चिन्ताजनक समस्या है? -
- ♦ आम की बैमौसमी किस्म कौन-सी है? -**निरंजन**
- ♦ विटामिन-बी₁ का धनी स्रोत-सा फल है? -**काजू**
- ♦ 'बाथरुम' पल है -**आम**
- ♦ फलों में पैकिटज की मात्रा ज्ञात करने हेतु किस यंत्र का उपयोग करते हैं? -**जैलमीटर**
- ♦ 'कौशल' किस फसल की उन्नत प्रजाति है? -**मूंगफली**
- ♦ सेब के फल में लाला रंग का कारण क्या है? -**एन्थोसाइनिन**
- ♦ 'स्पाजी टिशू' (स्पंजी ऊतक) एक ऐसी गम्भीर समस्या है, जिसके कारण आम की जिस प्रजाति का निर्यात कुप्रभावित हो रहा है, वह है? -**अलफांसो**
- ♦ भारत में केसर का सबसे बड़ा उत्पादक है -**कश्मीर**
- ♦ 'हरित क्रान्ति' के फलस्वरूप गेहूँ का प्रति एकड़ उत्पादन का रिकार्ड अंक था -**2222 किग्रा.**
- ♦ दक्षिण भारत में उच्च कृषि उत्पादकता का क्षेत्र पाया जाता है -**तमिलनाडु तट**
- ♦ देश में सर्वाधिक गन्ने का उत्पादक है? -**महाराष्ट्र**
- ♦ भारत में सर्वाधिक कॉफी उत्पादक है? -**कर्नाटक**

- ◆ मैकोरानी गेहूँ सबसे उपयुक्त किन परिस्थितियों में है? -**असिंचित**
- ◆ निम्नलिखित में से कौन-सी एक खरीफ की फसल है? -**सोयाबीन**
- ◆ निम्नलिखित में से किसमें विटामिन की मात्रा सर्वाधिक पायी जाती है -**पालक**
- ◆ 'टमाटर पुरी' में सुरक्षक रसायन बेन्जोइक अम्ल की अनुमेय सीमा है -**350 पीपीएम**
- ◆ फलों में अधिकतर कौन-सी 'शर्करा' पायी जाती है? -**फ्रक्टोज**
- ◆ भारत में प्रति हेक्टेयर किस फल का क्षेत्रफल सर्वाधिक है? -**आम**
- ◆ 'पानामा म्लानि' एक भयानक बीमारी किस फल में अधिकतर क्षति पहुँचाती है? -**केला**
- ◆ 'लीची' फल का खाने वाला भाग कौन-सा है? -**गूदेदार बीजचोल**
- ◆ कल्याण सोना एक किस्म है? -**गेहूँ**
- ◆ सेब को चाकू से काटने पर उसका रंग किसके कारण भूरा हो जाता है? -**एन्जाइम**
- ◆ स्ववैश किस प्रकार के फलों से बनाया गया है? -**नीबू तथा संतरा**
- ◆ केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है -**मैसूर**
- ◆ भारत में स्वीकृति प्राप्त दो प्रमुख परिरक्षक कौन से हैं? -**सोडियम बेन्जोएट एवं पोटैशियम मेटाबाईसल्फाइड**
- ◆ पास्चुराइजेशन में खाद्य पदार्थों को कितने तापमान पर रखा जाता है? -**67°C**
- ◆ लैक्टिक अम्ल किण्वन कैसी अभिक्रिया है? -**ऑक्सी एवं अनाक्सी**
- ◆ एक सूक्ष्म जीव जो शराब उद्योग के अल्कोहॉलिक किण्वन के लिए प्रयुक्त होता है, एक -**यीस्ट (खमीर)**
- ◆ वृक्षों में 'इक्लैन्थिमा' नामक बीमारी किसकी कमी से होती है? -**तांबा**
- ◆ नत्रजन स्थिरीकरण करने वाले जीवों में नत्रजन को स्थिर करने वाला एन्जाइम है? -**नाइट्रोजिनेज**
- ◆ कपास से रेशे प्राप्त होते हैं -**तने**
- ◆ निम्नलिखित में से कौन-सी फसल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन से आच्छादित नहीं है? -**मोटे अनाज**
- ◆ निम्नलिखित में से कस फसल में उत्तर प्रदेश भारत में सबसे बड़ा उत्पादक नहीं है? -**चावल**
- ◆ निम्नलिखित में से कौन फसलें जायद में मुख्यतः सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाती हैं? -**मूंग एवं उड़द**
- ◆ मूँगफली निम्नलिखित में से कहाँ की प्रमुख फसल है? -**गैम्बिया की**
- ◆ निम्नलिखित में से कौन-सी खरीफ फसल नहीं है? -**सरसों**
- ◆ भारत के निम्न राज्यों में से किसमें तम्बाकू की कृषि के अन्तर्गत बृहत्तम क्षेत्र (2010) है? -**आन्ध्र प्रदेश**
- ◆ प्रशीतन खाद्य परिरक्षण में मदद करता है -**जैव-रासायनिक अभिक्रियाओं की दर कम करके**
- ◆ भारत से निम्नलिखित में से कौन एक उत्पाद सामान्यतः निर्यात नहीं किया जाता है -**दालें**
- ◆ वर्ष 2013-14 में कौन-सा राज्य कुल तिलहन में अग्रणीय (प्रथम स्थान पर) रहा? -**गुजरात**
- ◆ भारत में न्यूनतम समर्थन कीमतें सरकार द्वारा वर्ष में कितनी बार घोषित किया जाता है? -**दो बार**
- ◆ किस राज्य के कृषि नीति में कृषि को उद्योग का दर्जा प्रदान किया जाता है? -**महाराष्ट्र**
- ◆ रबी फसलों के 2013-14 के विपणन मूल्य में गेहूँ न्यूनतम समर्थन मूल्य कितना करने की सिफारिश की गई है? -**1350 रुपए/कुंतल**
- ◆ भारत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की व्यवस्था की शुरुआत कब की गई थी? -**1965**
- ◆ भारतीय खाद्य निगम की स्थापना किस सन् में की गई थी -**1965**
- ◆ भू-धारण प्रणाली की रैयतवारी व्यवस्था की शुरुआत भारत में किसने की थी? -**टामस मुनरो**
- ◆ भूदान आंदोलन कार्यक्रम आचार्य विनोबा भावे द्वारा सर्वप्रथम किस प्रदेश से आरम्भ किया गया था? -**आन्ध्र प्रदेश**
- ◆ 'चीनी वर्ष' कब से कब तक होता है? -**अक्टूबर से सितम्बर**
- ◆ सरकार कितने फसलों के लिए 'न्यूनतम' समर्थन मूल्य की घोषणा करती है? -**24**
- ◆ भारत में वर्ष 2011-12 में कुल खाद्यान्न उत्पादन कितना था? -**259.32 मि.टन**
- ◆ सर टामस मुनरो किस भू-राजस्व बन्दोबस्त से सम्बद्ध थे? -**रैयतवाड़ी बन्दोबस्त**
- ◆ विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है -**16 अक्टूबर**
- ◆ खरीफ फसलों के 2012-13 के न्यूनतम समर्थन मूल्य में किस फसल की मूल्य वृद्धि सर्वाधिक की गई है? -**मूँगफली**
- ◆ कृषि वस्तुओं का 'समर्थन मूल्य' क्या है? -**वह न्यूनतम मूल्य, जिस पर सरकार खरीदने के लिए तैयार हो**
- ◆ कृषि मूल्य आयोग की स्थापना की गई, वर्ष -**1965 में**
- ◆ भारत में कृषि आय की गणना की जाती है -**उत्पादन विधि से**
- ◆ रैचिंग पद्धति किस देश में बहुतायत रूप में पायी जाती है? -**ऑस्ट्रेलिया**
- ◆ भारत में सामान्यतः खेती की कौन-सी पद्धति अपनायी जाती है? -**मिश्रित खेती**
- ◆ खेती की वह कौन-सी प्रणाली है, जिसमें किसान का राज्य से सीधा सम्बन्ध होता है? -**काश्तकारी खेती**
- ◆ परमाकल्चर किसका पर्याय है? -**पारिस्थितिकी कृषि**
- ◆ झूमिंग खेती किन क्षेत्रों में होती है? -**पूर्वोत्तर प्रदेशों में**

- ♦ धारणीय कृषि का अर्थ है? -**आत्मनिर्भरता**
- ♦ झूमिंग कृषि सर्वाधिक व्यवहार में है -**असम में**
- ♦ स्टॉक फार्मिंग है -**पशुओं का प्रजनन**
- ♦ निम्नलिखित राज्यों में से कौन भारत में ठेकेदारी कृषि लागू करने में अग्रणी है? -**पंजाब**
- ♦ विटिकल्चर में निम्नलिखित में से कौन एक उत्पादित होता है? -**अंगूर**
- ♦ भारत में ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष कार्यक्रम को क्रियान्वित करने वाली मुख्य संस्था है -**नाबार्ड**
- ♦ निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था कृषि तथा सम्बन्धित क्षेत्रों को सर्वाधिक साख प्रदान करती है? -**वाणिज्यिक बैंक**
- ♦ निम्नलिखित में से कौन-सी मिश्रित खेती की प्रमुख विशेषता है? -**पशुपालन और सस्य-उत्पादन को एक साथ करना**
- ♦ भारत में शुरु की गई 'स्वाभिमान योजना' किससे संबंधित है? -**ग्रामीण बैंकिंग से**
- ♦ वृहत् मैदान के पुराने जलोढ़ मिट्टी को कहा जाता है -**बांगर**
- ♦ भारत में किस मृदा का क्षेत्रफल सर्वाधिक पाया जाता है? -**जलोढ़ मृदा**
- ♦ मैंग्रोव वनस्पति किस मृदा में पायी जाती है? -**दलदली**
- ♦ बेसाल्ट चट्टान खनिज पर किस मृदा का विकास हुआ है? -**काली मृदा**
- ♦ ग्रेनाइट, नीस और शिष्ट जैसी प्राचीनतम परिवर्तित चट्टानों की टूट-फूट दो से किस मृदा का विकास हुआ है? -**लाल मृदा**
- ♦ एण्टीसाल गण के अन्तर्गत भारत की कौन-सी मृदा रखी गई है? -**नवीन जलोढ़**
- ♦ गोबर गैस का प्रमुख दहनशील गैस मीथेन लगभग कितना प्रतिशत पाया जाता है? -**50-60%**
- ♦ जैव उर्वरक का क्या कार्य है? -**वायुमण्डलीय नाइट्रोजन का स्थिरिकरण, फास्फोरस को घुलनशील बनाना, पौधों की वृद्धि एवं विकास में सहायता।**
- ♦ भारत में अवनालिका अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र कौन-सा है? -**मालवा पठार**
- ♦ मृदा में अघुलनशील फास्फोरस को घुलनशील बनाने में उपयोगी जीवाणु किस वर्ग के होते हैं? -**स्यूडोमोनास**
- ♦ भारत में किस प्रदेश में ऊसर मृदाओं को क्षेत्रफल सर्वाधिक है? -**उत्तर प्रदेश**
- ♦ क्षारीय मृदा सुधारक है -**जिप्सम**
- ♦ एक हेक्टेयर बराबर कितना एकड़ होता है? -**2.47 एकड़**
- ♦ ऐम्टीसोल है -**जलोढ़ मिट्टी**
- ♦ सोयाबिन के जड़ों में गांठें बनाती है? -**राजोबियम जेपोनिकम**
- ♦ दलहनी फसल, जिसमें प्रायः मैदानी क्षेत्रों में सहजीवी नाइट्रोजन स्थिरीकरण नहीं होता है -**फ्रेंच बीन**
- ♦ लेग हीमोग्लोबिन पाई जाती है -**लेग्यूम मूल ग्रन्थियों में**
- ♦ वर्मीकल्चर में प्रयुक्त वर्म होता है -**अर्थ वर्म**
- ♦ भारतीय मृदाओं में जिस सूक्ष्म तत्व की सर्वाधिक कमी है, वह है -**जस्ता**
- ♦ दलहनी फसलों के उत्पादन हेतु कौन-सा तत्व आवश्यक है? -**कोबाल्ट**
- ♦ उत्तर प्रदेश में ऊसर मृदा का विस्तार मिलियन हेक्टेयर (लगभग) में है -**1.2**
- ♦ नई सुधारी गई ऊसर में हरी खाद के लिए उपयुक्त फसल है -**ढेंचा**
- ♦ वायुमण्डल के नत्रजन का स्थिरीकरण न करने वाली दलहनी फसल है -**राजमा**
- ♦ किस मृदा को कम सिंचाई की आवश्यकता होती है, क्योंकि वह मृदा नमी को रोक रखती है? -**जलोढ़ मृदा**
- ♦ संतुलित आहार के निमित्त एक व्यक्ति को प्रतिदिन कितना दूध लेने की संस्तुति की गई है? -**226 ग्राम**
- ♦ गाय की जो नस्ल अधिक दूध देती है, वह है -**साहिवाल**
- ♦ 'फेलेरिस माइनर' किस फसल का खरपतवार है? -**गेहूँ**
- ♦ 1943 में बंगाल में आये भयंकर दुर्भिक्ष का कारण धान के किस रोग को माना जाता है? -**भूरापर्ण चिन्ती**
- ♦ गन्ना के बीच शोधन हेतु किस दवा (कवकनाशी) का प्रयोग किया जाता है? -**एलगाल**
- ♦ टिक्का रोग किस फसल से होता है? -**मूँगफली**
- ♦ किन फलों में एकान्तर फलन की समस्या पायी जाती है? -**आम एवं सेब**
- ♦ आलू की अगेली अंगमारी किस कबक के कारण होता है? -**अल्टरनेरिया सोलेनाई**
- ♦ ब्लैक हर्ट रोग आलू में किस तत्व की कमी से होता है? -**भण्डारण में ऑक्सीजन की कमी से**
- ♦ सफेद बग रोग किस तत्व की कमी से होता है? -**जिंक**
- ♦ क्लोरोफिल की संरचना में कौन-सा तत्व भाग लेता है? -**गन्ना**
- ♦ पाइरिल्ला किस फसल का कीट है? -**धान**
- ♦ 'सैनिक कीट' मुख्यतः किस फसल की कीट है? -**धान**
- ♦ गुलाबी कीट किस फसल को बेकार कर देता है? -**कपास**
- ♦ मकड़ी में कितनी जोड़े टाँगे पायी जाती हैं? -**चार जोड़ी**
- ♦ स्पांजी रोग किसमें होता है? -**आम**
- ♦ वह कौन-सा रोग है जो प्रायः बड़े पक्षियों में ही फैलता है? -**टायफाइड**
- ♦ 2, 4-डी है -**एक खरपतवार नाशी**
- ♦ भिण्डी में पीत वर्ण शिरा की बीमारी फैलती है -**सफेद मक्खी से**
- ♦ निम्नलिखित में से कौन-सा एक गेहूँ के फसल का रोग है? -**रस्ट**

- ♦ पादप रोगों का सबसे अधिक अत्तरदायी कारक है -**फफूंदी**
- ♦ उत्तरीय मैदानी क्षेत्रों में वर्तमान में गेहूँ की मुख्य बीमारी है -**करनाल बन्ट**
- ♦ चाय में प्यालेनुमा पत्ती रोग का कारक है -**सल्फर की कमी**
- ♦ कौन-सी जाति आम की गुच्छा रोग से अवरोधी है -**लंगडा, मल्लिका, दशहरी**
- ♦ धान का हरापत्ती फुदका प्राथमिक वाहक है -**टूंगो रोग का**
- ♦ भिण्डी में पीत वर्ण शिरा की बीमारी फैलती है -**सफेद मक्खी से**
- ♦ रोग और पौधों का कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है? -**लेग आर्म-चावल**
- ♦ निम्नलिखित कीटनाशियों में से कौन-सा प्रतिबन्धित किया जा चुका है? -**बीएचसी**
- ♦ धान का टुंगो विषाणु प्रसारित होता है? -**हरी पत्ती के फुदके द्वारा**
- ♦ दूध का धवल रंग निम्नलिखित में से किसकी उपस्थिति के कारण है? -**कैसीन**
- ♦ वर्ष 2011 को पशुओं में होने वाले किस बीमारी के लिए चिन्हित किया गया? -**रिण्डरपेस्ट के लिए**
- ♦ पौध के संरक्षण संगरोध एवं भण्डारण निदेशालय अवस्थित है -**फरीदाबाद**
- ♦ भारतीय दलहन अनुसंधान केंद्र कहाँ स्थित है? -**कानपुर में**
- ♦ भारतवर्ष में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी? -**पतनगर में**
- ♦ केंद्रीय धान अनुसंधान संस्थान कहाँ अवस्थित है? -**कटक**
- ♦ भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है? -**राँची**
- ♦ राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान केंद्र स्थित है? -**भरतपुर में**
- ♦ केंद्रीय भेड़ एवं उन अनुसंधान संस्थान स्थापित है? -**अम्बिकानगर**
- ♦ 'प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम' शुरु हुआ? -**1979**
- ♦ 'राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान' स्थित है -**हैदराबाद**
- ♦ केंद्रीय कृषि विश्व विद्यालय किस राज्य में स्थित है? -**मणिपुर**
- ♦ 'नेशनल सुगर इंस्टीट्यूट' कहाँ स्थित है? -**कानपुर**
- ♦ किसान दिवस मानाया जाता है? -**23 दिसम्बर को**
- ♦ नेशनल एकेडेमि ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट स्थित है -**हैदराबाद में**
- ♦ कौन-सी कृषि पद्धति 21वीं सदी की कृषि हेतु आवश्यक मानी जा रही है? -**पारिस्थितिकीय कृषि**
- ♦ कृषि में विभिन्न किस्मों के उर्वरकों का उपयोग किस संतुलित अनुपात में किया जाना चाहिए? -**4:2:1**
- ♦ ड्रिप सिंचाई पद्धति का जन्म स्थान कहाँ माना जाता है -**इजराइल**
- ♦ छिड़काव सिंचाई किस स्थानों के लिए सर्वोत्तम विधि के रूप में मान्य हैं? -**रेगिस्तानी क्षेत्रों में**
- ♦ मूल्य स्थिरीकरण कोष की स्थापना का अनुमोदन किन फसलों के लिए किया गया है? -**चाय, काफी, रबर, तम्बाकू**
- ♦ नई राष्ट्रीय कृषि नीति में कृषि विकास लक्ष्य कितना प्रतिशत निर्धारित किया गया है? -**4.0**
- ♦ पंजाब के अलावा बासमती चावल के निर्यात क्षेत्र की स्थापना और किस राज्य में की गई है? -**उतरांचल**
- ♦ केंद्रीय विपणन समितियाँ का कार्यक्षेत्र होता है -**जिला स्तर पर**
- ♦ भारतीय किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अल्पकालीन ऋण कितने अवधि के लिए प्रदान किया जाता है? -**15 माह**
- ♦ 'एनएएफईसी' सम्बन्धित है -**कृषि उत्पादों के विपणन से**
- ♦ कृषि लागत एवं मूल्य आयोग की स्थापना हुई -**1965 में**
- ♦ 'नाबार्ड' एक शीर्ष वित्तीय संस्था है जो बनी है -**कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु**
- ♦ भूमि सुधार के विषय किस सूची में सम्बन्धित का एक अंश है? -**सहकारी उधार ढाँचा**
- ♦ सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत किस राज्य में पाया जाता है? -**हिमाचल प्रदेश**
- ♦ सघन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम कब शुरु किया गया? -**1960**
- ♦ सघन कृषि क्षेत्र का कार्यक्रम कब शुरु किया गया? -**1963**
- ♦ भारत में हरित क्रान्ति का जनक किसे माना जाता है? -**डा. एम. एस स्वामीनाथन**
- ♦ देश के दूध उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किसका है? -**भैंस**
- ♦ ऑपरेशन प्लड कार्यक्रम (1970) को किसने शुरु किया था? -**राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड**
- ♦ भारत अपनी दलहन खपन का लगभग कितना प्रतिशत भाग उत्पादित कर लेता है -**55%**
- ♦ धूसर क्रान्ति का सम्बन्ध किस क्षेत्र से है? -**उर्वरक उत्पादन**
- ♦ केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित हैं? -**कुफरी**
- ♦ 2011-12 के अनुसार भारत मछली उत्पादन में विश्व में कौन-सा स्थान रखता है? -**तीसरा**
- ♦ इण्डियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनोमी की स्थापना कब हुई थी? -**1958**
- ♦ भारत के समग्र मछली उत्पादन में किस क्षेत्र का योगदान सर्वाधिक है? -**अन्तर्देशीय**
- ♦ संसार का सर्वाधिक सब्जी उत्पादक राष्ट्र कौन-सा है? -**चीन**
- ♦ विश्व का सर्वाधिक तिलहन राष्ट्र कौन-सा है? -**चीन**
- ♦ भारतीय 'हरित क्रान्ति' की जन्म-स्थली है? -**पीतनगर**
- ♦ राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान अवस्थित है -**जयपुर**
- ♦ भारत में 'नाबार्ड बैंक' पुनः वित्त उपलब्ध नहीं कराता -**निर्यात आयात बैंक को**
- ♦ निम्नलिखित में से कौन-सा 'पीत क्रान्ति' से सम्बन्धित है? -**तिलहन उत्पादन**
- ♦ वर्ष 1995-96 में स्थापित ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष का हिसाब रखना है -**राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक**
- ♦ वाटर जेट टेक्नोलॉजी का उपयोग होता है -**सिंचाई में**
- ♦ भारतीय उप-महाद्वीप में कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं -**कोलडिहवा में**
- ♦ इन्डोसल्फान को कहा जाता है -**थायोडान**
- ♦ निम्न में से कौन सर्वांगी विष है? -**मेटासिटॉक्स**

- ◆ डीडिवीपी को कहा जाता है -**न्यूवान**
- ◆ वाइटावेक्स से बीज शोधन की मुख्य नियंत्रण विधि है -**अनावृत कंडुआ**
- ◆ जौ की आवृत कंडुआ बीमारी है -**बाह्य बीज जनित**
- ◆ मक्के की अंतः प्रजात वंशक्रम के अनुरक्षण के लिए अपनाई जाने वाली क्रिया है -**सहोदर (सिब) परागण**
- ◆ उत्परिवर्तन प्रजनन की विधि, पारम्परिक प्रजनन विधियों की -**पूरक है**
- ◆ संश्लिष्ट प्रजाति को तैयार करने के लिए अतः प्रजात वंशक्रमों की उचित संख्या है -**5-6**
- ◆ कोशिका में डीएनए स्थानान्तरित करने वाले वेक्टर का नाम है -**1% क्लोरीन से**
- ◆ स्प्रेयर्स को प्रयोग करने से पहले साफ करते हैं -**1% क्लोरीन जल से**
- ◆ फाइलोडी रोग की वाहक है -**जैसिड**
- ◆ कक्षस्थ कलिका को निम्न फसल के संवर्धन में प्रयोग किया जा सकता है -**धान**
- ◆ प्रकाश-संश्लेषण एवं श्वसन दोनों में आवश्यकता पड़ती है -**ग्लूकोज की**
- ◆ मटर के पौधे में 100 बीज बनने में आवश्यक अर्धसूत्री विभाजनों की संख्या होगी -**125**
- ◆ सायनोगैस पम्प है एक -**स्प्रेयर**
- ◆ आयरिश अकाल का मुख्य कारण था -**पिछेती ब्लाइट रोग**
- ◆ ट्राइकोकार्ड में होता है -**पैरासिटाइड**
- ◆ जैविक नियंत्रण का प्रोजेक्ट निदेशालय स्थित है -**बैंगलूर में**
- ◆ फल मक्खी अण्डे देती है -**फलों की मुलायम सतह पर छिद्र बनाकर**
- ◆ हॉपर एक भाग है -**हैण्ड रोटेटरी डस्टर का**
- ◆ प्रकाश संश्लेषण सर्वाधिक होता है -**लाल प्रकाश में**
- ◆ सी-3 पौधों में प्रकाश संश्लेषण का प्रथम उत्पाद है -**फास्फोग्लिसरिक एसिड**
- ◆ प्रकाश की तरफ पौधों का झुकाव कहलाता है -**फोटोटॉपिज्म**
- ◆ अंकुरण प्रतिरोधित होता है -**यू.वी. प्रकाश से**
- ◆ मुख्यतया अम्ल वर्षा में होता है -**NO₂**
- ◆ ट्राइकोडरमा विरिडी का प्रयोग चने में किया जाता है, नियंत्रण के लिए -**प्लास्टिड्स**
- ◆ जीन्स का पृथक्करण होता है -**F₂ पीढ़ी से**
- ◆ शुद्ध वंशक्रम सिद्धान्त प्रतिपादित किया -**डब्ल्यू.एल. जोहन्सन**
- ◆ भारत में प्रथम संकर किस्म का विकास किस फसल में हुआ? -**बाजरा**
- ◆ ट्रिटिकल है एक -**अन्तर-जेनेरिक संकरण**
- ◆ डिस्क हल में सामान्यतया टिल्ट कोण होता है -**45°**
- ◆ प्रोटीन संश्लेषण होता है -**राइबोसोम में**
- ◆ ताप लहर से क्या होता है? -**पौधों में प्रकाश संश्लेषण**
- ◆ कीटनाशक निम्न में से किस तंत्र को विशेष रूप से प्रभावित करते हैं? -**तंत्रिका तंत्र**
- ◆ भारतवर्ष में सर्वप्रथम 1970 में विमोचित कपास की शंकर प्रजाति थी -**एच-4**
- ◆ एथ्रीडियम ब्रोमाइड एक प्रभावी उत्परिवर्तन है -**कोशिका-द्रव्यी जीनों के लिए**
- ◆ प्याज के प्रमाणित बीज उत्पादन के लिए पृथक्कीकरण दूरी है -**500 मीटर**
- ◆ भारत में शहद का कुल उत्पादन है -**9.7 हजार टन**
- ◆ केंचुए की आहार नलिका के जिस भाग की ग्रन्थिल कोशिकाएँ सम्भवतः अवशोषणीय होती हैं, उसको कहते हैं -**टिफ्सोल**
- ◆ मधुमक्खी के लाभ है -**शहद, मोम एवं फूलों का परागण**
- ◆ प्रकाश संश्लेषण की अप्रकाशित क्रिया होती है -**स्ट्रोमा में**
- ◆ फेरोमोन ट्रैप्स आकर्षित करता है -**नर शलभ को**
- ◆ पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस (कांग्रेस घास) खरपतवार का -**जाइगाग्रामा बायोकोलोरेटा द्वारा**
- ◆ ट्राइकोडर्मा का प्रयोग अधिक लाभप्रद है -**दलहनों के लिए**
- ◆ सैनिक कीट किस फसल को अधिक हानि पहुँचाता है? -**धान**
- ◆ पिछले पैर में पराग की थैली पाई जाती है -**मधुमक्खी में**
- ◆ किट्ट रोग होता है -**फफूंद**
- ◆ गुलाबी कन्दुक कीट प्रमुख शत्रु है -**कपास का**
- ◆ इरियोसोमा लैनिजरा पेस्ट है -**सेब का**
- ◆ भारत में सर्वाधिक प्रचलित खेती की प्रणाली है -**किसान खेती**
- ◆ गोल्ड क्रेडिट कार्ड योजना का प्रारम्भ किया गया -**भारतीय स्टेट बैंक द्वारा**
- ◆ डीडटी है -**स्पर्शी विष**
- ◆ रोगार जाना जाता है -**डाइमिथोएट के रूप में**
- ◆ मक्के की अंतः प्रजात वंशक्रम के अनुरक्षण के लिए निम्न क्रिया का प्रयोग करते हैं -**सहोदर (सिब) परागण**
- ◆ वरण निम्न प्रकार की विभिन्नता होने पर प्रभावकारी है -**वातावरण**
- ◆ डैपोग विधि किस फसल में अपनाई जाती है जिसका विकास सर्वप्रथम कृषि फसल हेतु फिलीपीन्स से किया गया, जो आज विश्वभर में अपनाई जा रही है? - **धान की फसल में बीज/पौध रोपाई हेतु**
- ◆ डैपोग विधि क्या है? - **धान रोपाई हेतु बिना मृदा के पौधे तैयार करना, पॉलिथीन की चद्दर या पत्तियों/पुआल में 10-12 घंटे पानी में भिगोकर रखना और 10-15 दिन में पौध रोपण करना।**
- ◆ ड्रिप या टपक बूंद सिंचाई विधि का जन्म स्थान/उत्पत्ति स्थान माना जाता है? - **इजरायल देश।**
- ◆ कौन सी कृषि पद्धति 21वीं सदी की कृषि/खेती हेतु आवश्यक मानी जा रही है? - **पारिस्थितिकीय कृषि।**
- ◆ धान्य फसलों चावल, गेहूँ, जौ, मक्का, बाजरा, ज्वार आदि में संतुलित उर्वरक तत्वों का आदर्श अनुपात अपनाना चाहिए - **4:2:1 अनुपात।**

- ♦ दलहनी फसलों चना, मटर, अरहर, मूंग, उर्द आदि हेतु उर्वरक तत्वों का आदर्श अनुपात है - 1 : 2 : 1 अनुपात।
- ♦ अम्ल वर्षा में ऐसा कौन सा पदार्थ/तत्व पाया जाता है, जिससे पेड़ पौधे नष्ट होते हैं? - सल्फ्यूरिक अम्ल।
- ♦ उत्तर प्रदेश में मैथा (पिपरमेंट) की खेती किन जिलों में बड़े पैमाने पर की जाती है? - मुरादाबाद, सम्भल, रामपुर, बाराबंकी एवं सीतापुरी में
- ♦ मैथा से कौन-कौन से उत्पाद बनाए जाते हैं? - टूथ पेस्ट, शेम्पू, पान मसाला, चूड़ंग गम, विक्स वेपोरब, टॉफियाँ, ठंडा तेल आदि उनके उत्पाद (फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स)
- ♦ मैथा किस प्रकार का खुशबूदार पौधा है? - छोटा, फैलने वाला हर्ब, लगभग 50 सेमी ऊँचाई
- ♦ 'जापानी मिन्ट' की क्या विशेषताएँ हैं? - चीन से उत्पत्ति, सदाबहार झाड़ीनुमा हर्ब (मुख्यतया पत्तियाँ) मेंथोल में सुगंधित तेल की प्रचुरता, विभिन्न फार्मास्युटिकल्स एवं खाद्य उत्पादों में प्रयोग, 2,500 हैक्टर में उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में खेती आदि
- ♦ 'जापानी मिन्ट' में तेल का रंग होता है? - सुनहरी-पीला रंग-तरल, 75% से अधिक मेंथोल, 80-100 किग्रा प्रति हैक्टर उपज प्रति कटाई
- ♦ 'राष्ट्रीय कृषि विकास योजना' देश के कृषि एवं कृषि सम्बन्धी क्षेत्रों के विकास एवं प्रोत्साहन हेतु, कब शुरू की गई थी? - वर्ष 2007-08 में
- ♦ 'केसर पर राष्ट्रीय मिशन आरकेबीवाई' के तहत एक उप-योजना के रूप में कब शुरू किया गया? - वर्ष 2010-11 में
- ♦ 'राष्ट्रीय बागवानी वर्ष' किस वर्ष हेतु घोषित किया गया था? - 'राष्ट्रीय बागवानी वर्ष 2012 में'
- ♦ उत्तर प्रदेश का 'पहला इंटीग्रेटेड एग्री हब' कहाँ बनने जा रहा है? - सिकन्दराबाद (बुलन्दशहर), उत्तर प्रदेश में
- ♦ केंद्रीय बजट वर्ष 2014-15 में कृषि एवं सम्बन्धित क्षेत्र हेतु भारत सरकार द्वारा बजट रखा गया, जबकि वर्ष 2013-14 में यह ₹ 17,557 करोड़ का बजट था - ₹ 11,531 करोड़
- ♦ कौन-सा यौगिक तत्व भूमि को सफेद बना देता है? - कैल्साइट (CaCO_3 - घुलनशील)
- ♦ एनईआर के दक्षिणी असम की 'बराक घाटी' में मुख्य रूप से कौन-सी फसल पैदा की जाती है? - चाय
- ♦ ग्रामीण क्षेत्र में 'आरकेबीवाई' बीमा योजना का पूरा नाम है - राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना
- ♦ भारत का अनुमानित शुद्ध फसल क्षेत्र मिलियन हैक्टेयर है? - 159.6 मिलि, हैक्टेयर
- ♦ 'आरकेबीआई- बीमा योजना-पूर्व में किस नाम से जानी जाती थी? - 'एनएआईएस'
- ♦ भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल है - 32,87,263 वर्ग किमी
- ♦ कौन-सी उच्च पाचन प्रोटीन फसलें हैं? जिनमें प्रायः 21-24% प्रोटीन पाई जाती है - दलहनी (चना, मटर, मसूर, अरहर, मूंग, उर्द, लोबिया आदि)
- ♦ 'श्वेत क्रान्ति' दुग्ध क्षेत्र में उच्च दुग्ध उत्पादन के जनक/पितामह कौन थे? - वर्गीज कुरियन जन्म 26 नवम्बर, 1921, कोजीकोड, केरल, मृत्यु- 9 सितम्बर, 2012, 90 वर्षीय
- ♦ 'धान-गेहूँ' फसल चक्र की शस्य गहनता होती है - 200%
- ♦ फूलगोभी में 'ब्राउनिंग' रोग (ब्राउन रॉट/रैड रॉट) किस तत्व की कमी से होता है, जिससे स्वाद में कड़ुवापन हो जाता है? - बोरा
- ♦ बेंगन में 'लिटिल लीफ' रोग किसके कारण उत्पन्न हो जाता है, फलतः पत्तियाँ छोटी, पीली, फल ने आना आदि लक्षण पैदा हो जाते हैं? - माइकोप्लाज्मा
- ♦ धान में खैरा रोग का कारण होता है - जस्ता तत्व की कमी से
- ♦ फूलगोभी में 'व्हिपटेल' रोग का क्या कारण है, जिससे पत्तियाँ पतली व पट्टीदार हो जाती हैं? - मॉलिब्डेनम तत्व की कमी से
- ♦ सोडियम तत्व किन फसलों में पोटाश तत्व की कमी को उपलब्ध कराने में मदद करता है, जो आवश्यक पादप पोषक तत्वों की श्रेणी में नहीं आता है - पातगोभी, मूली, गाँठभोगी, चुकन्दर आदि में
- ♦ 'फेलरिस माइनर' खरपतवावर से अधिक ग्रसित फसल है, जो वर्ष 1996-97 में आई कृषि में हरित क्रांति हेतु अमरीकन गेहूँ-मैक्सीकन प्रजाति के बीज में आ गया था - गेहूँ
- ♦ अर्गट रोग किन फसल में लगता है? - बाजरा में
- ♦ आलू का वानस्पतिक नाम एवं कुल क्या है? - सोलेनेम ट्यूबरोसम, सोलेनेसी क्रमशः
- ♦ एक एकड़ भूमि का क्षेत्रफल कितने वर्ग गज होता है? - 4840 वर्ग राज
- ♦ एक हैक्टेयर भूमि का क्षेत्रफल कितने वर्ग मीटर होता है? - 10,000 वर्ग मीटर (अर्थात् 100x100 मीटर अथवा 2.47104 एकड़)

□□□

download more : http://t.me/Edu_Books

खनिज परिदृश्य : भारत

बॉक्साइट उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	ओडिशा
द्वितीय	गुजरात
तृतीय	झारखंड
चतुर्थ	छत्तीसगढ़
पंचम	महाराष्ट्र
बॉक्साइट भंडारक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	ओडिशा
द्वितीय	आंध्रप्रदेश
तृतीय	गुजरात
चतुर्थ	झारखंड
पंचम	महाराष्ट्र
बाइराइट्स उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	आंध्रप्रदेश
द्वितीय	तेलंगाना
तृतीय	राजस्थान
क्रोमाइट उत्पादक (शीर्ष 2 राज्य)	
प्रथम	ओडिशा
द्वितीय	कर्नाटक
कोयला उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	छत्तीसगढ़
द्वितीय	ओडिशा
तृतीय	झारखंड
चतुर्थ	मध्य प्रदेश
पंचम	तेलंगाना
कोयला भंडारक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	झारखंड
द्वितीय	ओडिशा
तृतीय	छत्तीसगढ़
चतुर्थ	पश्चिम बंगाल
पंचम	मध्य प्रदेश

लिग्नाइट उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	तमिलनाडु
द्वितीय	गुजरात
तृतीय	राजस्थान
लिग्नाइट भंडारक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	तमिलनाडु
द्वितीय	राजस्थान
तृतीय	गुजरात
चतुर्थ	पुदुचेरी
पंचम	जम्मू-कश्मीर
तांबा उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	मध्य प्रदेश
द्वितीय	राजस्थान
तृतीय	झारखंड
तांबा भंडारक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	राजस्थान
द्वितीय	झारखंड
तृतीय	मध्य प्रदेश
हीरा भंडारक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	मध्य प्रदेश
द्वितीय	आंध्रप्रदेश
तृतीय	छत्तीसगढ़
सोना भंडारक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	राजस्थान
तृतीय	आंध्रप्रदेश
चतुर्थ	बिहार
पंचम	झारखंड

सोना उत्पादक (शीर्ष 2 राज्य 2016-17)	
प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	झारखंड
लौह अयस्क भंडारक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	ओडिशा
तृतीय	झारखंड
चतुर्थ	छत्तीसगढ़
पंचम	आंध्रप्रदेश
लौह अयस्क उत्पादक (शीर्ष 4 राज्य)	
प्रथम	ओडिशा
द्वितीय	छत्तीसगढ़
तृतीय	कर्नाटक
चतुर्थ	झारखंड
अभ्रक उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	आंध्रप्रदेश
द्वितीय	राजस्थान
तृतीय	झारखंड
कच्चा तेल उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	अपतटीय क्षेत्र
द्वितीय	राजस्थान
तृतीय	गुजरात
चतुर्थ	असम
पंचम	तमिलनाडु

खनिज परिदृश्य : विश्व

बॉक्साइट उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	ऑस्ट्रेलिया
द्वितीय	चीन
तृतीय	ब्राजील
चतुर्थ	भारत
पंचम	मलेशिया
बॉक्साइट भंडारक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	गिनि
द्वितीय	ऑस्ट्रेलिया
तृतीय	वियतनाम
चतुर्थ	ब्राजील
पंचम	जमैका
एल्युमिनियम उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	रूस
तृतीय	कनाडा
चतुर्थ	यूएई
पंचम	भारत
बाइराइट्स उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	भारत
तृतीय	मोरक्को
चतुर्थ	सं.रा. अमेरिका
पंचम	तुर्की
कैडमियम उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	कोरिया गणराज्य
तृतीय	जापान
चतुर्थ	कजाखस्तान
पंचम	मैक्सिको
क्रोमाइट उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	द. अफ्रीका
द्वितीय	तुर्की
तृतीय	कजाखस्तान
चतुर्थ	भारत
पंचम	फिनलैंड

सीमेंट उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	भारत
तृतीय	अमेरिका
चतुर्थ	वियतनाम
पंचम	तुर्की
कोयला उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	अमेरिका
तृतीय	भारत
चतुर्थ	ऑस्ट्रेलिया
पंचम	इंडोनेशिया
कोयला भंडारक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	अमेरिका
द्वितीय	चीन
तृतीय	रूस
चतुर्थ	ऑस्ट्रेलिया
पंचम	भारत
तांबा उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चिली
द्वितीय	चीन
तृतीय	पेरू
चतुर्थ	अमेरिका
पंचम	डी.आर. कांगो
हीरा उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	रूस
द्वितीय	बोत्सवाना
तृतीय	डी.आर. कांगो
चतुर्थ	ऑस्ट्रेलिया
पंचम	कनाडा
हीरा भंडारक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	रूस
द्वितीय	कांगो
तृतीय	ऑस्ट्रेलिया
चतुर्थ	बोत्सवाना
पंचम	दक्षिण अफ्रीका

सोना उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	ऑस्ट्रेलिया
तृतीय	रूस
चतुर्थ	अमेरिका
पंचम	कनाडा
सोना भंडारक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	ऑस्ट्रेलिया
द्वितीय	दक्षिण अफ्रीका
तृतीय	रूस
चतुर्थ	अमेरिका
पंचम	इंडोनेशिया
लौह अयस्क उत्पादक (शीर्ष 5 देश 2017-18)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	भारत
तृतीय	जापान
चतुर्थ	ऑस्ट्रेलिया
पंचम	ब्राजील
लौह अयस्क भंडारक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	ऑस्ट्रेलिया
द्वितीय	रूस
तृतीय	ब्राजील
चतुर्थ	चीन
पंचम	भारत
अभ्रक शीट भंडारक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	भारत
द्वितीय	रूस
तृतीय	अमेरिका
अभ्रक (प्राकृतिक) उत्पादक (शीर्ष 5 देश)	
प्रथम	ब्राजील
द्वितीय	चीन
तृतीय	तुर्की
चतुर्थ	अमेरिका
पंचम	कनाडा

बागवानी परिदृश्य : भारत

कुल फल उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	उत्तर प्रदेश
द्वितीय	आंध्रप्रदेश
तृतीय	महाराष्ट्र
चतुर्थ	गुजरात
पंचम	कर्नाटक
कुल सब्जी उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	उत्तर प्रदेश
द्वितीय	पश्चिम बंगाल
तृतीय	मध्य प्रदेश
चतुर्थ	बिहार
पंचम	गुजरात
आलू उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	उत्तर प्रदेश
द्वितीय	पश्चिम बंगाल
तृतीय	बिहार
चतुर्थ	गुजरात
पंचम	मध्य प्रदेश

आम उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	उत्तर प्रदेश
द्वितीय	आंध्रप्रदेश
तृतीय	तेलंगाना
चतुर्थ	कर्नाटक
पंचम	बिहार
लीची उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य)	
प्रथम	बिहार
द्वितीय	पश्चिम बंगाल
तृतीय	असम
चतुर्थ	छत्तीसगढ़
पंचम	झारखंड
सेब उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	जम्मू कश्मीर
द्वितीय	हिमाचल प्रदेश
तृतीय	उत्तराखंड

केला उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	तमिलनाडु
द्वितीय	गुजरात
तृतीय	आंध्रप्रदेश
अमरूद उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	मध्य प्रदेश
द्वितीय	उत्तर प्रदेश
तृतीय	बिहार
पपीता उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	गुजरात
द्वितीय	आंध्रप्रदेश
तृतीय	कर्नाटक
नारियल उत्पादक (शीर्ष 3 राज्य)	
प्रथम	केरल
द्वितीय	तमिलनाडु
तृतीय	कर्नाटक

नोट: उपर्युक्त सभी आंकड़े वर्ष 2015-16 के अंतिम आंकड़ें हैं।

बागवानी परिदृश्य : विश्व

कुल फल उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	भारत
तृतीय	ब्राजील
सेब उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	सं.रा.अमेरिका
तृतीय	पोलैंड
केला उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	भारत
द्वितीय	चीन
तृतीय	फिलीपींस

अंगूर उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	अमेरिका
तृतीय	इटली
अमरूद एवं आम उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	भारत
द्वितीय	चीन
तृतीय	थाईलैंड
संतरा उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	ब्राजील
द्वितीय	चीन
तृतीय	भारत

पपीता उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	भारत
द्वितीय	ब्राजील
तृतीय	नाइजीरिया
आलू उत्पादक (शीर्ष 3 देश)	
प्रथम	चीन
द्वितीय	भारत
तृतीय	रूस

पशुपालन एवं मत्स्यन परिदृश्य : भारत

मवेशियों की संख्या (शीर्ष 5 राज्य, 2012)	दुग्ध उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)	ईरी रेशम उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)
प्रथम मध्य प्रदेश द्वितीय उत्तर प्रदेश तृतीय पश्चिम बंगाल चतुर्थ महाराष्ट्र पंचम राजस्थान	प्रथम उत्तर प्रदेश द्वितीय राजस्थान तृतीय मध्य प्रदेश चतुर्थ गुजरात पंचम आंध्रप्रदेश	प्रथम असम द्वितीय मेघालय तृतीय नागालैंड चतुर्थ मणिपुर पंचम अरुणाचल प्रदेश
भैंसों की संख्या (शीर्ष 5 राज्य, 2012)	मत्स्य उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2015-16)	मूंगा रेशम उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)
प्रथम उत्तर प्रदेश द्वितीय राजस्थान तृतीय आंध्रप्रदेश चतुर्थ गुजरात पंचम मध्य प्रदेश	प्रथम आंध्रप्रदेश द्वितीय पश्चिम बंगाल तृतीय गुजरात चतुर्थ केरल पंचम तमिलनाडु	प्रथम असम द्वितीय मेघालय तृतीय अरुणाचल प्रदेश चतुर्थ मणिपुर पंचम नागालैंड
कुल पशुधन की संख्या (शीर्ष 5 राज्य, 2012)	मांस उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)	कुल रेशम उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)
प्रथम उत्तर प्रदेश द्वितीय राजस्थान तृतीय आंध्रप्रदेश चतुर्थ मध्य प्रदेश पंचम बिहार	प्रथम उत्तर प्रदेश द्वितीय महाराष्ट्र तृतीय पश्चिम बंगाल चतुर्थ आंध्र प्रदेश पंचम तेलंगाना	प्रथम कर्नाटक द्वितीय आंध्रप्रदेश तृतीय असम चतुर्थ झारखंड पंचम पश्चिम बंगाल
अंडा उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)	शहतूत रेशम उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)	
प्रथम तमिलनाडु द्वितीय आंध्रप्रदेश तृतीय तेलंगाना चतुर्थ पश्चिम बंगाल पंचम महाराष्ट्र	प्रथम कर्नाटक द्वितीय आंध्रप्रदेश तृतीय पश्चिम बंगाल चतुर्थ तमिलनाडु पंचम महाराष्ट्र	
ऊन उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)	तसर रेशम उत्पादक (शीर्ष 5 राज्य, 2016-17)	
प्रथम राजस्थान द्वितीय जम्मू-कश्मीर तृतीय कर्नाटक चतुर्थ तेलंगाना पंचम गुजरात	प्रथम झारखंड द्वितीय छत्तीसगढ़ तृतीय ओडिशा चतुर्थ बिहार पंचम पश्चिम बंगाल	

विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. 'बुलक कैपिटलिस्ट' (बैल-पूँजीपति) किसे कहा जाता है?
 (a) गरीब किसानों को।
 (b) धनाढ्य किसानों को।
 (c) उन किसानों को जिनके पास कुछ साधन तो हैं, पर धनाढ्य नहीं हैं।
 (d) उन किसानों को जो बड़े जमींदार हैं।
2. भारत सरकार द्वारा आरम्भ की गई निम्नलिखित योजनाओं को समयानुक्रम व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए :
 I. सुकन्या समृद्धि योजना
 II. अटल पेंशन योजना
 III. मेक इन इण्डिया
 IV. प्रधानमंत्री जन-धन योजना
 कूट :
 (a) IV, III, II तथा I
 (b) I, II, III तथा IV
 (c) III, II, I तथा IV
 (d) IV, I, II तथा III
3. सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 के अन्तर्गत प्रारम्भ की गई राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना आच्छादित करती है :
 (a) केवल संगठित क्षेत्र के श्रमिकों को
 (b) केवल ग्रामीण श्रमिकों को
 (c) केवल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को
 (d) सभी श्रेणी के श्रमिकों को
4. निम्नलिखित में से किस वर्ष में संयुक्त राष्ट्र संघ ने 'परम गरीबी' की परिभाषा अंगीकृत की थी?
 (a) 1994 (b) 1995
 (c) 1996 (d) 1997
5. निम्नलिखित में से कौन एक वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा 'ग्लोबल जेन्डर गैप इंडेक्स' (वैश्विक लिंग सूचकांक) के आकलन हेतु प्राचल के रूप में प्रयुक्त नहीं होता है?
 (a) स्वास्थ्य (b) शिक्षा
 (c) आर्थिक स्थिति (d) आराम
6. निम्न योजनाओं पर विचार कीजिए तथा उन्हें आरम्भ होने के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए :
 1. प्रधानमंत्री जन-धन योजना
 2. डिजिटल जेन्डर एटलस फॉर एडवान्सिंग गर्ल्स
 3. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
7. निम्नलिखित में से किस वर्ष में 'राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम' प्रारम्भ किया गया था?
 (a) 2008 ई. (b) 2009 ई.
 (c) 2010 ई. (d) 2011 ई.
8. भारत में वर्ष 2009-10 में प्रारम्भ की गई 'इन्क्लूसिव एजुकेशन फॉर द डिसएबल्ड एट सेकेण्डरी स्टेज' योजना किसके अंतर्गत प्रदान की जाती है।
 (a) साक्षर भारत
 (b) सर्व शिक्षा अभियान
 (c) राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान
 (d) कौशल भारत योजना
9. निम्नलिखित में से कौन सा एक वित्तीय समावेशन का उद्देश्य नहीं है?
 (a) गरीब आबादी के लिये वित्तीय सेवाओं का विस्तार करना।
 (b) कमजोर वर्ग की संभावित संवृद्धि के द्वारा खोलना।
 (c) बैंकिंग अधोःसंरचना को सिकोड़ना।
 (d) ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का प्रसार।
10. जनसंख्या के निम्नलिखित में से किस अंग को समावेशी विकास के कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं किया जाता है?
 (a) सीमान्त कृषक
 (b) भूमिहीन कृषि श्रमिक
 (c) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति
 (d) अर्द्धशहरी क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्ति
11. 2014-15 में भारत देश के निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी का परास है:
 (a) 4 से 5 प्रतिशत
 (b) 5 से 6 प्रतिशत
 (c) 6 से 7 प्रतिशत
 (d) 7 से 8 प्रतिशत

12. घाटे की वित्तीय व्यवस्था का अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ता है?
- करों में कमी
 - मजदूरी में बढ़ोतरी
 - मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोतरी
 - मुद्रा आपूर्ति में कमी
13. निम्नलिखित में से कौन सा आयु समूह 'सर्व शिक्षा अभियान' में भर्ती होने के लिये पात्र है?
- 4-12 वर्ष
 - 6-14 वर्ष
 - 5-15 वर्ष
 - 5-16 वर्ष
14. निम्नलिखित में से किस वर्ष में 'स्वावलम्बन योजना' प्रारम्भ की गई थी?
- 2010 ई.
 - 2011 ई.
 - 2012 ई.
 - 2014 ई.
15. 2005-06 में प्रारम्भ की गई 'भारत निर्माण' योजना का अंग निम्नलिखित में से कौन नहीं है?
- ग्रामीण आवास
 - ग्रामीण स्वच्छता
 - पेयजल
 - ग्रामीण सड़क
16. निम्नलिखित घटनाओं पर ध्यान दें तथा इन्हें कालानुक्रम में व्यवस्थित करें:
- गरीबी हटाओ
 - बैंकों का राष्ट्रीयकरण
 - हरित क्रांति का प्रारंभ
- नीचे दिये गए कूट से सही उत्तर चुनिये:
- कूट:**
- 1, 2 और 3
 - 3, 2 और 1
 - 2, 1 और 3
 - 3, 1 और 2
17. 'ई-बिज' सम्बंधित है:
- इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य से।
 - वित्तीय लेन-देन हेतु एकल द्वारा (प्लेटफॉर्म) से।
 - विपणन संबंधी मूछ-ताछ हेतु एकल द्वारा (प्लेटफॉर्म) से।
 - सरकारी सेवाओं की पहुंच हेतु एकल द्वारा (प्लेटफॉर्म) से।
18. भारतीय आयकर अधिनियम की धारा-88 में उपलब्ध आयकर छूट को समाप्त करने की सिफारिश निम्नलिखित समिति ने की है:
- चेलैया समिति
 - केलकर समिति
 - शोम समिति
 - ...
19. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम.) का उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन नहीं है?
- उच्च उत्पादक किस्म के बीजों का वितरण।
 - सुधारीकृत उत्पादन तकनीक का निदर्शन।
 - साख सुविधाओं को सुदृढ़ करना।
 - फसलों की नई विकसित किस्मों का प्रचार-प्रसार करना।
20. निम्न में से कौन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण संबंधी संस्तुति करता है?
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
 - नाबार्ड
 - कृषि लागत एवं कीमत आयोग
 - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
21. बी.एस.ई. ग्रीनेक्स में कितनी कंपनियां सम्मिलित हैं?
- 25
 - 40
 - 50
 - 100
22. काण्डला निम्न में से किसके लिये प्रसिद्ध है?
- जल पोत-भंजन उद्योग के लिये
 - हीरा काटने और पॉलिश करने के लिये
 - निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र के लिये
 - परम्परागत कला एवं शिल्प केन्द्र के लिये
23. निम्न वक्तव्यों पर विचार कीजिये और नीचे दिये कूट से सही उत्तर चुनिये:
- कथन (A):** आर्थिक विकास के लिये एक बहुआयामी उपागम की आवश्यकता होती है।
- कारण (R):** वर्तमान भारत सरकार मुख्यतः सूक्ष्म आर्थिक विषयों पर ध्यान केन्द्रित कर रही है।
- कूट:**
- A और R दोनों सही हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।
 - A और R दोनों सही हैं किन्तु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
 - A सही है, किन्तु R गलत है।
 - A गलत है, किन्तु R सही है।
24. 1944 में गांधीवादी योजना को प्रतिपादित किया था।
- एन.आर.सरकार ने
 - कस्तूरी भाई लाल भाई ने
 - जयप्रकार नारायण ने
 - श्रीमन नारायण अग्रवाल ने
25. निम्न को सुमेलित करें:
- सूची-I** **सूची-II**
- A. डब्ल्यू.टी.ओ. 1. भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक करने के लिये

- B. आई.एम.एफ. 2. सामान्यतः व्यापार में मात्रात्मक प्रतिबंधों के उपयोग को निषिद्ध करना।
- C. सार्क 3. नम्य ऋणों की स्वीकृति
- D. आई.डी.ए. 4. दक्षिण एशियाई देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना।
- कूट:
- | | A | B | C | D |
|-----|---|---|---|---|
| (a) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (b) | 2 | 3 | 4 | 1 |
| (c) | 2 | 1 | 4 | 3 |
| (d) | 3 | 2 | 4 | 1 |
26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चयन कीजिए-
- सूची-I**
- A. खाद्य उत्पादन की वृद्धि
- B. दुग्ध उत्पादन
- C. मत्स्यपालन
- D. उर्वरक
- सूची-II**
1. हरित क्रांति
2. नील क्रांति
3. श्वेत क्रांति
4. भूरी क्रांति
- कूट-
- | | A | B | C | D |
|-----|---|---|---|---|
| (a) | 1 | 3 | 2 | 4 |
| (b) | 3 | 1 | 4 | 2 |
| (c) | 2 | 4 | 3 | 1 |
| (d) | 3 | 2 | 4 | 1 |
27. ट्राइसेम एक कार्यक्रम है
- (a) ग्रामीण विकास का
- (b) औद्योगिक विकास का
- (c) शहरी विकास का
- (d) सुरक्षात्मक तैयारियों का
28. ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष का सृजन किसके अधीन किया गया है?
- (a) भारतीय रिजर्व बैंक
- (b) नाबार्ड
- (c) कृषि मंत्रालय
- (d) ग्रामीण विकास मंत्रालय
29. 'निर्धनता का दुश्चक्र' की अवधारणा संबंधित है-
- (a) कार्ल मार्क्स से
- (b) नर्कसे से
- (c) एडम स्मिथ से
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
30. भारत सही अर्थों में तभी स्वतंत्र होगा, जब यहां का सबसे निर्धन व्यक्ति भी मानवीय व्यथा से मुक्त होगा। उपर्युक्त विचार किस राजनेता/समाजसेवक का है?
- (a) मदर टेरेसा
- (b) महात्मा गांधी
- (c) अब्दुल कलाम आजाद
- (d) जवाहर लाल नेहरू
31. भारत की जनगणना (2011) के अनुसार निम्नलिखित राज्यों में से किसमें शिशु जनसंख्या का प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम है?
- (a) जम्मू एवं कश्मीर में
- (b) केरल में
- (c) पंजाब में
- (d) हरियाणा में
32. 'इको मार्क' योजना 1991 में उपभोक्ताओं को ऐसे उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आरंभ की गई जिनका पर्यावरणीय प्रभाव कम हानिकार हो। निम्नलिखित उपभोक्ता उत्पादों में से कौन-सा इस योजना के अन्तर्गत अधिसूचित नहीं है?
- (a) साबुन एवं अपमार्जक
- (b) कागज एवं प्लास्टिक
- (c) सौंदर्य प्रसाधन एवं ऐरोसॉल
- (d) औषधियाँ एवं प्रतिजैविकी
33. निम्नलिखित में से कौन-सा कर भारत सरकार द्वारा नहीं लगाया जाता है?
- (a) सेवा कर
- (b) शिक्षा कर
- (c) सीमा कर
- (d) मार्ग कर (टोल टैक्स)
34. गांधीवादी अर्थव्यवस्था किस पर आधारित है?
- (a) प्रतिस्पर्धा पर
- (b) न्यास पर
- (c) राज्य नियंत्रण पर
- (d) इनमें से किसी पर नहीं
35. निम्नलिखित में से कौन एक त्वरित अवस्थापना विकास कोष के अन्तर्गत सम्मिलित नहीं है?
- (a) ग्रामीण जलापूर्ति
- (b) ग्रामीण सड़कें
- (c) ग्रामीण विद्युतीकरण
- (d) ग्रामीण उद्योग
36. किसी देश की आर्थिक वृद्धि की सर्वाधिक उपयुक्त माप है।
- (a) सकल घरेलू उत्पाद
- (b) शुद्ध घरेलू उत्पाद
- (c) शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद
- (d) प्रति व्यक्ति उत्पाद
37. जनसंख्या के पिरैमिड में कौन-सा समूह आश्रित आबादी के रूप में जाना जाता है?
- (a) 15-60 वर्ष आयु समूह
- (b) 6 वर्ष के ऊपर आयु समूह
- (c) 50 वर्ष के ऊपर आयु समूह
- (d) 0-14 वर्ष के ऊपर आयु समूह

38. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया का प्रवर्तक है
 (a) भारतीय स्टेट बैंक
 (b) एलआईसी और जीआईसी
 (c) आईडीबीआई
 (d) उपर्युक्त सभी
39. भारत से निम्नलिखित में से कौन एक उत्पाद सामान्यतः निर्यात नहीं किया जाता है?
 (a) गेहूँ (b) चावल
 (c) चीनी (d) दालें
40. निम्नलिखित में से किस वर्ष में असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम पारित हुआ?
 (a) 2004 में (b) 2006 में
 (c) 2008 में (d) 2010 में
41. तेन्दुलकर समिति ने भारत में गरीबी रेखा के नीचे की जनसंख्या का प्रतिशत कितना आकलित किया है?
 (a) 27.2 (b) 37.2
 (c) 22.2 (d) 32.7
42. निम्नलिखित में से किस एक को छोड़कर बाकी सभी देश की प्राकृतिक पूँजी में सम्मिलित किए जाते हैं?
 (a) वन (b) जल
 (c) सड़कें (d) खनिज
43. भारत में शुरू की गई 'स्वाभिमान योजना' किससे संबंधित है?
 (a) ग्रामीण महिला अधिकारों से
 (b) ग्रामीण वृद्धजनों की देखभाल से
 (c) ग्रामीण बैंकिंग से
 (d) ग्रामीण खाद्य सुरक्षा से
44. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से भारत में सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GDP) का सबसे बड़ा भाग प्राप्त होता है?
 (a) कृषि तथा संबंधित क्षेत्रों से
 (b) विनिर्माण, निर्माण, बिजली तथा गैस से
 (c) सेवा क्षेत्र से
 (d) रक्षा तथा लोक प्रशासन से
45. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में मुद्रास्फीति के प्राक्कलन का सबसे प्रचलित माप है?
 (a) मूल्य सूचकांक
 (b) थोक मूल्य सूचकांक
 (c) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
 (d) औद्योगिक वस्तुओं का मूल्य सूचकांक
46. धारणीय विकास किसके उपयोग के संदर्भ में अंतर-पीढ़ीगत संवेदनशील का विषय है?
 (a) प्राकृतिक संसाधन
 (b) भौतिक संसाधन
 (c) औद्योगिक संसाधन
 (d) सामाजिक संसाधन
47. 'इको मार्क' उन भारतीय उत्पादों को दिया जाता है जो-
 (a) शुद्ध एवं मिलावट रहित हो
 (b) प्रोटीन-समृद्ध हो
 (c) पर्यावरण के प्रति मैत्रीपूर्ण हो
 (d) आर्थिक दृष्टि से व्यवहार्य हो
48. भारत में विदेशी विनिमय संचय का रख-रखाव किसके द्वारा किया जाता है?
 (a) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा
 (b) भारतीय स्टेट बैंक द्वारा
 (c) वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
 (d) भारतीय आयात-निर्यात बैंक द्वारा
49. भारत में धारणीय विकास के दृष्टिकोण से विद्युत उत्पाद का सबसे अच्छा स्रोत कौन-सा है?
 (a) कोयला
 (b) खनिज तेल एवं गैस
 (c) जल विद्युत
 (d) परमाणु ऊर्जा
50. राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा स्वीकृत बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) हेतु प्रस्तावित परिकल्पना पत्र में विकास का निर्दिष्ट लक्ष्य क्या है?
 (a) 7% (b) 8%
 (c) 9% (d) 10%

ANSWER

1	C	2	D	3	C	4	B	5	D	6	A	7	A	8	C	9	C	10	D
11	C	12	C	13	B	14	A	15	B	16	B	17	D	18	B	19	A	20	C
21	A	22	C	23	A	24	D	25	C	26	A	27	A	28	B	29	B	30	B
31	B	32	B	33	D	34	B	35	B	36	D	37	D	38	D	39	D	40	C
41	B	42	C	43	C	44	C	45	C	46	A	47	C	48	A	49	C	50	C

अभ्यास प्रश्नावली (प्रारंभिक परीक्षा)

1. 'ट्राइफेड' (TRIFED) संबंधित है-
 - (a) जनजातीय लोगों को स्थानीय व्यापारियों के शोषण से बचाने के लिए सरकार की एक संस्था।
 - (b) जनजातीय क्षेत्रों में 'खाद्य वितरण' के लिए सरकार की एक योजना।
 - (c) उत्तर-पूर्वी राज्यों के युवाओं के कौशल विकास के लिए सरकार की एक योजना।
 - (d) आपसी व्यापार के लिये तीन उत्तर-पूर्वी राज्यों का एक संघ।
2. मुद्रा पूर्ति की माप के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
 1. M_3 को व्यापक मुद्रा कहा जाता है इसमें पोस्ट ऑफिस की जमा भी सम्मिलित होती है।
 2. M_1 सबसे तरल तथा M_4 सबसे कम तरल मुद्रा की अभिव्यक्ति करता है।
 3. M_1 को संकीर्ण मुद्रा कहा जाता है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
 - (a) केवल 1
 - (b) 1 और 2
 - (c) 2 और 3
 - (d) 1, 2 और 3
3. निम्नलिखित में से किन कारणों से मुद्रास्फीति में वृद्धि होती है?
 1. सार्वजनिक व्यय में वृद्धि
 2. करों में वृद्धि
 3. उत्पादन में कमी
 4. घाटे की वित्त व्यवस्था
 निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
 - (a) 1 और 2
 - (b) 3 और 4
 - (c) 1, 3 और 4
 - (d) 1, 2, 3 और 4
4. निम्नलिखित में से भारतीय रिजर्व बैंक के कार्य हैं?
 1. नोटों का निर्गमन
 2. सरकारी बैंकर
 3. बैंकों का बैंक
 4. विदेशी विनिमय का नियंत्रण
 5. साख नियंत्रण
 6. आँकड़ों का संकलन एवं प्रकाशन
 निम्नलिखित कूट के आधार पर सही उत्तर का चयन कीजिए-
 - (a) 1, 2 और 3
 - (b) 1, 3, 4 और 5
 - (c) 1, 2, 3 और 5
5. जनवरी, 2017 को प्रधानमंत्री ने देश के पहले अंतर्राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज 'इंडिया आईएनएक्स' का उद्घाटन किया। यह एक्सचेंज अवस्थित है-
 - (a) मुंबई
 - (b) दिल्ली
 - (c) गाँधीनगर
 - (d) कोलकाता
6. मिश्रित अर्थव्यवस्था से क्या अभिप्राय है?
 - (a) अर्थव्यवस्था में कृषि और उद्योग दोनों को बढ़ावा देना।
 - (b) सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र का सहअस्तित्व।
 - (c) उच्च एवं निर्धन वर्ग का सहअस्तित्व।
 - (d) छोटे और बड़े उद्योगों का सहअस्तित्व।
7. प्रच्छन्न बेरोजगारी का अर्थ है-
 - (a) काम करने के इच्छुक होना और काम न मिलना।
 - (b) पूरे वर्ष में प्रत्येक दिन काम न मिलना।
 - (c) विशाल श्रमिक शक्ति को नियोजित करने के लिये पूँजी संरचना का अपर्याप्त होना।
 - (d) एक ही व्यवसाय में आवश्यकता से अधिक लोगों का कार्यरत होना।
8. राष्ट्रीय कृषि ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
 1. इसकी स्थापना शिवरमन समिति की अनुशंसा पर की गई थी।
 2. कोई भी ग्रामीण कृषक सीधे इस बैंक से ऋण ले सकता है।
 उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?
 - (a) केवल 1
 - (b) केवल 2
 - (c) 1 और 2 दोनों
 - (d) न तो 1, न ही 2
9. भारतीय अर्थव्यवस्था का कौन सा क्षेत्र सकल राष्ट्रीय उत्पाद में सबसे अधिक योगदान करता है?
 - (a) प्राथमिक क्षेत्र
 - (b) द्वितीयक क्षेत्र
 - (c) तृतीयक क्षेत्र
 - (d) सार्वजनिक क्षेत्र
10. निम्नलिखित में से कौन मानव विकास सूचकांक का हिस्सा नहीं है?
 - (a) स्वास्थ्य एवं पोषण
 - (b) प्रति व्यक्ति आय
 - (c) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
 - (d) स्कूल के औसत प्रत्याशित वर्ष

11. बैंक दर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. बैंक दर आरबीआई द्वारा वाणिज्यिक बैंकों को जमानत पर दिये जाने वाले ऋणों पर ली जाने वाली दर है।
 2. बैंक दर प्रतिभूतियों की पुनः खरीद की कोई सुविधा नहीं देता।
- उपर्युक्त कथनों में कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?
- (a) केवल 1
 - (b) केवल 2
 - (c) 1 और 2 दोनों
 - (d) न तो 1, न ही 2
12. भारत में निम्नलिखित में से किस प्रकार की कर प्रणाली को अपनाया गया है?
- (a) प्रगतिशील कर प्रणाली
 - (b) प्रतिगामी कर प्रणाली
 - (c) समानुपातिक कर प्रणाली
 - (d) अवक्रमिक कर प्रणाली
13. निम्नलिखित में से कौन मुद्रास्फीति से लाभान्वित होगा?
1. ऋणदाता
 2. उद्यमी
 3. श्रमिक
 4. कृषक
- कूट:
- (a) 1 और 2
 - (b) 2 और 4
 - (c) 1, 3 और 4
 - (d) 1, 2, 3 और 4
14. निम्नलिखित में से गिफ्ट वस्तुएँ हैं-
- (a) वैसी वस्तुएँ, जिनकी मूल्य वृद्धि पर माँग भी बढ़ जाती है।
 - (b) वैसी वस्तुएँ, जिनकी मूल्य वृद्धि पर माँग कम हो जाती है।
 - (c) वैसी वस्तुएँ, जिनकी मूल्य वृद्धि पर माँग अपरिवर्तित रहती है।
 - (d) वैसी वस्तुएँ जिनका मूल्य लगभग स्थिर रहता है।
15. निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधियाँ तृतीयक क्षेत्रक के अंतर्गत आती हैं?
1. मत्स्यन
 2. व्यापार
 3. परिवहन
 4. भंडारण
 5. संचार
- निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
- (a) 2 और 5
 - (b) 1, 2 और 3
 - (c) 1, 3, 4 और 5
 - (d) 2, 3, 4 और 5
16. भुगतान बैंक (पेमेंट बैंक) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. ये ग्राहकों को ऋण दे सकते हैं।
 2. ये माँग जमा स्वीकार कर सकते हैं तथा डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड जारी कर सकते हैं।
- उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से कथन सही नहीं है/हैं?
- (a) केवल 1
 - (b) केवल 2
 - (c) 1 और 2 दोनों
 - (d) न तो 1, न ही 2
17. 'प्रोजेक्ट इनसाइट' संबंधित है-
- (a) काले धन का पता लगाने के लिये सरकार की एक पहल
 - (b) वित्तीय समावेशन के लिये सरकार की एक पहल
 - (c) प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर टैक्स चोरी रोकने के लिये आयकर विभाग की एक पहल
 - (d) प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर भारत में बीपीएल परिवारों की पहचान करने के लिये सरकार की एक पहल
18. निम्नलिखित में से मुद्रास्फीति की नियंत्रण के उपाय हैं-
1. करों में वृद्धि
 2. सार्वजनिक ऋणों में कमी
 3. बचतों को प्रोत्साहन
 4. बैंक दर में वृद्धि
- कूट:
- (a) 1 और 2
 - (b) 1 और 3
 - (c) 1, 3 और 4
 - (d) 2, 3 और 4
19. निम्नलिखित में से कौन से कथन पूँजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत आते हैं?
1. अहस्तक्षेप की नीति और निजी स्वामित्व
 2. कल्याणकारी भावना
 3. माँग और आपूर्ति के नियमों के अनुसार वितरण
- कूट:
- (a) केवल 1
 - (b) 1 और 3
 - (c) 2 और 3
 - (d) 1, 2 और 3
20. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता अल्पविकसित देश की नहीं है?
- (a) प्राथमिक उद्योगों की प्रधानता
 - (b) आयात की अधिकता
 - (c) पूँजी निर्माण की निम्न दर
 - (d) मुख्यतः विनिर्मित वस्तुओं का निर्यात

21. निम्नलिखित में से कौन से व्यय राजस्व व्यय के अंतर्गत आते हैं?
1. सरकारी कर्मचारियों के वेतन
 2. सरकार द्वारा ऋणों पर दिया जाने वाला ब्याज
 3. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के शेयरों में निवेश
- निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
- (a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3
22. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित है/हैं?
- | वक्र | संबंध |
|-----------------|--|
| 1. लैफर वक्र | - आय का वितरण |
| 2. फिलिप्स वक्र | - बेरोजगारी की दर एवं मुद्रास्फीति की दर में संबंध |
| 3. लोरेन्स वक्र | - कर की दरों एवं सरकारों द्वारा एकत्रित कर राजस्व के बीच संबंध |
- निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
- (a) केवल 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3
23. निम्नलिखित में से प्राथमिक घाटा प्राप्त होता है-
- (a) राजकोषीय घाटा में से राज्यों को दिये गये अनुदानों को घटाने पर
 - (b) कुल राजस्व व्यय में से कुल राजस्व प्राप्तियों को घटाने पर
 - (c) सकल राजकोषीय घाटा में से ब्याज अदायगी को घटाने पर
 - (d) सकल राजकोषीय घाटा में से स्फीतिक समायोजन को घटाने पर
24. भारत में वर्ष दर वर्ष घाटे के बजट की प्रवृत्ति रही है। इसे सरकार विभिन्न उपायों के द्वारा कम करती है। ये उपाय हैं-
1. निर्यात को बढ़ावा देना
 2. उत्पादन स्तर को बढ़ाना
 3. विदेशी निवेश को बढ़ाना
 4. रोजगार अवसरों को बढ़ाना
- निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए-
- (a) 2 और 3
(b) 1, 2 और 4
(c) 1, 3 और 4
25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. चालू खाते पर बैंक कोई ब्याज नहीं देता।
 2. सावधि जमाओं पर बैंक अधिक ब्याज देते हैं।
- उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2
26. लघु वित्त बैंक के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन असत्य है?
- (a) इसकी अनुशंसा नचिकेता मोर समिति द्वारा की गई थी।
 - (b) ये जमा राशि स्वीकार कर सकेंगे, लेकिन ऋण नहीं दे सकेंगे।
 - (c) पेंशन, म्युचल फण्ड, बीमा की बिक्री कर सकेंगे।
 - (d) पूर्ण बैंक में परिवर्तित हो सकते हैं।
27. दोहरे तुलन-पत्र (ट्विन-बैलेंस शीट) की समस्या संबंधित है-
- (a) कॉरपोरेट एवं बैंकिंग क्षेत्र
 - (b) राजकोषीय घाटा एवं चालू खाता घाटा
 - (c) सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र
 - (d) राजकोषीय घाटा एवं राजस्व घाटा
28. एस्प्रायर (ASPIRE) योजना संबंधित है-
- (a) नवाचार, ग्रामीण उद्योग एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए।
 - (b) महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए।
 - (c) युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए।
 - (d) प्रौद्योगिकी की सहायता से सरकारी विद्यालयों में शिक्षा।
29. इंद्रधनुष योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. यह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की स्थिति सुधारने के लिए शुरू की गई है।
 2. इस योजना के अंतर्गत सरकारी बैंकों के प्रमुखों एवं कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए 'बैंक बोर्ड ब्यूरो' की स्थापना की जायेगी।
- उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
- (a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों

30. निम्नलिखित में से कौन-सी रिपोर्ट 'विश्व आर्थिक मंच' द्वारा जारी नहीं की जाती?
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट
 - यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट
 - विश्व निवेश रिपोर्ट
 - वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी रिपोर्ट
31. वर्ल्ड इकोनोमिक आउटलुक पत्रिका किसके द्वारा जारी की जाती है?
- विश्व बैंक द्वारा
 - विश्व आर्थिक मंच द्वारा
 - अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा
 - विश्व व्यापार संगठन द्वारा
32. 'स्वच्छ भारत मिशन' के उद्देश्यों में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन शामिल है/हैं?
- हस्तचालित सफाई को समाप्त करना
 - खुले में मल त्याग को बंद करना
 - अस्वच्छ शौचालयों को फ्लैश शौचालयों में बदलना
- निम्नलिखित कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए-
- केवल 2
 - 1 और 2
 - 1 और 3
 - 1, 2 और 3
33. 'स्वयं प्लेटफार्म' संबंधित है-
- छात्रों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम
 - युवाओं को रोजगार से संबंधित जानकारी देने के लिए एक पहल
 - महिला सशक्तिकरण से संबंधित सरकार की एक पहल
 - किसानों को अपनी उपज स्वयं बाजार में बेचने के लिए सरकार की एक पहल
34. वित्त मंत्रालय का कौन-सा विभाग आर्थिक समीक्षा जारी करता है?
- आर्थिक कार्य विभाग
 - व्यय विभाग
 - राजस्व विभाग
 - वित्तीय सेवा विभाग
35. आर्थिक समीक्षा में उल्लेख होता है-
- गत वर्ष से संबंधित आर्थिक परिदृश्य
 - वर्तमान वर्ष से संबंधित आर्थिक परिदृश्य
 - आने वाले वर्ष से संबंधित आर्थिक परिदृश्य
- उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
- केवल 1
 - 1 और 2
 - 2 और 3
 - 1, 2 और 3
36. निम्नलिखित में से किन घाटों को जुड़वा घाटा (Twin Deficit) कहते हैं?
- राजकोषीय घाटा तथा राजस्व घाटा
 - राजकोषीय घाटा तथा चालू खाता घाटा
 - राजस्व घाटा तथा प्राथमिक घाटा
 - राजकोषीय घाटा तथा प्रभावी राजस्व घाटा
37. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में निम्नलिखित में से कौन-से क्षेत्र शामिल हैं?
- विनिर्माण
 - सेवा
 - खनन
 - विद्युत
- निम्नलिखित कूट के आधार पर सही उत्तर का चयन कीजिए-
- 1 और 3
 - 3 और 4
 - 1, 3 और 4
 - 1, 2 और 4
38. निम्नलिखित में से प्राथमिक घाटा है:-
- राजस्व व्यय - राजस्व प्राप्तियाँ
 - राजकोषीय घाटा - ब्याज का भुगतान
 - पूँजीगत व्यय - पूँजीगत प्राप्तियाँ
 - इनमें से कोई नहीं
39. निम्नलिखित में से प्रतिरोधात्मक (घर्षण) बेरोजगारी है:-
- रोजगार बदल रहे व्यक्तियों की अस्थायी बेरोजगारी
 - एक ही रोजगार में आवश्यकता से अधिक कर्मचारी
 - काम नहीं करने के इच्छुक बेरोजगार
 - ऐसे बेरोजगार जो काम करने के योग्य नहीं हैं
40. निम्नलिखित में से भारत में राष्ट्रीय आय का आकलन कौन करता है?
- राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संस्थान
 - केंद्रीय सांख्यिकी संगठन
 - नीति आयोग
 - वित्त मंत्रालय
41. भारत के निम्नलिखित में से कौन अर्थशास्त्री राष्ट्रीय आय के आकलन से सम्बन्धित नहीं हैं?
- वी.के.आर.वी.राव
 - पी.सी.महालनोबिस
 - डी.आर.गाडगिल
 - शंकरलाल गुरू
42. सकल घरेलू उत्पाद में विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय को जोड़ने पर प्राप्त होता है:-
- शुद्ध घरेलू उत्पाद
 - शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद
 - सकल राष्ट्रीय उत्पाद

43. किसी भी अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की गणना करने के लिए किन विधियों का प्रयोग किया जाता है?
1. आय विधि
 2. व्यय विधि
 3. उत्पाद विधि
- कूट:-
- (a) केवल 1
 - (b) 1 और 2
 - (c) 2 और 3
 - (d) 1, 2 और 3
44. केंद्रीय बैंक पर सारी निर्गमित मुद्रा के समतुल्य मान की संपत्ति का सुरक्षित भंडार रखने का दायित्व होता है। इस सम्पत्तियों में शामिल हैं:-
1. सोना
 2. चाँदी
 3. विदेशी मुद्रा
 4. स्थानीय मुद्रा में प्रतिभूतियाँ
- कूट:-
- (a) केवल 1
 - (b) 1 और 2
 - (c) 1, 2 और 3
 - (d) 1, 2, 3 और 4
45. 1921 में इम्पीरियल बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना निम्नलिखित में से किन प्रेसीडेंसी बैंकों को मिलाकर की गई थी?
1. बंगाल
 2. बम्बई
 3. मद्रास
 4. अवध
- कूट:-
- (a) 1 और 2
 - (b) 3 और 4
 - (c) 1, 2 और 3
 - (d) 1, 2, 3 और 4
46. भारतीय अर्थव्यवस्था में खुली बाजार कार्यवाही का सम्बन्ध है:-
- (a) बैंकों द्वारा रिजर्व बैंक से ऋण लेना
 - (b) सरकार द्वारा रिजर्व बैंक से ऋण लेना
 - (c) आरबीआई द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय
 - (d) इनमें से कोई नहीं
47. भारत सरकार के बजट घाटे में सर्वाधिक योगदान होता है:-
- (a) राजकोषीय घाटा
 - (b) प्रभावी राजस्व घाटा
 - (c) प्राथमिक घाटा
 - (d) राजस्व घाटा
48. भारत में निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है?
- (a) प्राथमिक क्षेत्र
 - (b) द्वितीयक क्षेत्र
 - (c) तृतीयक क्षेत्र
 - (d) इनमें से कोई नहीं
49. बजटीय घाटे की स्थिति में सरकार निम्नलिखित में से कौन-से कदम उठा सकती हैं?
1. नए नोट छापकर
 2. करारोपण
 3. कर में कटौती
- कूट:-
- (a) केवल 1
 - (b) 1 और 2
 - (c) 1 और 3
 - (d) 2 और 3
50. निम्नलिखित में से वैधानिक पत्र किसे कहा जाता है?
- (a) बॉण्ड
 - (b) करेंसी नोट
 - (c) सावधि जमा पत्र
 - (d) इनमें से कोई नहीं

ANSWER

1	A	2	C	3	C	4	D	5	C	6	B	7	D	8	A	9	C	10	A
11	A	12	A	13	B	14	A	15	D	16	C	17	C	18	C	19	B	20	D
21	B	22	A	23	C	24	D	25	C	26	B	27	A	28	A	29	A	30	C
31	C	32	D	33	A	34	A	35	D	36	B	37	C	38	B	39	A	40	B
41	D	42	C	43	D	44	D	45	C	46	C	47	A	48	A	49	B	50	B